हरिभूमि
छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी

हाथी प्रभावित है इलाका

गांव के ग्रामीणों ने यह भी बताया कि कया क्षेत्र में वर्तमान समय में 29 हाथियों का दल जंगलों में विचरण कर रहा है। बटुराकछार एक एक हिस्सा भी हाथी प्रभावित क्षेत्र में आता है। कया बस्ती के पास पुल का एक हिस्सा पानी में बह जाने से अब लोगों को बटुराकछार वाले इसी रास्ते का उपयोग करना पड़ रहा है। ऐसे में इस मार्ग में आना जाना करने में हाथियों का डर बना हुआ है।

अब लंबी दूरी तय करने की मजबूरी

ग्रामीणों ने बताया कि पुल का मिट्टी बह जाने से कया बस्ती के साथ-साथ आसपास के एक दर्जन से अधिक गांव के ग्रामीणों को घरघोड़ा तहसील जाने के लिये बटुराकछार से घूमकर जाना पड़ेगा। इस दौरान ग्रामीणों को लगभग 15 किलोमीटर अधिक सफर तय करना पड़ेगा।

बारिश में बहा पुल, 12 गांवों से टूटा संपर्क बच्चों का स्कूल पहुंचना हुआ मुश्किल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायगढ़

जिले में बीते दो दिनों से हो रही भारी बारिश के बीच बीते शुक्रवार की शाम घरघोड़ा विखं अंतर्गत एक गांव में बड़े नाले के पुल का एक हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। इससे आसपास के 12 गांवों का संपर्क कट गया है। स्कूली बच्चों सहित गांव के ग्रामीणों को कई तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। सबसे अधिक ▶▶|शेष पेज 4 पर

दर्री बांध ओवरफ्लो

कोरबा जिले में हो रही लगातार बारिश की वजह से बांगो व दर्री बांध का जल स्तर लगातार बढ़ता जा रहा है। बांगो डैम में जहां 91 प्रतिशत जल का भराव हो चुका है। जिसकी वजह से बांध में बने हाइडल प्लांट से पिछले 72 घंटे से विद्युत उत्पादन किया जा रहा है।

बांगो बांध के तीन गेट खोले गए

जिला मुख्यालय से 60 किलोमीटर दूर स्थित मिनिमता हसदेव बांगो बांध में क्षमता से अधिक पानी संग्रहित होने के कारण शनिवार की रात बांध के तीन गेट क्रमशः 5,6 व 8 नंबर को खोलकर 10 हजार क्यूसेक पानी प्रति सेकेण्ड हसदेव नदी में प्रवाहित किया जा रहा है।

दर्री बांध के दो गेट से छोड़ा जा रहा 18564 क्यूसेक पानी

घरों में घुसा पानी

दर्री बराज के दो गेट से 18 हजार 564 क्यूसेक पानी हसदेव नदी में छोड़ा जा रहा है। यही वजह है कि शनिवार को शहर में हसदेव नदी के किनारे स्थित निचली बस्तियों में पानी घुस गया है। बस्ती के मकानों में पानी घुसने की वजह से लोगों को अपना घर छोड़ना पड़ा है। वहीं बाढ़ से प्रभावित लोगों को सामुदायिक भवन में शरण लेना पड़ा है। बांगो बांध भी लबालब हो गया है। बांध में अभी 358.15 मीटर पानी का भराव हो चुका है। जिसकी वजह से संभावना है कि आज या कल बांगो बांध के गेट भी खोले जा सकते हैं।

शाह का ऐलान...दो साल में नक्सलियों को देंगे मात 2026 तक होगा देश से सफाया, लड़ाई अंतिम दौर में

कहा, अब तक 17 हजार की जान ले चुका है नक्सलवाद

बिहार, झारखंड, ओडिशा, आंध्रप्रदेश तेलंगाना, मप्र, महाराष्ट्र नक्सल मुक्त

छत्तीसगढ़ में धमतरी से दंतेवाड़ा तक सफाया कर देंगे

समन्वय बैठक में कहा- अभियान को दो गुना तेज करने की जरूरत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने नवा रायपुर में सात राज्यों के डीजीपी और मुख्य सचिवों के साथ नक्सलवाद के खिलाफ गंभीर मंथन किया। नक्सलियों के खिलाफ निर्णायक लड़ाई की रणनीति तैयार की गई। बैठक करने के बाद श्री शाह मीडिया से रूबरू हुए। उन्होंने नक्सलवाद को लेकर बड़ा ऐलान किया, कहा है कि नक्सलियों के खिलाफ लड़ाई अंतिम दौर में पहुंच रही है। मार्च, 2026 तक पूरे देश से नक्सलियों का सफाया हो जाएगा। मोदी सरकार ने वामपंथी उग्रवाद के खिलाफ विकास, प्रॉसीक्यूशन और ऑपरेशन के तीनों मोर्चों पर एक संपूर्ण रणनीति के साथ लड़ाई लड़ी है जिसके परिणामस्वरूप ये समस्या अब काफी हद तक सिमट गई है।

श्री शाह ने छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार की इस बात के लिए जमकर सराहना की है कि सरकार बनने के बाद 8 महीनों के भीतर नक्सलवाद को खत्म करने के लिए प्रभावी रणनीति को लागू किया गया है, उसके बेहतर परिणाम सामने आए हैं। बैठक की जानकारी देते हुए श्री शाह ने कहा कि नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में इंफ्रास्ट्रक्टर प्रोजेक्ट और प्रोजेक्ट की राह में बाधा दूर करने के लिए को-आर्डिनेशन कमेटी की बैठक यहां रखी गई ▶▶|शेष पेज 4 पर

साय सरकार की जमकर सराहना

छत्तीसगढ़ की विष्णु देव साय सरकार द्वारा माओवादी आतंकवाद के विरुद्ध उठाए जा रहे कदमों की केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने भी तारीफ की है। छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा पिछले 8 महीने में जिस तरह नक्सलवाद को खत्म करने के लिए प्रभावी रणनीति को लागू किया गया है, वह सराहनीय है। उन्होंने कहा कि साय सरकार अच्छा काम कर रही है।

अब अंतिम प्रहार का वक्त

शाह ने कहा कि वामपंथी उग्रवाद पर मजबूत रणनीति के साथ अंतिम प्रहार किया जाना जरूरी है। हमारा मानना है कि वामपंथी उग्रवाद देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए सबसे बड़ा चैलेंज है। पिछले चार दशकों में नक्सल समस्या के कारण 17 हजार लोगों की जानें गई हैं। जवानों और आम नागरिकों की जानें गई हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा की सरकार बनने के बाद से इस समस्या को चैलेंज के रूप में लिया गया है। उन्होंने कहा कि जिनके हाथों में हथियार हैं उन्हें उसे छुड़ाना है। इसके साथ ▶▶|शेष पेज 4 पर

राज्य पुलिस का आधुनिकीकरण करने केंद्रीय गृहमंत्री शाह ने की 30 करोड़ देने की घोषणा

छत्तीसगढ़ के तीन दिवसीय प्रवास पर पहुंचे केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने राज्य पुलिस के आधुनिकीकरण के लिए 30 करोड़ रुपए देने की घोषणा की है। गौरतलब है कि केंद्रीय मंत्री श्री शाह माओवादी आंतक विरोधी अभियान की समीक्षा करने शुक्रवार को तीन दिवसीय प्रवास पर पहुंचे, जहां छत्तीसगढ़ सहित सात राज्यों के मुख्य सचिव, डीजीपी सहित अन्य अफसर पहुंचे हैं। बैठक के दौरान केंद्रीय गृहमंत्री ने राज्य ▶▶|शेष पेज 4 पर

केंद्रीय मंत्री शाह बोले

- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में वामपंथी उग्रवाद के खिलाफ अभियान अब निर्णायक मोड़ पर
- रुथलैस अप्रोच के साथ वामपंथी उग्रवाद के पूरे इकोसिस्टम को ध्वस्त करना होगा
- मोदी सरकार वामपंथी उग्रवाद के खिलाफ विकास, प्रॉसीक्यूशन, ऑपरेशन के तीनों मोर्चों पर रणनीति के साथ लड़ाई लड़ रही
- राज्यों द्वारा वामपंथी उग्रवाद के कारण निरक्षर रह गए लोगों की पढ़ाई के लिए नीति बनाने की आवश्यकता
- जब तक नॉन रिटर्नेबल पाइंट पर पहुंच चुके उग्रवादी को सजा नहीं दिलाएंगे, तब तक इस समस्या पर काबू नहीं पा सकते
- वामपंथी उग्रवाद के वित्त पोषण, हथियारों की सप्लाई और उनकी मैन्युफैक्चरिंग पर कड़ाई के साथ रोकथाम जरूरी

खबर संक्षेप

भगवान जगन्नाथ के रत्न भंडार का होगा निरीक्षण

भुवनेश्वर। श्री जगन्नाथ मंदिर प्रशासन ने एएसआई को एक पत्र लिखकर पुरी में 12वीं सदी के मंदिर के रत्न भंडार की मरम्मत और नवीनीकरण से पहले इसका निरीक्षण कार्य शुरू करने का आग्रह किया है। एसजेटीए के मुख्य प्रशासक अरबिंद पाधी ने एएसआई महानिदेशक को लिखे पत्र में केंद्रीय एजेंसी से रत्न भंडार को अपने नियंत्रण में लेने का आग्रह किया।

धन के दुरुपयोग केस में ईडी की छापेमारी

नई दिल्ली। असम सरकार के निर्माण श्रमिकों के कल्याण के लिए निर्धारित धनराशि के कथित गबन से संबंधित मामले में ईडी ने छापेमारी की। इस दौरान 34 करोड़ रुपए की बैंक और सावधि जमा को पीएमएलए के तहत जब्त कर लिया गया। यह मामला 2013-16 के दौरान 118 करोड़ रुपये के ठेकों को 'धोखाधड़ी' से 'पूर्वश्री प्रिंटिंग हाउस' नामक कंपनी को दिए जाने से संबंधित है।

शिखर धवन ने क्रिकेट से लिया संन्यास

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के धाकड़ सलामी बल्लेबाज शिखर धवन ने क्रिकेट से संन्यास का ऐलान कर दिया है। उन्होंने शनिवार की सुबह सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर कर संन्यास की जानकारी दी। 2004 अंडर-19 वर्ल्ड कप में अपने प्रदर्शन के कारण पहली बार चर्चा में आए धवन ने 2010 में भारत के लिए डेब्यू किया था।

महाराष्ट्र में भूस्खलन यातायात बाधित

मुंबई। दक्षिणी महाराष्ट्र में अणुस्कुरा घाट पर भूस्खलन के कारण रत्नागिरी-कोल्हापुर मार्ग पर यातायात बाधित हो गया है। शुक्रवार देर रात मुख्य सड़क पर हुए भूस्खलन में कोई घायल नहीं हुआ। मलबा हटाने के लिए जेसीबी मशीन जैसे उपकरण घटनास्थल पर भेजे गए। उन्होंने बताया कि कोल्हापुर की ओर जाने वाली सड़क अवरुद्ध है और यातायात का मार्ग परिवर्तित किया गया है।

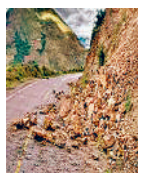

नवा रायपुर की सांस्कृतिक और ऐतिहासिक पहचान को सहेजने के लिए बनाई समिति

नवा रायपुर के चौक-चौराहों का नामकरण होगा, केदार की अध्यक्षता में बनी समिति

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

नवा रायपुर अटल नगर के प्रमुख मार्गों, चौक-चौराहों के नामकरण और चौराहों पर महापुरुषों की प्रतिमाएं स्थापित करने के लिए समिति का गठन किया गया है। यह समिति नवा रायपुर की सांस्कृतिक और ऐतिहासिक पहचान को सहेजने और उसके विकास को नई दिशा देने के उद्देश्य से बनाई गई है। वन मंत्री केदार कश्यप समिति के अध्यक्ष बनाए गए हैं।

वन मंत्री केदार कश्यप की अगुवाई वाली इस समिति में वित्त मंत्री ओपी चौधरी, स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल, विधायक सुशांत शुक्ला, इंद्र कुमार साहू और गुरू खुशवंत साहेब सदस्य होंगे। कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता विश्वविद्यालय के कुलपति बलदेव भाई शर्मा और मुख्यमंत्री के मीडिया सलाहकार पंकज झा भी समिति के सदस्य बनाए गए हैं। समिति की जिम्मेदारी नवा रायपुर के प्रमुख मार्गों और चौक-चौराहों के नामकरण की प्रक्रिया को अंतिम रूप देना है, साथ ही विभिन्न चौराहों पर महापुरुषों की प्रतिमाएं स्थापित करने के प्रस्तावों पर भी विचार करना है। इस कार्य में स्थानीय लोगों की राय और ▶▶|शेष पेज 4 पर

पुणे के पास हादसा

पेड़ से टकराकर जमीन पर गिरा हेलीकॉप्टर, 4 घायल

एजेंसी ▶▶| पुणे

मुंबई से हैदराबाद जा रहा एक निजी हेलीकॉप्टर शनिवार को पुणे जिले के मुलशी तहसील में दुर्घटनाग्रस्त हो गया और उसमें सवार चार लोग घायल हो गए। पुलिस अधिकारी ने बताया कि पायलट को पुणे शहर से लगभग 30-35 किलोमीटर दूर पौड के अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जबकि तीन यात्रियों को मामूली चोटें आई हैं।

हेलीकॉप्टर में ये थे सवार

पायलट ने हेलीकॉप्टर उतारने की कोशिश की, लेकिन यह एक पेड़ से टकरा गया और फिर जमीन पर गिर गया। हेलीकॉप्टर में सवार लोगों की पहचान कैप्टन आनंद, वीर भाटिया, अमरदीप सिंह और एस पी राम के रूप में हुई है।

गांव वालों का शव दफनाने से इंकार

गैंगरेप का आरोपी पुलिस से भागकर तालाब में कूदा, मौत

एजेंसी ▶▶| गुवाहाटी

असम गैंगरेप के मुख्य आरोपी तफजुल इस्लाम की तालाब में डूबने से मौत हो गई है। पुलिस आरोपी तफजुल को सुबह करीब चार बजे क्राइम सीन (अपराध स्थल) पर लेकर जा रही थी। उसी दौरान आरोपी ने पुलिस से बचने के लिए तालाब में छलांग लगा दी, लेकिन डूबने से उसकी मौत हो गई। इस घटना के दो अन्य आरोपी अभी भी फरार हैं और उनकी तलाश की जा रही है।

धक्का देकर भागने की कोशिश

नागांव के एसपी स्वप्निल डेका ने बताया कि आरोपी को जब सुबह हाथों में हथकड़ी लगाकर अपराध स्थल पर ला जाया जा रहा था तो आरोपी ने पुलिसकर्मियों को धक्का देकर वहां से भागने की कोशिश की और इस कोशिश में तालाब में कूद गया।

स्थानीय लोगों का बड़ा फैसला

स्थानीय निवासी सकलैन ने कहा, हम इस अपराधी के जनाजे में शामिल नहीं होंगे। हम अपराधियों के साथ नहीं रह सकते हैं। एक अन्य स्थानीय नागरिक असदउद्दीन अहमद ने कहा, आरोपी के कृत्य ने हमें शर्मसार कर दिया है।

झील की जमीन पर बेजा कब्जा, एक्टर दुखी

एक्टर नागार्जुन के कन्वेंशन सेंटर पर चला बुलडोजर

एजेंसी ▶▶| हैदराबाद

तेलंगाना में मशहूर तेलुगु अभिनेता नागार्जुन पर हैदराबाद आपदा प्रबंधन एवं संपत्ति संरक्षण एजेंसी (हाइड्रा) ने बड़ी कार्रवाई की है। हाइड्रा ने नागार्जुन के कन्वेंशन हॉल पर बुलडोजर चला दिया है। हाइड्रा और पुलिस के इस जॉइंट एक्शन में कन्वेंशन हॉल को ध्वस्त कर दिया गया। अभिनेता नागार्जुन ने तेलंगाना उच्च न्यायालय में याचिका दायर कर ध्वस्तीकरण पर रोक लगाने का अनुरोध किया, जिस पर अदालत ने अंतरिम रोक लगा दी। यह हॉल रंगारेड्डी जिले के शिल्परामम के पास बनाया गया था। दरअसल, यह भूमि एफटीएल जोन के अंतर्गत आती है।

10 एकड़ में फैला था कन्वेंशन सेंटर

10 एकड़ में फैले इस कन्वेंशन सेंटर ने तम्मिडीकुंटा झील पर अतिक्रमण कर रखा था। जांच में पाया गया कि केंद्र का 1.12 एकड़ क्षेत्र झील के फुल टैंक लेवल के भीतर था, जबकि 2 एकड़ से अधिक क्षेत्र झील के बफर जोन में आता है। यह अवैध निर्माण भूमि उपयोग और पर्यावरण के कई नियमों का उल्लंघन करता है। कन्वेंशन सेंटर में बड़ी शादियां होती थीं। कॉर्पोरेट एरेंजमेंट्स और समारोह के लिए भी प्रमुखता से इस्तेमाल किया जाता था।

नागार्जुन ने कहा- कार्रवाई से दुख हुआ

नागार्जुन ने इस कार्रवाई पर नाराजगी जाहिर की। अपने ऑफिशियल एक्स अकाउंट पर लिखा, 'कोर्ट केसेस और स्टे ऑर्डर लेने के बाद भी गैरकानूनी तरीके से कन्वेंशन सेंटर को तोड़ा गया। हमने अवैध निर्माण नहीं किया। ये जगह पट्टा भूमि है। झील की एक इंच जमीन का इस्तेमाल नहीं किया। इस सेंटर से जुड़ी जितनी भी शिकायतें हुई थीं, उन पर स्टे ऑर्डर लिया गया था।

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

- रायपुर रेल मंडल तैयार कर रहा कुली एप, बुकिंग के बाद चंद मिनटों में मिलेगी सुविधा
- काम के लिए स्टेशन में कुली को नहीं करना पड़ेगा इंतजार

मोबाइल एप से यात्री बुक कर सकेंगे कुली, एक क्लिक में तय होगा किराया, अवैध वसूली पर लगेगी लगाम

हरिभूमि एक्सक्लूसिव

ललित राठौड़ ⏭ रायपुर

रेलवे स्टेशन में भारी सामान को सीट तक पहुंचाने के लिए अब यात्रियों को कुली को ढूंढना नहीं पड़ेगा। रायपुर मंडल यात्रियों के हित में कुली एप तैयार कर रहा है, जिसकी सुविधा जल्द ही मिलने लेगी। देश के विभिन्न मंडल में यह सुविधा लागू हो चुकी है। अक्सर यात्रियों की शिकायत रहती है कि कुली काम के बाद मनमाना किराया वसूलते हैं। यह समस्या एप से पूरी तरह खत्म हो जाएगी। एप में संख्या व वजन के हिसाब से किराया भी तय होगा। बता दें कि मंडल के ⏭शेष पेज 4 पर

तैयार किया जा रहा एप

मंडल के कुलियों के लिए एप तैयार किया जा रहा है, जिसमें ऑनलाइन के जरिए यात्री कुली बुकिंग कर सकेंगे। इस सुविधा से कुलियों का समय बचेगा। उन्हें काम के लिए स्टेशन में घंटों इंतजार करना नहीं पड़ेगा।

- अवधेश कुमार त्रिवेदी, सीनियर डीसीएम

एप पर इस तरह होगा रजिस्ट्रेशन और भुगतान

मंडल के अधिकारियों के मुताबिक यात्री कुली एप पर जाकर अपने स्टेशन का विकल्प चुनेंगे तो उन्हें उस स्टेशन के कुली का बैच नंबर, नाम और फोन नंबर की पूरी जानकारी मिल जाएगी। प्लेटफार्म पर पहुंचने से पहले यात्री एप पर रजिस्ट्रेशन कराने पर एक मैसेज मिलेगा जिसमें उनका सामान उठाने वाले कुली का डिटेल होगा। एप में सामान की संख्या, छोटे बड़े के आधार पर कीमत भी तय होगी जिसका यात्री को आनलाइन भुगतान करना होगा। रजिस्ट्रेशन के बाद प्लेटफार्म पर पहुंचते ही कुली यात्रियों की सेवा में मौजूद रहेंगे। एप का बड़ा फायदा रुपये को लेकर वाद विवाद की कोई स्थिति नहीं रहेगी। कुलियों को भी रेलवे से आनलाइन भुगतान उनके खाते में मिल जाएगा।

स्टेशन में यात्री को ढूंढ लेगा कुली

वर्तमान में सामान चढ़ाने और उतारने या फिर ऑटो तक पहुंचाने के लिए यात्रियों को स्टेशन में कुली के लिए भटकना पड़ता है। एप के जरिए पहले से भी कुली की बुकिंग कर सकते हैं। तत्काल बुकिंग पर भी सुविधा चंद मिनटों में मिलेगी। बुकिंग के आधार पर यात्री स्टेशन पर खुद ढूंढ लेगा। एप बनाने का कार्य जारी है। अगले कुछ माह में ये सेवा देश भर में शुरू की जाएगी। शनिवार को डीआरएम ऑफिस में कुलियों को इसकी विस्तार से जानकारी दी गई।

लीला देवी कॉलेज ऑफ नर्सिंग एण्ड फार्मेसी

बी एस सी नर्सिंग [60 Seats]

डिप्लोमा इन फार्मेसी [60 Seats]

महाविद्यालय परिसर : ग्रेटर रायपुर, मोतीपुर, जामगांव रोड, जिला -दुर्ग

9131880895, 8319870997

6, इंस्टीट्यूशनल एरिया, मुखर्जी हॉस्टल के पीछे, शासकीय विज्ञान महाविद्यालय, रायपुर

83700 77700, 7024125200

inh 24x7

छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें

TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

सरकारी कर्मचारियों को मोदी सरकार की बड़ी सौगात

एनपीएस की जगह अब यूपीएस, 10 साल में 10 हजार, 25 साल नौकरी की तो पूरी पेंशन

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

केंद्र की मोदी सरकार ने सरकारी कर्मचारियों को बड़ी सौगात दी है। नई पेंशन स्कीम में सुधार की मांग पर ध्यान देते हुए सरकार ने यूनिफाइड पेंशन स्कीम को मंजूरी दे दी है। इसका उद्देश्य सरकारी कर्मचारियों को सुनिश्चित पेंशन, पारिवारिक पेंशन और सुनिश्चित न्यूनतम पेंशन देना है। 10 साल तक सरकारी नौकरी करने वाले को 10 हजार रुपए की पेंशन मिलेगी। 25 साल नौकरी करने वाले को पूरी पेंशन दी जाएगी।

- ओल्ड पेंशन स्कीम की केंद्र सरकार ने निकाली काट
- कर्मचारियों के पास एनपीएस और यूपीएस का होगा विकल्प

केंद्र सरकार ने एक नई पेंशन योजना का ऐलान किया है। इसका नाम यूनिफाइड पेंशन स्कीम होगा। ये फैसला कैबिनेट की बैठक में लिया गया। इस योजना के तहत अगर किसी कर्मचारी ने न्यूनतम 25 साल तक काम किया तो रिटायरमेंट के पहले नौकरी के आखिरी 12 महीने के बेसिक पे का 50 फीसदी पेंशन के रूप में मिलेगा। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि आज केंद्रीय मंत्रिमंडल ने सरकारी कर्मचारियों के लिए यूनिफाइड पेंशन स्कीम को मंजूरी दे दी है। इस योजना से केंद्र सरकार के लगभग 23 लाख कर्मचारियों को यूनिफाइड पेंशन स्कीम से लाभ होगा। कर्मचारियों के पास एनपीएस और यूपीएस में से किसी एक को चुनने का विकल्प होगा। यूनिफाइड पेंशन स्कीम के तहत महंगाई इंडेक्सेशन का लाभ मिलेगा। नई पेंशन स्कीम में सुधार को लेकर डॉ. सोमनाथ कमेटी का गठन किया गया था। इस कमेटी ने विस्तार से चर्चा के बाद रिपोर्ट पेश की।

दरअसल, आज शनिवार को केंद्रीय कैबिनेट ब्रीफिंग के बारे में जानकारी केंद्रीय सूचना प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि कैबिनेट की बैठक में कई अहम फैसले लिए गए, जिसमें यूनिफाइड पेंशन स्कीम का ऐलान भी शामिल है। ⏭शेष पेज 4 पर

राज्य सरकारें भी चुन सकेंगी

एकीकृत पेंशन योजना का उद्देश्य सरकारी कर्मचारियों को सुनिश्चित पेंशन, पारिवारिक पेंशन और सुनिश्चित न्यूनतम पेंशन प्रदान करना है। इस बीच, राज्य सरकारों को भी एकीकृत पेंशन योजना चुनने का विकल्प दिया जाएगा। अगर राज्य सरकारें यूपीएस चुनती हैं, तो लाभार्थियों की संख्या करीब 90 लाख हो जाएगी। इस बीच, राज्य सरकारों को भी एकीकृत पेंशन योजना चुनने का विकल्प दिया जाएगा। अगर राज्य सरकारें यूपीएस चुनती हैं, तो लाभार्थियों की संख्या करीब 90 लाख हो जाएगी।

शाह ने सुनिश्चित पेंशन की सराहना की

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सरकारी कर्मचारियों को सुनिश्चित पेंशन प्रदान करने के फैसले की सराहना की। शाह ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, आज केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा एकीकृत पेंशन योजना को मंजूरी देने पर केंद्र सरकार के हमारे कर्मचारियों को बधाई। योजना को मंजूरी देकर मोदी सरकार ने केंद्र सरकार के कर्मचारियों की वित्तीय सुरक्षा के लिए अपनी प्रतिबद्धता प्रकट की है, जो देश के शासन की रीढ़ हैं।

यूपीएस में क्या है खास

1. **पेंशन** कर्मचारी को रिटायरमेंट के पहले के 12 महीने की बेसिक सैलरी के औसत का 50 फीसदी एश्योर्ड पेंशन के रूप में मिलेगा। इसके लिए 25 साल की नौकरी जरूरी है। यदि किसी ने 25 साल से कम और 10 साल से ज्यादा है, तो पेंशन कम मिलेगी।
2. **फैमिली पेंशन** किसी कर्मचारी की मौत होने के समय उसकी जो पेंशन बनेगी (यदि मौत की जगह उसका रिटायरमेंट हुआ होता), उसका 60 फीसदी पेंशन के रूप में परिवार को मिलेगा
3. **न्यूनतम पेंशन** 10 साल से कम नौकरी होने पर अश्योर्ड मिनिमम पेंशन 10 हजार रुपए महीना होगी। महंगाई के साथ यह आज की तारीख में करीब 15 हजार रुपए होगी।
4. **डीआर** तीनों पेंशन पर महंगाई के हिसाब से डीआर (डियरनेस रिलीफ) का पैसा मिलेगा। यह ऑल इंडिया कंज्यूमर प्राइज इंडेक्स फॉर इंडस्ट्रियल वर्कर्स पर आधारित होगा।
5. **6 महीने की सर्विस** हर 6 महीने की सर्विस के लिए वेतन का 10 फीसदी लमसम अमाउंट का मिलेगा। अगर किसी की 30 साल की सर्विस हो गई, तो उसे छह महीने की सैलरी (भत्ते सहित) का पैसा मिलेगा। यह ग्रेच्युटी के अलावा होगा।

थाना अरनपुर क्षेत्र का मामला

भीमा मंडावी पर हमला करने वाले पांच आरोपी धरे गए

हरिभूमि न्यूज ⏭ दंतेवाड़ा

थाना अरनपुर क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पोटाली के जोगाराम पोडियामी की हत्या का बदला लेने के लिए कुछ हमलावरों ने ग्राम माडेदा के ग्रामीण भीमा मंडावी पर जानलेवा हमला किया था। इस हमले में शामिल 4 आरोपियों को पुलिस ने 16 अगस्त को गिरफ्तार किया था। शेष अन्य 5 आरोपियों को पुलिस ने 23 अगस्त को गिरफ्तार किया है, जिसमें 2 विधि से संघर्षरत बालक भी शामिल है। जानकारी के अनुसार 15 अगस्त की देर शाम थाना ⏭शेष पेज 4 पर

न्यायिक रिमांड पर तीन आरोपी

तीन आरोपियों हीरेश मंडावी पिता जोगा मंडावी (31), निवासी ग्राम पोटाली धुरवापारा, हरिश मंडावी पिता लखमा मंडावी (22) निवासी ग्राम पोटाली धुरवापारा एवं जोगा मरकाम पिता स्व. हूंगा मरकाम (41), निवासी ग्राम पोटाली मेटापारा को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश कर न्यायिक रिमाण्ड पर जेल दाखिल किया गया तथा 2 विधि से संघर्षरत बालकों को बाल सुधार गृह में भेजा गया।

मुखबिरी का आरोप लगाकर जमींदार को मार डाला

बीजापुर। नक्सलियों ने पुलिस मुखबिरी का आरोप लगाते हुए बुजुर्ग जमींदार की हत्या कर दी है। घटना गंगालूर क्षेत्र की है। बताया जा रहा है कि मृतक को नक्सलियों ने 4 बार जन अदालत लगाकर मुखबिरी न करने की चेतावनी दी थी। मिली जानकारी के अनुसार नक्सलियों ने शुक्रवार को लांचा पुनेम (60), निवासी पुसनार गायतापारा की धारदार हथियार से हमला कर हत्या कर दिया। नक्सलियों ने हत्या के बाद एक पर्चा भी फेंका है। जिसमें लिखा है कि चार बार जन अदालत लगाकर जमींदार को समझाया गया था, कि पुलिस की मुखबिरी न करें, लेकिन ये लगातार पुलिस की मुखबिरी कर रहा था, इस कारण इसे मौत की सजा दी गई है। इस घटना की जिम्मेदारी गंगालूर एरिया कमेटी ने ली है। इस घटना के बाद से इलाके में दहशत का माहौल है।

- शव के पास नक्सलियों ने फेंका पर्चा

खबर संक्षेप

पीएम मोदी आज महाराष्ट्र और राजस्थान का करेंगे दौरा

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी रविवार को महाराष्ट्र और राजस्थान का दौरा करेंगे। महाराष्ट्र में वह 11 लाख नयी लखपति दीदियों को

प्रमाणपत्र वितरित करेंगे। राजस्थान में वह उच्च न्यायालय की प्लेटिनम जुबली के समापन समारोह को संबोधित करेंगे। प्रधानमंत्री 25 अगस्त को पूर्वाह्न करीब 11:15 बजे जलगांव में लखपति दीदी सम्मेलन में भाग लेंगे।

विस्थापित कश्मीरियों के लिए 24 मतदान केंद्र

जम्मू। निर्वाचन आयोग ने आगामी जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनावों में कश्मीर से विस्थापित हुए लोगों के मतदान की सुविधा के लिए जम्मू,

उधमपुर और नयी दिल्ली में 24 विशेष मतदान केंद्र बनाए हैं। कश्मीर घाटी से विस्थापित होकर दिल्ली,जम्मू और उधमपुर में रह रहे लोगों को 'फॉर्म-एम' नहीं भरना होगा, जैसा कि लोकसभा चुनावों में करना पड़ा था।

आदिवासी ने की खुदकुशी चार पुलिसकर्मी निलंबित

खंडवा। मप्र के खंडवा में 32 वर्षीय एक आदिवासी ने पुलिस हिरासत में कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। इसके बाद

थाना प्रभारी समेत चार पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया गया। धर्मेंद्र को शुक्रवार को पंधाना पुलिस ने हिरासत में लिया था क्योंकि उसके पास से चोरी की गई एक मोटरसाइकिल जब्त की गई थी।

तमिलनाडु में नियुक्त किए जाएंगे 233 नए जज

इरोड। मद्रास उच्च न्यायालय के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश डी कृष्णकुमार ने शनिवार को कहा कि तमिलनाडु की विभिन्न

अदालतों में शीघ्र ही 233 न्यायाधीश नियुक्त किए जाएंगे। न्यायमूर्ति कृष्णकुमार ने वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से इलूमाथुर में जिला मुंशिफ-सह-न्यायिक मजिस्ट्रेट अदालत का उद्घाटन किया।

कोलकाता बलात्कार-हत्या मामला

मुख्य आरोपी समेत सात का पॉलीग्राफ टेस्ट, पूर्व प्राचार्य के खिलाफ केस दर्ज

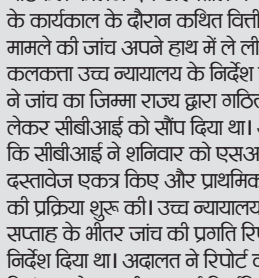

एजेंसी ⏭ कोलकाता

कोलकाता में एक ट्रेनी डॉक्टर से कथित बलात्कार और उसकी हत्या के मामले में मुख्य आरोपी और छह अन्य का 'पॉलीग्राफ टेस्ट' शनिवार को शुरू हो गया। मुख्य आरोपी संजय रॉय का 'पॉलीग्राफ टेस्ट' उस जेल में ही किया जाएगा जहां वह बंद है, जबकि पूर्व प्राचार्य संदीप घोष, घटना की रात ड्यूटी पर मौजूद चार चिकित्सकों और एक नागरिक स्वयंसेवक समेत छह अन्य का 'पॉलीग्राफ टेस्ट' एजेंसी के कार्यालय में किया जाएगा।

- मुख्य आरोपी छह अन्य का 'पॉलीग्राफ टेस्ट' प्रारंभ

दिल्ली से पहुंची टीम

सीबीआई के अधिकारियों ने बताया कि दिल्ली के केंद्रीय फॉरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला से 'पॉलीग्राफ' विशेषज्ञों का एक दल कोलकाता पहुंच गया है। सीबीआई ने गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट से कहा था कि लोकल पुलिस ने ट्रेनी डॉक्टर से बलात्कार और उसकी हत्या के मामले को दबाने का प्रयास किया था और जब तक संघीय एजेंसी ने जांच अपने हाथ में ली, तब तक अपराध स्थल से छेड़छाड़ की जा चुकी थी। हत्या की घटना के खिलाफ देश भर में व्यापक विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं।

वित्तीय अनियमितताओं की होगी जांच

सीबीआई ने शनिवार को कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में पूर्व प्राचार्य संदीप घोष के कार्यकाल के दौरान कथित वित्तीय अनियमितताओं के मामले की जांच अपने हाथ में ले ली। यह कार्रवाई कलकता उच्च न्यायालय के निर्देश पर की गई। अदालत ने जांच का जिम्मा राज्य द्वारा गठित विशेष जांच दल से लेकर सीबीआई को सौंप दिया था। अधिकारी ने बताया कि सीबीआई ने शनिवार को एसआईटी से आवश्यक दस्तावेज एकत्र किए और प्राथमिकी फिर से दर्ज करने की प्रक्रिया शुरू की। उच्च न्यायालय ने सीबीआई को तीन सप्ताह के भीतर जांच की प्रगति रिपोर्ट पेश करने का निर्देश दिया था। अदालत ने रिपोर्ट की समीक्षा के लिए 17 सितंबर को अगली सुनवाई निर्धारित की है।

कांग्रेस नेताओं की गिरफ्तारी के विरोध में प्रदेशभर में कांग्रेस का धरना, प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

दीपक बैज बोले- सरकार में हिम्मत है तो कांग्रेस और भाजपा नेताओं का नार्को टेस्ट कराए

बलौदाबाजार मामले में कांग्रेस विधायक देवेन्द्र यादव सहित कांग्रेस के नेताओं और सतनामी समाज के लोगों की गिरफ्तारी के विरोध में कांग्रेस ने प्रदेश भर में शनिवार को विरोध प्रदर्शन किया। राजधानी रायपुर में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज, नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत ने सक्ति, दुर्ग में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने धरना प्रदर्शन का नेतृत्व किया। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा, निर्दोष लोगों पर गिरफ्तारी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। दीपक बैज ने कहा, मैं सरकार को चुनौती देता हूं हमारे नेताओं का ⏭शेष पेज 4 पर

कहां के प्रदर्शन में कौन रहा

सरगुजा में पूर्व उपमुख्यमंत्री टी. एस. सिंहदेव, महासमुंद में पूर्व अध्यक्ष धनेन्द्र साहू, जगदलपुर एवं बस्तर ग्रामीण पूर्व अध्यक्ष मोहन मरकाम, धमतरी पूर्व मंत्री सत्यनारायण शर्मा, जांजगीर-चांपा में डॉ. शिवकुमार डहरिया, राजनांदगांव रविन्द्र चौबे, बालोद में सांसद फूलोदेवी नेताम, कोरबा शहर एवं ग्रामीण ज्योत्सना महंत, सूरजपुर डॉ. प्रेमसाय सिंह, ⏭शेष पेज 4 पर

पांच-पांच लाख रुपए के इनामी नक्सली दंपती ने किया सरेंडर

हरिभूमि न्यूज ⏭ धमतरी

कई गंभीर घटनाओं में शामिल रहे नक्सली दंपती ने नक्सलियों की विचारधारा से त्रस्त होकर तथा शासन की पुनर्वास नीति से प्रभावित होकर एसपी व एएसपी के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया है। शासन द्वारा दोनों पर पांच-पांच लाख का इनाम घोषित है।

चार दिन पहले सीतानदी एरिया कमेटी के सदस्य व रावस समन्वय के डिप्टी कमांडर अजय उर्फ अघन ने एसपी के समक्ष आत्मसमर्पण किया था। रायपुर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक अमरेश मिश्रा के निर्देश पर जारी अभियान के दौरान नगरी एरिया एमेटी ⏭शेष पेज 4 पर

पुनर्वास नीति से प्रभावित

इन बड़ी घटनाओं में रहे शामिल

आत्मसर्पित नक्सली टिकेश वट्टी ने धमतरी जिला व सरहदी जिला गरियाबंद व कांकेर के वनांचल क्षेत्र में हत्या व हत्या का प्रयास जैसी बड़ी घटनाओं को अंजाम दिया था। टिकेश के खिलाफ धमतरी जिला में कुल 18 अपराध दर्ज है। इसी तरह गरियाबंद में 12 तथा कांकेर जिला में 2 अपराध पंजीबद्ध है। टिकेश वर्ष 2013 में ⏭शेष पेज 4 पर

16 घायलों को भी लाया गया भारत

नेपाल हादसे में मारे गए 25 भारतीयों के शव विशेष विमान से लाए गए

एजेंसी ⏭ काठमांडू

नेपाल में हुई बस दुर्घटना में जान गंवाने वाले 25 भारतीय तीर्थयात्रियों के शव लेकर भारतीय वायुसेना का एक विशेष विमान महाराष्ट्र के जलगांव लाया गया। दो लोगों के शव बाद में उत्तर प्रदेश के महाराजगंज लाए गए। मध्य नेपाल में एक भारतीय पर्यटक बस शुक्रवार को राजमार्ग से पलटकर 150 मीटर नीचे तेज बहाव वाली मर्स्यांगदी नदी में गिर गई थी, जिससे कम के कम 27 भारतीय तीर्थयात्रियों की मौत हो गई और 16 अन्य घायल हो गए।

पीएम ने किया मुआवजे का ऐलान

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मध्य नेपाल के तनहुन में एक सड़क दुर्घटना में मारे गए मृतकों के परिजनों और घायलों के लिए शनिवार को मुआवजे की घोषणा की। नेपाल के तनहुन जिले में सड़क दुर्घटना में मारे गए प्रत्येक मृतक के परिजनों को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से दो लाख रुपए दिए जाएंगे। घायलों को 50,000 रुपये दिए जाएंगे।

केंद्रीय मंत्री पहुंच थे नेपाल

सूत्रों ने बताया, केंद्रीय युवा मामले एवं खेल राज्य मंत्री रक्षा निखिल खडसे ने काठमांडू के एक अस्पताल में घायलों से मुलाकात की और फिर घरेलू उड़ान से भरतपुर चले गए। खडसे, 25 शव और 10 जीवित बचे लोगों को लेकर भारतीय वायुसेना का विमान भरतपुर से भारत के लिए रवाना हुआ। खडसे ने भरतपुर से रवाना होने से पहले 'एक्स' पर कहा, नेपाल में हुए बस हादसे में मारे गए जलगांव के 25 लोगों के पार्थिव शरीर को लेकर जलगांव हवाई अड्डे पहुंचेंगे।

पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता के आरजी कर अस्पताल में कार्यरत ट्रेनी डॉक्टर की रेप और हत्या के मामले ने एक बार फिर से देश को झकझोर दिया है। इससे पहले वर्ष 2012 में निर्भया कांड ने देश को हिलाकर रख दिया था। निर्भया कांड के बाद रेप व हत्या के खिलाफ कठोर कानून बने, उससे लगा कि देश में ऐसे मामलों में कमी आएगी, लेकिन राष्ट्रीय अपराध रिकार्ड ब्यूरो के आंकड़े उम्मीदों पर पानी फेरते हैं। करीब 12 वर्ष में देश में तीन लाख से अधिक महिलाओं के खिलाफ अपराध दर्ज हुए, इनमें करीब दो लाख यौन हिंसा के मामले हैं। बड़ी बात है कि एडीआर की रिपोर्ट के मुताबिक,कई सांसद व विधायक हैं, जिन पर महिलाओं के खिलाफ अपराध के मामले दर्ज हैं।महिलाओं के खिलाफ यौन हिंसा का बढ़ना दिखाता है कि सरकार, शासन, पुलिस प्रशासन विफल साबित हो रहे हैं, कठोर कानून का भय भी अपराधियों में नहीं है, लगता है जैसे समूचा समाज बीमार है। पुरुष का एक वर्ग मानसिक विकृति व यौन कुंठा से ग्रसित प्रतीत हो रहा है। महिलाओं के खिलाफ बढ़ रही यौन हिंसा चिंतनीय है, आखिर इसे कैसे रोका जा सकता है? यौन अपराध नहीं रुक रहे हैं। समाज व परिवार की भूमिका कमजोर क्यों साबित हो रही है? कोलकाता रेपहत्याकांड के बाद महिला सुरक्षा को लेकर उठ रहे सवालों की पड़ताल करता आजकल का यह अंक...

सामाजिक-प्रशासनिक समाधान जरूरी

रेपहत्याकांड

रोहित कौशिक

वरिष्ठ पत्रकार

सवाल यह है कि क्या फांसी के डर से ऐसी घटनाएं वास्तव में कम हो रही हैं। निर्भया केस में दोषियों को फांसी दी गई, लेकिन उसके बाद भी रेप व हत्याकांड की कई घटनाएं घटीं। दुर्भाग्यपूर्ण यह है कि आज कुछ बाजारवादी शक्तियां समाज की वासना को जानबूझकर भड़काने का प्रयास कर रही हैं। इसलिए न ही तो जनता का गुस्सा और न ही फांसी का डर ऐसी घटनाओं पर लगाम लगा पा रहे हैं। आज कुछ बुद्धिजीवी नैतिकता और प्रगतिशीलता को विरोधाभासी प्रक्रिया सिद्ध करने में लगे हुए हैं। जबकि प्रगतिशील होने का अर्थ नैतिकता खो देना नहीं है। इसलिए प्रगतिशील होते हुए कैसे समाज की नैतिकता बरकरार रहे, यह हमें सोचना होगा।

कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज में एक ट्रेनी महिला डॉक्टर से रेप व हत्या की घटना के बाद महाराष्ट्र के ठाणे जिले के वदलापुर में निजी स्कूल में दो बच्चियों से यौन शोषण की घटना सामने आई है। कोलकाता की घटना के समय ही उत्तराखंड के ऊधमसिंह नगर में घर लौट रही एक नर्स का दुष्कर्म कर बर्बरता से उसकी हत्या कर दी गई थी। बिहार के मुजफ्फरपुर में भी 14 साल की छात्रा से बलात्कार करने के बाद उसकी हत्या कर दी गई। महिलाओं और छोटी-छोटी बच्चियों से बलात्कार किए जाने की घटनाएँ लगातार प्रकाश में आती रहती हैं। ऐसी घटनाएँ बार-बार हमारी सभ्यता पर प्रश्नचिन्ह लगाती हैं।

अब हमें इस समस्या के पीछे छिपे मनोविज्ञान पर भी गंभीरता से विचार-विमर्श करना होगा, तभी इस समस्या का स्थाई समाधान खोजा जा सकता है। कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज में एक ट्रेनी महिला डॉक्टर के साथ दरिंदगी की घटना ने समूचे देश को एक बार फिर से शर्मसार किया है। बेशक मामले की जांच सीबीआई कर रही है, कुछ आरोपित गिरफ्तार हैं और पूछताछ का सामना कर रहे हैं, लेकिन इस मामले में कोलकाता हाईकोर्ट ने जिस प्रकार पश्चिम बंगाल की सरकार को सवालों के घेरे में खड़ा किया और उसके बाद जिस तरह सुप्रीम कोर्ट ने मामले में शासन व प्रशासन को लताड़ लगाई, उससे इस मामले में पश्चिम बंगाल सरकार की प्रशासनिक विफलता की पोल खुली है। यह रेप-हत्याकांड हमारे समाज पर सवाल उठाता है, बढ़ रही मानसिक विकृति की तरफ इशारा करता है। महिलाओं के खिलाफ यौन हिंसा को रोकने में केवल कानून, सरकार और पुलिस प्रशासन ही कारगर नहीं हैं, बल्कि सामाजिक व पारिवारिक संस्कार भी विकसित करने की जरूरत है।

क्यों बढ़ती जा रही ऐसी घटनाएं

आज जिस प्रकार से इस प्रकार की घटनाएं बढ़ती जा रही हैं, उसे केवल कुछ तत्वों का मानसिक दिवालियापन कहकर खारिज नहीं किया जा सकता। समाज में इस तरह के व्यवहार का बढ़ना स्पष्ट रूप से यह संकेत देता है कि हमारे सामाजिक ताने-बाने में कहीं न कहीं कोई खोट जरूर है। यहाँ यह विचार करना भी जरूरी है कि यह खोट अपने आप पैदा हुआ है या फिर जानबूझकर पैदा किया जा रहा है। दिसम्बर 2012 में हुई दिल्ली सामूहिक बलात्कार की घटना के विरोध में जिस तरह से जनता सड़कों पर उतरी थी, उसे देखकर लगा था कि शायद हमारा समाज जाग गया है। लेकिन इस घटना के बाद भी लगातार ऐसे समाचार प्रकाश में आते रहे। हैवानियत और दरिंदगी की ऐसी घटनाओं पर गुस्सा जायज है लेकिन केवल गुस्से से ही किसी भी समस्या का समाधान नहीं हो सकता। हमें ठहरकर यह सोचना होगा कि बार-बार इस तरह की घटनाएँ क्यों घट रही हैं। सवाल यह है कि क्या पितृसत्तात्मक समाज महिलाओं को सच्चे अर्थों में सम्मान देता है? एक तरफ हम महिलाओं के मामले में स्वयं को प्रगतिशील मानने हैं तो दूसरी तरफ महिलाओं के प्रति हमारी दृष्टि साफ नहीं होती है। जब तक हम महिलाओं को सच्चे अर्थों में सम्मान देना नहीं सीखेंगे तक तब ऐसी घटनाओं को रोकने के सारे उपाय फौरी साबित होंगे। दरअसल, बलात्कार एक ऐसा शोषणकारी शब्द है जिससे उस शोषणकारी व्यवहार एवं प्रक्रिया का बोध होता है जो न केवल हमारे अस्तित्व को हिलाकर रख देती है बल्कि हमारे अन्दर एक हीनभावना भी पैदा कर देती है। इस व्यवहार का एक दुखद और विरोधाभासी पहलू यही है कि जो व्यक्ति इस घिनौने कृत्य को अंजाम देता है उसके अन्दर हीनभावना पैदा नहीं होती है बल्कि पीड़िता स्वयं को हीन मानने लगती है। दुनिया का कोई भी शोषणकारी व्यवहार श्रेष्ठता और हीनता के बोध के बिना पैदा नहीं होता है। इस व्यवहार में स्वयं को श्रेष्ठ या बड़ा सिद्ध करने तथा दूसरों को हीन या छोटा सिद्ध करने की प्रवृत्ति होती है। बलात्कार या दुष्कर्म जैसी घटनाओं में यह भाव तात्कालिक रूप से भी पैदा हो सकता है। साथ ही वासना का तात्कालिक आवेग भी ऐसी घटनाओं के लिए जिम्मेदार है। जो भी हो ,बलात्कार जैसी घटनाएँ न केवल मनुष्य की यौन-स्वतंत्रता और यौन-शुचिता पर कुठाराघात है बल्कि उसे यौनिक रूप से पंगु बना देने की चाल भी है। मनोवैज्ञानिक ऐसे घिनौने कृत्य करने वाले लोगों को मानसिक रूप से बीमार बताते हैं लेकिन सवाल यह है कि इस दौर में यह मानसिक बीमारी क्यों बढ़ती जा रही है? बलात्कारी या दुष्कर्मी को केवल मानसिक रूप से बीमार कहकर ऐसी घटनाओं की गंभीरता को कम नहीं किया जा सकता। ऐसा नहीं है कि ऐसी घटनाएँ पहले नहीं होती थीं। पहले भी ऐसी घटनाएँ प्रकाश में आती थीं लेकिन इस दौर में ऐसे घिनौने कृत्यों की बाढ़ आ गई है। यह बाढ़ कब किसे अपनी चपेट में ले ले, कहा नहीं जा सकता। दुर्भाग्यपूर्ण यह है कि इस बाढ़ को रोकने के लिए जितने भी उपाय किए जा रहे हैं, वे सब सतही और फौरी साबित हो रहे हैं। यही कारण है कि दुष्कर्म की एक घटना को हम भूल भी नहीं पाते हैं कि दूसरी घटना प्रकाश में आ जाती है। यह सब तो तब है जब ऐसी घटनाओं के विरोध में जनता सड़कों पर आ जाती है लेकिन जनता का गुस्सा ,सरकार की कोशिश और कानून का डर भी दुष्कर्मियों के नापाक हौसलों को पस्त नहीं कर पा रहा है। ऐसी घटनाओं के बाद जनता माँग करती है कि दुष्कर्मियों को शीघ्र से शीघ्र फाँसी दी जाए। लेकिन सवाल यह है कि क्या फाँसी के डर से ऐसी घटनाएँ वास्तव में कम हो रही हैं। निर्भया केस में दोषियों को फांसी दी गई, लेकिन उसके बाद भी रेप व हत्याकांड की कई घटनाएं घटीं। दुर्भाग्यपूर्ण यह है कि आज कुछ बाजारवादी शक्तियाँ समाज की वासना को जानबूझकर भड़काने का प्रयास कर रही हैं। इसलिए न ही तो जनता का गुस्सा और न ही फाँसी का डर ऐसी घटनाओं पर लगाम लगा पा रहे हैं। आज कुछ बुद्धिजीवी नैतिकता और प्रगतिशीलता को विरोधाभासी प्रक्रिया सिद्ध करने में लगे हुए हैं। जबकि प्रगतिशील होने का अर्थ नैतिकता खो देना नहीं है। इसलिए प्रगतिशील होते हुए कैसे समाज की नैतिकता बरकरार रहे, यह हमें सोचना होगा। निश्चित रूप से कड़ा कानून और पुलिस की तत्परता दुष्कर्म की घटनाओं पर लगाम लगाने के लिए अति आवश्यक हैं। लेकिन ये उपाय भी इस समस्या का वास्तविक समाधान नहीं हैं। अब समय आ गया है कि हम ऐसी घटनाओं के मूल कारणों पर ध्यान दें। पिछले कुछ वर्षों में नैतिकता और अनैतिकता के बीच की स्थिति जिस तरह से गड्डमड्ड हुई है, वह दुर्भाग्यपूर्ण है। टीवी, फिल्मों और विज्ञापनों में जिस तरह की नंगई पसरी हुई है, वह आज नैतिक हो गई है। इंटरनेट पर जो पॉर्न साइटें उपलब्ध हैं, वे भी नंगई और वासना का एक नया शास्त्र गढ़ रही हैं। फिल्मों में जब हम द्विअर्थी संवाद और नंगे दृश्य सुनते और देखते हैं तो परिवार के सामने हमारा सिर शर्म से झुक जाता है। अनेक फिल्मों के गीत-संगीत को सुनकर और इन गानों पर नायिकाओं द्वारा किए जाने वाला अभिनय देखकर ऐसा लगता है कि मानो जानबूझकर श्रोताओं और दर्शकों की वासना को गति प्रदान करने के लिए यह सब कुछ किया जा रहा है।

स्थायी उपचार की आवश्यकता

यह विडम्बना ही है कि ऐसी स्थिति में भी सेंसर बोर्ड एक गहरी नींद सो रहा है। सामाजिक व मानसिक नंगेपन की प्रक्रिया मानसिक रूप से बीमार बनाती है। ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए कड़े कानून के साथ-साथ सामाजिक जागरूकता भी आवश्यक है। अब सरकार, समाज व परिवार को इस विषय पर गंभीरता के साथ विचार करना होगा। स्थायी उपचार के अभाव में हमारे समाज में महिलाओं के खिलाफ यौन हिंसा की बीमारी कैंसर की तरह बढ़ती रहेगी और हम यूँ ही सड़कों पर अपना गुस्सा दिखाते रहेंगे। महिलाओं को सम्मान सुनिश्चित करके ही ऐसी घटनाओं को रोका जा सकता है।

आखिर कब तक...

यौन हिंसा

बाल मुकुन्द ओझा

वरिष्ठ पत्रकार

सर्वोच्च न्यायालय ने कोलकाता में ट्रेनी डॉक्टर से रेप और हत्या के प्रकरण पर बंगाल सरकार को फटकार लगाते हुए पुलिस की जांच पर सवाल उठाये और इसे शर्मनाक बताते हुए कहा कि पुलिस ने जो प्रक्रिया अपनाई, वह क्रिमिनल प्रोसिजर कोड से अलग है। जज ने कहा, अपने 30 साल के करियर में मैंने ऐसा नहीं देखा। पुलिस की जांच से हमें सदमा लगा है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार देश में दो साल की बच्ची से लेकर बुजुर्ग महिला तक दुष्कर्म की शिकार हो रही हैं। ऐसे में कानून के पालनहार कोई सख्त कदम उठाने के बजाय अपनी गलतियों को छिपाने के लिए नित नए बहाने ढूंढ रहे हैं। महिलाओं के साथ होने वाले बलात्कार, छेड़छाड़ और शोषण जैसे अपराधों में तेजी आई है। ऐसा लगता है निर्भया से लेकर कोलकाता और बदलापुर तक के सफर में कहीं सुधार के लक्षण परिलक्षित नहीं हो रहे हैं। देश में एक बार फिर महिलाओं की इज्जत से खिलवाड़ के खिलाफ भारी आक्रोश के स्वर सुनाई देने लगे हैं। राजनीतिक दलों की कथनी और करनी से भी पर्दा उठने लगा है। महिलाओं के उत्पीड़नकर्ताओं के मन में सजा का भय ही नहीं है, यही वजह है कि यौन हिंसा के मामलों में वृद्धि हो रही है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो की रिपोर्ट के अनुसार, 2017 से 2022 के बीच भारत में बलात्कार के कुल 1.89 लाख मामले दर्ज किए गए, जिनमें 1.91 लाख पीड़ित शामिल थे। बलात्कार पीड़ितों की सबसे अधिक संख्या 18 से 30 वर्ष की आयु के बीच है। बहुत सारे मामले ऐसे हैं, जिनकी थानों में रिपोर्ट ही नहीं हो पाती। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो की मानें तो पिछले 10 वर्षों में महिलाओं के साथ बलात्कार के मामलों में 44 फीसदी बढ़ोतरी हुई है। ऐसे मामलों में ज्यादातर महिलाएं रिपोर्ट दर्ज कराने से झिझकती हैं। वे सामाजिक, पारिवारिक या अन्य किसी दबाव की वजह से अपने साथ हुए जघन्य अपराध के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराने में असफल होती हैं। नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो की रिपोर्ट का विश्लेषण करें तो पाएंगे देश में कानून का इकबाल खत्म हो गया है। विशेषकर महिलाओं से दुष्कर्म के मामलों में। चाहे किसी पार्टी का शासन हो, दावे अवश्य बढ़चढ़ कर किये जाते है मगर अपराधियों के खौफ के आगे सभी बेबस है। समाज के नजरिए में भी महिलाओं के प्रति अब तक कोई खास बदलाव देखने को नहीं मिला है। यौन अपराध चिंताजनक रफ्तार से बढ़ रहे हैं। पिछले चार दशकों में अन्य अपराधों की तुलना में रेप की संख्या में सबसे ज्यादा बढ़ोतरी हुई है और दोषियों को सजा देने के मामले में हम सबसे पीछे हैं। आंकड़ों के मुताबिक 2018 से 2022 के बीच बलात्कार के मामलों में दोष साबित होने की दर 27 से 28 प्रतिशत थी। सच तो यह है कि एक छोटे से गांव से देश की राजधानी तक महिला सुरक्षित नहीं है। महिलाओं के विरुद्ध अपराधों में कमी नहीं आ रही है। भारत में आए दिन महिलाएं हिंसा और अत्याचारों का शिकार हो रही हैं। सवाल है आखिर कब तक?

सांसद-विधायक भी उत्पीड़न के आरोपी

एडीआर रिपोर्ट

प्रमोद भार्गव

वरिष्ठ स्तंभकार

पश्चिम बंगाल के रेप-हत्याकांड और महाराष्ट्र की बदलापुर छात्रा यौन हिंसा की घटना के बीच महिलाओं के खिलाफ अपराधों में सांसदों व विधायकों के लिप्त होने संबंधी एडीआर की रिपोर्ट चौंकाने वाली है। यह देश और जनता के लिए आश्चर्य में डालने वाली रिपोर्ट है कि ऐसे विधायक और सांसदों की संख्या निरंतर बढ़ रही है, जो गंभीर आपराधिक पृष्ठभूमि से जुड़े हैं। हैरानी इस पर भी है कि सभी राजनीतिक दल इस पृष्ठभूमि के लोगों को उम्मीदवार बना रहे हैं और वे जीत भी रहे हैं। एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) की ओर से हाल ही में जारी रिपोर्ट के मुताबिक 16 वर्तमान सांसद और 135 विधायकों पर महिलाओं के विरुद्ध अपराध के मामले दर्ज हैं। यही नहीं, इनमें दो सांसदों और 14 विधायकों पर दुष्कर्म के मामले चल रहे हैं। इन 151 सांसद और विधायकों ने अपने चुनावी शपथ-पत्रों में महिलाओं के खिलाफ अपराध से संबंधित मामलों की जानकारी दी है। एडीआर ने 2019 और 2024 के बीच चुनावों के दौरान चुनाव आयोग को सौंपे गए वर्तमान सांसद और विधायकों के 4,809 हलफनामों में से ये तथ्यात्मक दस्तावेजी प्रमाण निकाले हैं।

पश्चिम बंगाल में ज्यादा मामले

पश्चिम बंगाल में सबसे अधिक 25 सांसद व विधायक महिलाओं के खिलाफ अपराधों से संबंधित आरोपों का सामना कर रहे हैं। इसी प्रकृति के मामलों में ओडिसा 17 सांसद व विधायकों के साथ दूसरे पायदान पर खड़ा है। इनमें से 16 वर्तमान सांसद और विधायक ऐसे हैं, जिन्होंने आईपीसी की धारा 376 के तहत दुष्कर्म से संबंधित मामले घोषित किए हैं। ऐसे मामलों में न्यूनतम 10 साल की सजा का प्रावधान है और इसे आजीवन कारावास तक बढ़ाया जा सकता है। रिपोर्ट के अनुसार ऐसे सर्वाधिक मामले भाजपा प्रतिनिधियों के हैं। भाजपा के 54 सांसदों और विधायकों पर महिलाओं के विरुद्ध अपराध दर्ज हैं। कांग्रेस के 23 और तेलगु देशम पार्टी के 17 सांसदों और विधायकों पर इसी प्रकृति के मामले हैं। भाजपा और कांग्रेस दोनों दलों के पांच-पांच मौजूदा विधायकों पर दुष्कर्म के आरोप हैं। इसे विडंबना ही कहा जाएगा कि भाजपा और कांग्रेस जैसे राष्ट्रीय दल आपराधिक पृष्ठभूमि के उम्मीदवारों को टिकट देने से बच नहीं रहे हैं। कम से कम इन दलों को दुष्कर्म और हत्या जैसे गंभीर मामलों से जुड़े व्यक्ति को उम्मीदवार बनाने से बचना चाहिए। हालांकि सर्वोच्च न्यायालय इस परिप्रेक्ष्य में कानूनी विसंगतियों को दूर करने के उपाय करती रहा है। न्यायालय ने 10 जुलाई 2013 को दिए एक फैसले के अनुसार किसी आपराधिक मामले में 2 वर्ष की सजा पाए सांसद, विधायक व अन्य जनप्रतिनिधियों के पद पर बने रहने के अधिकार को समाप्त कर दिया था। जिस तारीख से सजा सुनाई गई थी, उसी दिन से माननीयों की सदस्यता निरस्त मान ली गई थी। अदालत ने इस फैसले में जनप्रतिनिधित्व कानून की धारा 8 (4) को रद कर दिया था।

जनप्रतिनिधित्व कानून

यह धारा दागी नेताओं को मुकदमे लंबित रहते हुए

भी पद पर बने रहने की छूट देती थी, यह फैसला 2006 में दाखिल वकील लिली थॉमस की याचिका पर दिया गया था। किंतु इस फैसले के विरुद्ध केंद्र सरकार ने संसद में सर्वसम्मति से संशोधन बिल लाकर शीर्ष अदालत के फैसले को चुनौती दी थी। इस बिल में धारा 8 की उपधारा 4 में एक प्रावधान जोड़ा, ताकि दागी नेताओं की कुर्सी बचे रहे और वे सदन की कार्यवाही में भागीदारी करते रहें। किंतु अदालत ने इसकी व्याख्या करते हुए कहा कि उपधारा 4 भेदभावपूर्ण है, क्योंकि यह दोषी ठहराये गए आमजन को तो चुनाव लड़ने से रोकती है, लेकिन जनप्रतिनिधि को सुरक्षा मुहैया कराती है।

विरोधाभासी धारा 8/4

याद रहे, राहुल गांधी की लोकसभा सदस्य की सदस्यता भी इसी कानून के आधार पर समाप्त की गई थी। सर्वोच्च न्यायालय ने दागियों का महत्व राजनीति से समाप्त करने की दृष्टि से महज जन प्रतिनिधित्व कानून की धारा 8/4 को खारिज किया था। यह एक ऐसी विरोधाभासी धारा थी, जो पक्षपात बरतते हुए दोषियों को दोहरे दृष्टिकोण से परिभाषित करती थी। दरअसल, जनप्रतिनिधि कानून की जिस धारा 8/4 को न्यायालय ने विलोपित किया था, उसकी प्रतिच्छाया में अब तक प्राथमिकी में नामजद और सजायाफ्ताओं को निर्वाचन में भागीदारी के सभी अधिकार प्राप्त थे।

समानता का अधिकार

हालांकि जनप्रतिनिधि कानून के विपरीत संविधान के अनुच्छेद 173 और 326 में प्रावधान है कि न्यायालय द्वारा दोषी-करार दिए लोगों के नाम मतदाता सूची में शामिल नहीं किए जा सकते हैं। यहां प्रश्न खड़ा होता है कि जब संविधान के अनुसार कोई अपराधी मतदाता भी नहीं बन सकता तो वह जनप्रतिनिधि बनने के नजरिए से निर्वाचन प्रक्रिया में भागीदारी कैसे कर सकता है? संविधान के अनुच्छेद 14 के तहत यह दोहरा मापदंड समानता के अधिकार का उल्लंघन है। समान न्यायिक व्यवहार की इस मांग को जनहित याचिका के जरिए लिली थॉमस और लोक प्रहरी नामक एनजीओ ने अदालत के समक्ष रखा था। याचिका में दर्ज इस विसंगति को शीर्ष न्यायालय ने अपने अभिलेख में प्रश्नांकित करते हुए केंद्र से जवाब तलब भी किया था। केंद्र ने शपथ-पत्र देकर तर्क गढ़ा था कि 'कई बार सरकार बनाने या गिराने में चंद वोट ही बेहद महत्वपूर्ण होते हैं, लिहाजा सजा मिलने पर किसी जनप्रतिनिधि की सदस्यता खत्म कर दी जाती है, तो सरकार की स्थिरता ही खतरे में पड़ सकती है।'

सरकार ने यह भी तर्क दिया था 'यह उन मतदाताओं के संवैधानिक अधिकार का हनन होगा, जिन्होंने उन्हें चुना है।' जाहिर है, सरकार राजनीति में शुचिता लाने के बरक्स अपराध बहाली को तरजीह दे रही थी। अन्यथा सरकार क्या यह नहीं जानती कि जो प्रतिनिधि जेल में कैद है, वह क्षेत्र का प्रतिनिधित्व कैसे कर सकता है? क्या सरकार इस संवैधानिक व्यवस्था से अनभिज्ञ है कि किसी प्रतिनिधि की मृत्यु होने, इस्तीफा देने अथवा सदस्यता खत्म होने पर छह माह के भीतर नया जनप्रतिनिधि चुनने की संवैधानिक अनिवार्यता है?

पदमुक्त करने की जरूरत

इस स्थिति में न तो कोई निर्वाचन क्षेत्र नेतृत्वविहीन रह जाता है और न ही किसी सरकार की स्थिरता खतरे में पड़ती है? फिर क्या महज सरकार बनाए रखने के लिए अपराधियों का साथ लिया जाए? ऐसी दोषपूर्ण प्रणाली के चलते ही राजनीति का मूलाधार वैचारिक अथवा संवैधानिक निष्ठा की बजाय सत्ता के गणित में सिमट कर रह गया है। जरूरत महिलाओं के खिलाफ अपराध में शामिल जनप्रतिनिधियों को पद से मुक्त व कानून के कटघरे में खड़ा करने की है।

...क्यों नहीं रुक रहे यौन अपराध

चिंतन

विनोद कौशिक

वरिष्ठ पत्रकार

देश में आधी आबादी यानी महिलाओं के खिलाफ अपराध लगातार बढ़ते जा रहे हैं। सरकारें भले ही महिलाओं के आत्मनिर्भर, मजबूत और सशक्तिकरण की बातें करती हों, लेकिन हालात कुछ और ही बयां करते हैं। तमाम प्रयासों के बावजूद भी सरकारें अपराधों के सामने खुद को बौना ही पाती हैं। सिर्फ कानून बदलने से ही महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित नहीं हो जाती। इसके लिए और अधिक प्रयास किए जाने की जरूरत है। हाल ही के दिनों की बात करें तो कोलकाता में महिला जूनियर डॉक्टर की दुष्कर्म के बाद दर्दनाक हत्या, बिहार के मुजफ्फरपुर में एक किशोरी की अपहरण के बाद गैंगरेप और फिर हत्या, सोनीपत, जींद और यूपी के कन्नौज में 15 साल की लड़की से बलात्कार के प्रयास के आरोप में सपा के एक नेता को गिरफ्तार किया जाना, जैसे मामलों ने समाज को झकझोर कर रख दिया है। ऐसे मामलों को लेकर पूरा देश गुस्से में है और अपराधियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई और फांसी की सजा दिए जाने की मांग कर रहा है। कुछ दिनों पहले मणिपुर में महिलाओं को नग्न कर गांव में घुमाया जाना जैसे तमाम मामले हैं जो सरकार और प्रशासन पर सवाल उठाते हैं। ऐसे मामले सामने आने पर राज्य सरकारों, केंद्र सरकार और प्रशासन का मौन धारण करना भी सवाल उठाता है। महिलाएं कहीं भी सुरक्षित नहीं हैं, न घर में, न कार्यालय में, न गांवों और न ही शहरों में, ऐसे में महिलाओं को मजबूती कैसे मिलेगी? वे आत्मनिर्भर कैसे बनेंगी? उनका सशक्तीकरण कैसे होगा? ऐसे तमाम सवाल हैं जो आज भी सुरसा की तरह मुंह बाए खड़े हैं। इस समय महिलाएं संसद, विधानसभा और प्रशासन में बड़े ओहदों पर मौजूद हैं। इसके बावजूद खुद महिलाएं भी महिला अपराधों के खिलाफ ठीक से आवाज नहीं उठा पा रही हैं। ऐसी क्या मजबूरी है कि महिलाएं कई मामलों में सक्षम होने के बावजूद ऐसे मामलों में खुद को असहाय महसूस करती हैं।

कोलकाता रेपहत्याकांड

कोलकाता में एक महिला ट्रेनी डॉक्टर के साथ हुई दर्दनाक घटना ने पूरे देश को हिलाकर रख दिया। यह घटना महिला सुरक्षा और लोगों के विश्वास पर गहरा प्रश्नचिन्ह लगाती है। इस घटना के विरोध में देशभर में प्रदर्शन हो रहे हैं और न्याय की मांग की जा रही है। इस मामले पर राजनीति भी देखी जा रही है। महिला सुरक्षा की मांग और इस पर हो राजनीति के बीच एक बात गौर करने वाली है। ऐसा सिर्फ इसी मामले में नहीं, बल्कि महिलाओं से जुड़े दूसरे मामलों में भी देखने को मिल रहा है। एक चुप्पी जिसके पीछे कई सवाल अपने आप खड़े हो जाते हैं। बता दें कि 9 अगस्त को आजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल के सेमिनार हॉल में ट्रेनी डॉक्टर की अर्धनग्न लाश मिली थी। डॉक्टर के निजी अंगों, आंखों और मुंह से खून बह रहा था। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में दुष्कर्म के बाद हत्या की बात सामने आई थी। इस मामले की अब सीबीआई जांच हो रही है। इससे पहले जांच कर रही पश्चिम बंगाल की पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठे थे। आखिर रोंगटे खड़े करने वाली रेप व हत्या की घटना पर पश्चिम बंगाल की महिला मुख्यमंत्री ममता

बनर्जी की सरकार एक्शन को लेकर तत्परता से क्यों काम नहीं कर रही थी?

घटना पर नाउम्मीद क्यों

इस समय देश में महिलाओं की भागीदारी हर क्षेत्र में बढ़ाने की बात हो रही है और यह बहुत अच्छी बात भी है। संसद में महिला आरक्षण बिल पास हो गया और आने वाले वक्त में महिलाओं की भागीदारी और भी बढ़ेगी। यह फैसला भी काफी देर से हुआ, लेकिन ठीक है। ऐसे में महिलाओं की संख्या बढ़ेगी तो महिला सांसद, विधायक महिलाओं से जुड़े मामलों को बढ़चढ़ कर उठाएंगी। यह उम्मीद की जाती है, लेकिन बंगाल और बिहार जैसी घटना पर यह उम्मीद नाउम्मीद में क्यों बदल जाती है।

यूपी के कन्नौज में भी उत्पीड़न

यूपी के कन्नौज में 15 साल की लड़की से बलात्कार के प्रयास के आरोप में समाजवादी पार्टी के एक नेता को गिरफ्तार किया गया। इस मामले पर समाजवादी पार्टी की एक महिला नेता ने कहा कि कौन सी नौकरी थी जो 15 साल की बच्ची रात में मांगने गई थी। अब इस बयान को सुनकर कोई क्या मतलब निकालेगा। इससे ऐसा लगता है कि पीड़ित को ही कटघरे में खड़ा कर दिया है। अब आते हैं उस मुद्दे की ओर जो मामले को और गंभीर बनाता है।

मुजफ्फरपुर में गैंगरेप व हत्या

बिहार के मुजफ्फरपुर में 9वीं क्लास की छात्रा की गैंगरेप के बाद हत्या कर दी गई। आरोपियों ने उसके साथ पूरी दरिंदगी की। उसके ब्रेस्ट तक काट दिए। निजी अंगों पर भी चाकू से प्रहार किया। किशोरी का शव अर्धनग्न हालत में अगले दिन पोखर में मिला। मुंह पर कपड़ा बंधा था। अगल-बगल मांस के चिथड़े और खून के धब्बे पड़े थे। पीड़ित के परिवार का कहना है कि 5 लोग घर से बेटी को उठाकर ले गए। छात्रा की मां ने थाने में लिखित शिकायत की है। प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है, जिसमें गांव के ही संजय राय (41) समेत पांच को आरोपित भी बनाया गया। ग्रामीणों ने पुलिस प्रशासन और सरकार के खिलाफ नारेजाबी की, प्रदर्शन कर न्याय मांगा, लेकिन कई दिन बीतने के बाद भी इस मामले में पुलिस और प्रशासन खाली हाथ और मौन है।

महिलाएं क्यों नहीं दिखाती तेवर

सिर्फ विपक्ष ही नहीं, सत्ता पक्ष की ओर से भी ऐसा देखने में आया है कि जो तेवर और जो अंदाज अलग-अलग राजनीतिक दलों की महिला नेताओं का विरोधियों से जुड़े मामले पर देखने को मिलता है, वही तेवर अपनी ओर क्यों नहीं दिखता। क्या यह जरूरी नहीं, खासकर महिलाओं से जुड़े मामले में महिला नेता अपनी आवाज और बुलंद करें। यदि आवाज बुलंद होगी तो दूसरी बेटियों, महिलाओं को भी इससे ताकत मिलेगी और न्याय की उम्मीद बंधेगी।

और कदम उठाने होंगे

देश में महिलाओं की सुरक्षा के लिए गंभीरता से कदम उठाने होंगे। तभी महिलाओं के खिलाफ अपराध रुकेंगे। वरना नारी यूं ही प्रताड़ना का शिकार होती रहेगी और समाज में भेड़ की खाल में छुपे भेड़िये, दरिंदे यूं ही महिलाओं की अस्मिता के साथ खिलवाड़ करते रहेंगे। वहीं, दूसरी ओर ऐसे मामलों में राज्य सरकार, महिला आयोग, प्रशासन और पुलिस की जवाबदेही भी तय करनी होगी। कानूनों का कठोरता के साथ पालन करना होगा, तभी हम महिला अपराधों पर अंकुश लगाने में कामयाब हो सकेंगे। वरना देश की आधी आबादी यूं ही अपराध झेलती रहेगी और सिसकती रहेगी। आज महिलाओं के खिलाफ अपराध रोकने के लिए मिलकर संगठित प्रयास किए जाने की जरूरत है। तभी यह अपराध का दंश खत्म हो सकेगा।

किसी महिला को सोशल मीडिया, कुछ भी गलत लिखा तो जाना पड़ेगा जेल

एजेंसी ▸▸ मुंबई

अगर आप किसी भी महिला को सोशल मीडिया, मेल, जीमेल, कहीं पर भी कुछ गलत संदेश भेजते हैं तो आपको जेल की हवा खानी पड़ सकती है। यह हम नहीं कह रहे हैं बल्कि बॉम्बे हाई कोर्ट ने कहा कि अपमानजनक सामग्री वाले ईमेल प्रथम दृष्टया आईपीसी की धारा 509 (महिला की गरिमा का अपमान) के तहत अपराध के दायरे में आते हैं। हाईकोर्ट ने इस निर्णय के साथ ही साथ अन्य बातों पर भी जोर दिया है।

■ बॉम्बे हाईकोर्ट ने कहा- नहीं बच सकते आप

महिला से कुछ भी कहा ही नहीं, वकील का तर्क

वहीं आरोपी शख्स ने साल 2011 में हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाते हुए महिला द्वारा दर्ज करवाए गए केस को खारिज करने की मांग की थी। उसके वकील ने तर्क दिया था कि दुश्मनी और बदला लेने के लिए एफआईआर दर्ज करवाई गई है। ये शब्द महिला से बोले नहीं गए। उनका कहना था कि आईपीसी की धारा 509 में बोले गए शब्द का मतलब सिर्फ बोले गए शब्द होंगे न कि ईमेल या सोशल मीडिया पोस्ट में लिखे गए शब्द। वहीं महिला के वकील ने दुश्मनी की बात से इनकार कर दिया था।

'आपत्तिजनक टिप्पणी लिख नहीं बच सकते आप' : बॉम्बे हाई कोर्ट ने कहा कि महिला को आधुनिक तकनीक से आपत्तिजनक टिप्पणी हो रही है या कोई ईमेल सामने आता है तो कोर्ट अपराधी को सिर्फ इसलिए नहीं छोड़ सकता कि अपमान बोला नहीं गया है बल्कि लिखित है।

बॉम्बे हाई कोर्ट ने क्या कहा?

कोर्ट ने कहा कि आधुनिक तकनीक से अपमान करने के कई तरीके खुल गए हैं। अगर किसी महिला की गरिमा को ठेस पहुंचाने वाली आपत्तिजनक सामग्री वाला कोई ईमेल सामने आता है, तो क्या हम अपराधी को सिर्फ इसलिए जाने की परमिशन दे सकते हैं, क्योंकि अपमान बोला नहीं गया, लिखित है।

महिलाओं की गरिमा को ठेस पहुंचाने पर सजा

महिलाओं की गरिमा को ठेस पहुंचाने वाले सोशल मीडिया पोस्ट और ईमेल अपराध के तहत आते हैं, ये टिप्पणी बॉम्बे हाईकोर्ट ने एक मामले की सुनवाई के दौरान की। जस्टिस एएस गडकरी और नीला गोखले की पीठ ने कहा कि ईमेल और सोशल मीडिया पर लिखे गए शब्द, जिनसे किसी महिला की गरिमा को ठेस पहुंचे, वो आईपीसी की धारा 509 के तहत अपराध है।

फर्जी कॉल सेंटर का भंडाफोड़, महिलाओं सहित 20 गिरफ्तार

गुरुग्राम। हरियाणा में गुरुग्राम के सोहना रोड स्थित फ्लोरा एवेन्यू 33 सोसायटी के तीन फ्लैट से संचालित एक फर्जी कॉल सेंटर का भंडाफोड़ कर चार महिलाओं सहित 20 लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपी ऑनलाइन तकनीकी सहायता उपलब्ध कराने का झांसा देकर विदेशी नागरिकों को ठगते थे।

जैकेट के शेष

बारिश में बहा ....

दिक्कत स्कूली बच्चों को हो रही है। बच्चों का स्कूल पहुंचना मुश्किल हो गया है। मिली जानकारी के मुताबिक घरघोड़ा जनपद पंचायत के ग्राम पंचायत कया में पीडब्लूडी द्वारा मर्दन नाले पर बनाया हुआ पुराना पुल का एक तरफ का हिस्सा 23 अगस्त की शाम से हो रही तेज बारिश की वजह से टूट गया। मर्दन नाले का जलस्तर बढ़ने से पानी का बहाव तेज होने से यह क्षति हुई है। ग्रामीणों ने बताया कि पुल घरघोड़ा से कया बस्ती की तरफ जाने वाला पुल था। यह पुल सिसरिंगा, कमतरा, तमतरा, सहसपुर सहित एक दर्जन से भी अधिक गांव को घरघोड़ा से जोड़ता था। तेज बारिश में पुल के एक हिस्से के बह जाने से क्षेत्र के ग्रामीणों को कई तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। **छात्रों को हो रही परेशानी :** बारिश की वजह से रात में फुटहामुड़ा की तरफ से आने वाला मर्दननाला पूरी तरह उफान पर था। शुक्रवार की रात भर वाले के पुल के ऊपर से पानी बह रहा था। इस वजह से सुबह होते तक पानी के तेज बहाव ने रईयाट पुल के एक हिस्से के मिट्टी अपने साथ बहा कर ले गया जिससे अधिकांश बच्चे स्कूल जाने से वंचित रह गए।

अधिकारी पहुंचे मौके पर : बीती रात हुई बारिश में पुल बह जाने की घटना के बाद विभागीय अधिकारी मौके पर पहुंचकर मौका मुआयना कर लोगों को नाले में पानी अधिक होने की स्थिति के दौरान इस पुल का उपयोग नहीं करने की बात कही गई है।

शाह का ऐलान...दो ....

थी। इस बैठक में सभी नक्सल प्रभावित राज्यों के पुलिस महानिदेशक और मुख्य सचिव शामिल हुए।

2022 में सबसे कम मौतें हुई : श्री शाह ने बताया कि वर्ष 2022 एक ऐसा साल रहा है जब नक्सलवादी घटनाओं में सबसे कम 100 से भी कम लोगों की मृत्यु हुई है। 2014 से लेकर 2024 तक वामपंथी उग्रवाद की घटनाएं कम हुई है। इस अवधि में नक्सलियों के 14 टॉप लीडर मारे गए। विकास का विश्वास जनरेट करने में सफलता मिली है और रूल ऑफ लॉ स्थापित हुआ है। जहां विनाश सर्जित हुआ है वहां खाई को भरा गया है। बिहार, झारखंड, ओडिशा और महाराष्ट्र नक्सल मुक्त हुए हैं, ये भारत सरकार का बहुत बड़ा अचीवमेंट है। **शहीदों की संख्या में 86 प्रतिशत कमी आई :** श्री शाह ने कहा कि 2010 में हिंसा के उच्च स्तर की तुलना में 2023 में जान गंवाने वाले नागरिकों तथा शहीद सुरक्षा कर्मी की संख्या में 86 प्रतिशत की कमी आई है। 2010 में 1005 शहीदों की तुलना में 2023 तक यह संख्या घटकर 138 रही है। इसी प्रकार 2004 की तुलना में 2014 तक हिंसा की घटना में 54 प्रतिशत कमी आई है। शहीद सुरक्षा जवानों की संख्या में 72 प्रतिशत, जान गंवाने वाले नागरिकों की संख्या में 69 प्रतिशत की कमी तथा नक्सल हिंसा में जान गंवाने वाले नागरिकों तथा सुरक्षा जवानों की शहादत में 70 प्रतिशत की कमी आई है। देश में वामपंथी उग्रवाद प्रभावित जिलों की संख्या 2023 में 126 थी जो अब 2024 में कम होकर 38 रह गई है। देश में नक्सल हिंसा ग्रस्त थानों की संख्या 2010 में 96 थी जो 2023 तक 42 रह गई है। 2010 में 465 थानों से कम होकर यह संख्या 2023 तक 171 तक रह गई है।

8 महीने में मार गिराए 147 नक्सली : दरअसल, विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार ने पिछले आठ महीने में ही 147 माओवादियों को मार गिराया है। इसी दौरान 631 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण कर समाज की मुख्यधारा में लौटे हैं। इसका श्रेय साय सरकार द्वारा संचालित नीतियों के बेहतर क्रियान्वयन को दिया जा रहा है। राज्य में पिछली सरकार के कार्यकाल में पांच साल में जहां सिर्फ 219 माओवादी मारे गए वहीं आठ महीने में ही नक्सलियों के लगातार एनकाउंटर तथा आत्मसमर्पण को विष्णु देव साय सरकार की बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है। साय सरकार ने नक्सल इलाकों में 33 सुरक्षा कैंप स्थापित किए हैं जल्द ही 16 और कैंप स्थापित किए जाएंगे।

डीजीपी हर सप्ताह बनाएं कार्ययोजना, सीएस करेंगे समीक्षा : अमित शाह ने कहा, वामपंथी उग्रवाद के खिलाफ अभियान को और गति देने के लिए सभी पुलिस महानिदेशकों को अपने राज्यों में हर सप्ताह नक्सल ऑपरेशन में लगी टीम के साथ बैठक कर कार्ययोजना बनानी चाहिए। उन्होंने कहा, इसके साथ ही मुख्य सचिवों को हर 15 दिन में एक बार नक्सल अभियान से जुड़े विकास कार्यों की समीक्षा बैठक करनी चाहिए। जब तक नक्सल अभियान की सतत निगरानी नहीं होगी तब तक हम अपेक्षित परिणाम प्राप्त नहीं कर सकेंगे। उन्होंने कहा, ज्वाइंट टास्क फोर्स को हर राज्य में अनुभवी और उपयुक्त बल उपलब्ध हो। ये अभियान एक विशिष्ट प्रकार के स्किल के साथ करने वाला काम है और इसमें उन्हीं अधिकारियों को लगाना चाहिए जो इसके लिए उपयुक्त हैं तथा जिन्हें क्षेत्र की जानकारी हो। उन्होंने कहा, पुलिस महानिदेशकों को स्वयं ज्वाइंट टास्क फोर्स की समीक्षा और उनमें बदलाव करने चाहिए।

आत्मसमर्पण नीति लचीला हो : राज्यों की स्पेशल जांच एजेंसी को एनआईए की तर्ज पर जांच और प्रॉसीक्यूशन के लिए तैयार और प्रशिक्षित करने की जरूरत है। उन्होंने कहा, जब तक राज्य, उग्रवादी को सजा नहीं दिलाएंगे, तब तक इस समस्या का काबू नहीं पाया जा सकेगा। आत्मसमर्पण की नीति लचीली होनी चाहिए लेकिन इसका गलत उपयोग न हो, इसके लिए प्रयास किए जाने चाहिए। उन्होंने कहा, राज्यों को नक्सलवाद से संबंधित अंतर्राज्यीय मामलों की जांच एनआईए को देनी चाहिए।

हथियारों की सप्लाई और निर्माण पर राज्य दें ध्यान : उन्होंने कहा, वामपंथी उग्रवाद के वित्त पोषण, हथियारों की सप्लाई और उनकी मैन्युफैक्चरिंग पर हर राज्य को बहुत ध्यान से काम करने की जरूरत है। वामपंथी उग्रवाद की सप्लाई चेन और इसके वित्तपोषण पर समग्रता से प्रहार करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा, मोदी सरकार वामपंथी उग्रवाद के पूरे इकोसिस्टम को खत्म करने के प्रति कटिबद्ध है। उन्होंने कहा कि सभी राज्यों को मिलकर इस अभियान को तुलनात्मक रूप तरीके से आगे बढ़ाना है। उन्होंने कहा, यूएपीए के मामलों में प्रॉसीक्यूशन को बेहतर रूप से तैयार करने के लिए के लिए स्टैंडर्ड आपरेटिंग प्रोसीजर के ज़रिए समन्वय पर ध्यान दिया जाना चाहिए। वामपंथी उग्रवाद मामलों की जांच से जुड़ी और प्रॉसीक्यूशन टीमों की ट्रेनिंग एनआईए से कराए जाने पर बल दिया।

वामपंथी का समर्थकों से विनम्रता और दृढ़ता पेश आएं : उन्होंने कहा, हमें वामपंथी उग्रवाद की विचारधारा का समर्थन करने वालों से लड़ने के साथ ही अपनी बात विनम्रता और दृढ़ता के साथ समाज के सभी वर्गों को भी बतानी होगी। उन्होंने कहा, वामपंथी उग्रवाद के पीड़ित लोगों के भी मानवाधिकार हैं। केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत को वामपंथी उग्रवाद से मुक्त करने का जो लक्ष्य हमारे सामने रखा है उसे प्राप्त करने के लिए हमें मिलकर इस अभियान को तीव्र गति से आगे ले जाना होगा। उन्होंने कहा, वामपंथी उग्रवाद एक राष्ट्रीय, मानवीय और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ी समस्या है।

समन्वय बैठक में कहा- अभियान को दो गुना तेज करने की जरूरत : छत्तीसगढ़ एवं पड़ोसी सात राज्यों के मुख्य सचिवों और पुलिस महानिदेशकों के साथ नक्सलवाद की समीक्षा और अंतर्राज्यीय समन्वय बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में वामपंथी उग्रवाद से निपटने की रणनीति बनी अंतर्राज्यीय समन्वय के साथ इसका सफाया किया जाएगा। साथ ही सुरक्षा बलों के क्षमता निर्माण, वामपंथी उग्रवाद मामलों की शीघ्र जांच और अभियोजन तथा नक्सलवाद प्रभावित क्षेत्रों के व्यापक विकास जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की गई। श्री शाह ने कहा कि नक्सलवाद के खिलाफ अभियान की शुरूआत में जो गति और तीव्रता थी, उससे दो गुना गति और तीव्रता से अब हमें 2 साल और काम करने की जरूरत है तभी इस समस्या को पूरी तरह समाप्त किया जा सकेगा। बैठक में छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा, केन्द्रीय गृह राज्यमंत्री नित्यानंद राय, केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन, निदेशक, आसूचना ब्यूरो और राष्ट्रीय जांच एजेंसी , सीआरपीएफ, बीएसएफ, एसएसबी और आईटीबीपी के महानिदेशक शामिल हुए। बैठक में आंध्र प्रदेश, झारखंड, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र, ओडिशा और तेलंगाना के मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक भी शामिल हुए।

राज्य पुलिस का ....

पुलिस के प्रदर्शन को देखते हुए पुलिस का आधुनिकीकरण करने राशि देने की घोषणा की है। छत्तीसगढ़ के डीजीपी अशोक जुनेजा ने नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था, माओवादी आतंक विरोधी अभियान की प्रगति और भावी योजनाओं पर प्रस्तुतिकरण दिया। इस पर विचार-विमर्श के दौरान केंद्रीय गृहमंत्री ने नक्सल प्रभावित क्षेत्र के लोगों को अधिक से अधिक सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा, वर्तमान में यह स्पष्ट है कि छत्तीसगढ़ के माओवादियों में से अधिकाधिक आत्मसमर्पण करना चाहते हैं, हमें समर्पण योजना की जानकारी व्यापक रखनी चाहिए। बैठक में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, केंद्रीय गृह राज्यमंत्री नित्यानंद राय, उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा, केंद्रीय गृहसचिव गोविंद मोहन, आईबी, एनआईए, सीआरपीफ, बीएसएफ, आईटीबीपी, एसएसबी के महानिदेशक, छत्तीसगढ़ के मुख्य सचिव अमिताभ जैन, पुलिस महानिदेशक अशोक जुनेजा सहित झारखंड, ओडिशा, मध्यप्रदेश, आंध्रप्रदेश, तेलंगाना, महाराष्ट्र के मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक, केंद्र और राज्य सरकार के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

अब अंतिम प्रहार ....

ही उन्होंने विकास, व्यक्तिगत विकास को एक रूप में लाने पर जोर दिया। उन्होंने कगा कि दंतेवाड़ा से धमतरी तक छत्तीसगढ़ वामपंथी उग्रवाद से मुक्त होगा।

नवा रायपुर के ....

सुझावों को भी शामिल किया जाएगा। नवा रायपुर के विकास के इस महत्वपूर्ण कदम से शहर की सांस्कृतिक समृद्धि को बढ़ावा मिलेगा।

एक्टर नागार्जुन के ...

एसेट्स मॉनिटरिंग एंड प्रोटेक्शन ने तेलुगु अभिनेता नागार्जुन के मालिकाना हक वाले कन्वेंशन सेंटर को ध्वस्त कर दिया।

पेज एक के शेष

मोबाइल एप से यात्री...

विभिन्न स्टेशनों पर 132 सहायक कार्यरत है। रायपुर में 105 सहायक हैं, जिसमें 8 महिला हैं। एप से कुलियों को सीधा लाभ मिलेगा। यात्रियों के लिए भी सुविधा बढ़ेगी।

एनपीएस की जगह...

नौकरी के बाद मिलने वाली पेंशन को ध्यान में रखते हुए इस स्कीम को लाया जा रहा है। केंद्रीय मंत्री ने कहा, विपक्ष सिर्फ ओल्ड पेंशन स्कीम (ओपीएस) को लेकर राजनीति करता रहा है. दुनिया भर के देशों में क्या स्कीम है उनको देखने के बाद तमाम लोगों से चर्चा करने के बाद इस कमेटी ने यूनिफाइड पेंशन स्कीम का सुझाव दिया. कैबिनेट ने यूनिफाइड पेंशन स्कीम को अप्रूव कर दिया है। कर्मचारियों की तरफ से एश्योर्ड अमाउंट की मांग किया जा रही थी। उन्होंने जानकारी देते हुए कहा, पेंशनधारियों को 50 प्रतिशत एश्योर्ड पेंशन दी जाएगी। रिटायरमेंट के पहले के 12 महीना का एवरेज बेसिक पे का 50 प्रतिशत होगा. ये पेंशन 25 साल की सर्विस करने के बाद ही मिलेगी। एनपीएस की जगह अब सरकार यूनिफाइड पेंशन स्कीम यानि यूपीएस ला रही है। सरकार ने ओपीएस की काट निकाली है।

कर्मचारियों को मिलेगा विकल्प : केंद्रीय मंत्री ने कहा कि सभी एनपीएस वालों को यूपीएस में जाने का विकल्प मिलेगा। यह उन सभी पर भी लागू होगा जो एनपीएस की शुरुआत से ही इसके तहत सेवानिवृत्त हुए हैं या सेवानिवृत्त होने वाले हैं। सरकार इसके लिए बकायदा एरियर का भुगतान करेगी। जो कर्मचारी 2004 से रिटायर हुए हैं उनको भी इसका लाभ मिलेगा। हर छह महीने की सेवा के बदले मासिक वेतन (वेतन प्लस डीए) का दसवां हिस्सा जुड़ कर रिटायरमेंट पर मिलेगा। एनपीएस वालों को यूपीएस में जाने पर फायदा होगा।

पेंशन एरियर पर 800 करोड़ रुपये खर्च करेगी सरकार : सरकार के मुताबिक बकाया राशि (एरियर) पर 800 करोड़ रुपये का खर्च आएगा। पहले साल में सालाना लागत में करीब 6,250 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी होगी। यह योजना 1 अप्रैल, 2025 से प्रभावी होगी। केंद्र सरकार के कर्मचारियों को राष्ट्रीय पेंशन योजना (**NPS**) और **UPS** में से किसी एक को चुनने का विकल्प दिया जाएगा। मौजूदा केंद्र सरकार के **NPS** ग्राहकों को **UPS** में स्विच करने का विकल्प भी दिया जाएगा।

भीमा मंडावी पर हमला...

अरनपुर क्षेत्र अंतर्गत ग्राम माडेदा के ग्रामीण भीमा मंडावी पिता स्व. दामा मंडावी (35) पर जानलेवा हमला करने वाले ग्राम पोटाली के कुल 4 आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ करने पर घटना करना स्वीकार करने से उक्त 4 आरोपियों को 16 अगस्त को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश कर रिमांड में लिया गया था। प्रकरण में विवेचना जारी रखते हुए शेष आरोपियों की पता तलाश की जा रही थी। इसी क्रम में 23 अगस्त को थाना प्रभारी अरनपुर के नेतृत्व में ग्राम पोटाली में आरोपियों की धर पकड़ हेतु दबिश दी गई और इस प्रकरण के शेष अन्य 5 आरोपियों को हिरासत में लिया गया। इनसे पूछताछ करने पर घटना में शामिल होना स्वीकार करने पर और वजह सबूत साक्ष्य पाए जाने पर थाना अरनपुर में दर्ज अपराध क्रमांक 12/2024 भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 61(2), 191(2),141(1),109(1) के तहत सभी आरोपियों के विरुद्ध विधिवत कार्रवाई की गई।

पांच-पांच लाख...

गोबरा एलओएस सदस्य टिकेश उर्फ टिकेश्वर वट्टी एवं उनकी पत्नी सीतानदी एरिया कमेटी एसीएम सदस्य प्रमिला उर्फ गणेशी नेताम ने शनिवार को पुलिस अधीक्षक आंजनेय वार्ष्णेय व एएसपी सुशील नायक के समक्ष माओवादियों की खोखली विचारधारा, भेदभावपूर्ण व्यवहार, उपेक्षा व प्रताड़ना से तंग आकर आत्मसमर्पण किया है।

टिकेश व प्रमिला 2009 में माओवादी संगठन में हुए थे भर्ती : एसपी ने बताया कि शासन की पुनर्वास व आत्मसमर्पण की नीति से प्रभावित होकर आत्मसमर्पित नक्सली अजय के बाद टिकेश उर्फ टिकेश्वर वट्टी व उसकी पत्नी प्रमिला उर्फ गणेशी नेताम ने आत्मसमर्पण किया है। टिकेश वट्टी व प्रमिला वर्ष 2009 में माओवादी संगठन में भर्ती हुए थे। टिकेश 2010 में गोबरा एलओएस में सदस्य के पद पर कार्य कर रहा था। आत्मसमर्पित नक्सली टिकेश उर्फ टिकेश्वर वट्टी पिता पतिराम (38), ग्राम एकावरी थाना बोराई जिला धमतरी का रहने वाला है। टिकेश 303 राइफल लेकर चलता था। इसी तरह प्रमिला उर्फ गणेशी नेताम (32), ग्राम गोना नयापारा जिला गरियाबंद की निवासी है। वह 2009 में संघम सदस्य के पद पर संगठन में भर्ती हुई थी। प्रमिला 12 बोर की बंदूक लेकर चलती थी। शासन द्वारा दोनों पर 5-5 लाख रुपए का इनाम घोषित है।

इन बड़ी घटनाओं...

खल्लारी माता मंदिर के पीछे क्षेत्र में हुई पुलिस नक्सली मुठभेड़ के दौरान सीआरपीएफ के असिस्टेंट कमांडेट की गोली लगने से शहीद होने की घटना में शामिल था। इसी तरह खल्लारी के जंगल में हुई मुठभेड़ के दौरान एक पुलिस जवान की गोली लगने से घायल होने की घटना में शामिल रहा है। वहीं जोगीबिरदो में ग्रामीण की हत्या, वर्ष 2018 में मांदागिरी-तेंदूडोंगरी पुलिस नक्सली मुठभेड़, 2019 में मुठभेड़, मांदागिरी पहाड़ी में हुई पुलिस नक्सली मुठभेड़, उजरावन से रिसगांव जाने वाले मार्ग में ग्रामीण की हत्या, घोरागांव के जंगल में पुलिस पार्टी पर फायरिंग सहित अन्य बड़ी घटनाओं में शामिल रहा है। इसी तरह प्रमिला ग्राम मेचका के मांदागिरी-तेंदूडोंगरी जंगल में पुलिस नक्सली मुठभेड़, खल्लारी थाना के ग्राम चमेदा के जंगल में पुलिस नक्सली मुठभेड़ में शामिल रही। इस मुठभेड़ में एक प्रधान आरक्षक शहीद हुआ था, वहीं दो ग्रामीण मारे गए थे। मांदागिरी-संदबाहरा के जंगल में मुठभेड़ सहित अन्य बड़ी घटनाओं में भी शामिल रही। प्रमिला के खिलाफ धमतरी, गरियाबंद व कांकेर जिले में कुल 14 अपराध दर्ज है।

कांग्रेस नेताओं की...

नार्को टेस्ट करा ले। देवेन्द्र यादव, शैलेन्द्र बंजारे और चाहे तो हमारी भी नार्को टेस्ट करा लें। सरकार भाजपा नेताओं का भी नार्को टेस्ट करा ले। लोकतंत्र जिंदा है, संविधान जिंदा है लेकिन लोकतंत्र और संविधान को कुचलने वालों को कांग्रेस पार्टी बर्दाश्त नही करेगी। क्या आप कांग्रेस जिलाध्यक्ष को जेल भेजकर संतुष्ट हैं। । हम सीबीआई जांच की मांग करते हैं। भाजपा की सरकार छोटी घटना के लिए सीबीआई जांच करवा रही है तो इतनी बड़ी घटना के लिए सीबीआई जांच क्यों नही कर रही है।

कहां के प्रदर्शन...

बिलासपुर शहर एवं ग्रामीण जयसिंह अग्रवाल, कांकेर में अनिला भेड़िया, रायगढ़ शहर एवं ग्रामीण अमरजीत भगत, जशपुर उमेश पटेल, सुकमा कवासी लखमा, सारंगढ़-बिलाईगढ़ में पी. आर. खुंटे, नारायणपुर लखेश्वर बघेल, खैरागढ़-छुईखदान-गंडई में भोलाराम साहू, बलौदाबाजार विकास उपाध्याय, बीजापुर विक्रम मंडावी, मोहला-मानपुर-अम्बागढ़ चौकी कुंवर सिंह निषाद, बेमेतरा अरूण वोरा, कोरिया डॉ. प्रीतम राम, गौरेला-पेण्ड्रा मारवाही में आशीष छाबड़ा, मुंगेली शैलेष पांडेय, मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर डॉ. विनय जायसवाल, दंतेवाड़ा रेखचंद्र जैन, गरियाबंद विनोद चंद्राकर, कवर्धा राजेन्द्र तिवारी, कोण्डागांव बिरेश ठाकुर, बलरामपुर में जेपी श्रीवास्तव शामिल हुए।

सिद्धारमैया ही रहेंगे कर्नाटक के सीएम, कांग्रेस की क्लीन चिट

बेंगलुरु । कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के खिलाफ जमीन से जुड़े भ्रष्टाचार मामले का फिलहाल सरकार पर कोई असर नहीं पड़ने वाला है। सूत्रों के मुताबिक, पार्टी हाईकमान ने कर्नाटक में फिलहाल यथास्थिति बरकरार रखने का फैसला किया है.इसलिए यह तय माना जा रहा है कि सिद्धारमैया ही राज्य के मुख्यमंत्री और डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार प्रदेश अध्यक्ष पद पर बने रहेंगे। सीएम को लेकर ताजा विवाद के बाद कांग्रेस अध्यक्ष खरगे, राहुल गांधी, संगठन महासचिव वेणुगोपाल और प्रभारी रणदीप सुरजेवाला के साथ सीएम-डिप्टी सीएम की बैठक में यह तय हुआ है।

राशिफल

मेष — रहन-सहन अव्यवस्थित रहेगा। खर्चों में वृद्धि होगी। आत्मविश्वास में कमी रहेगी। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। पिता का साथ मिलेगा।

वृष — परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान की यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है। मानसिक शान्ति रहेगी,परन्तु बातचीत में संयत रहें। लाभ के अवसर मिलेंगे।

मिथुन — तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे। मान-सम्मान की प्राप्ति होगी ।सेहत का ध्यान रखें। धर्म-कर्म में रुचि बढ़ेगी। कार्यक्षेत्र में कुछ समस्याएं परेशान कर सकती हैं।

कर्क — आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। नौकरी में तरक्की के अवसर मिलेंगे। शासन-सत्ता का सहयोग मिलेगा। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा।

सिंह — कारोबार में लाभ के अवसर मिलेंगे। यात्रा खर्च बढ़ सकते हैं। किसी धार्मिक स्थान की यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है। रहन-सहन कष्टमय रहेगा।

कन्या — परिवार की जिम्मेदारी बढ़ सकती हैं। शैक्षिक कार्यों में सफल रहेंगे। बौद्धिक कार्यों से आय में वृद्धि हो सकती है। क्रोध के अतिरेक से बचें।

तुला — धैर्यशीलता में कमी आ सकती है। वाहन के रखरखाव पर खर्च बढ़ेंगे। स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहें। चिकित्सीय खर्च बढ़ सकते हैं।

वृश्चिक — भाग-दौड़ अधिक रहेगी। कार्यक्षेत्र में परिश्रम अधिक रहेगा। बातचीत में सन्तुलन बनाये रखने का प्रयास करें। वस्त्र उपहार में प्राप्त हो सकते हैं।

धनु — कार्यक्षेत्र में तरक्की के योग हैं। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। शैक्षिक या बौद्धिक कार्यों में सम्मान की प्राप्ति हो सकती है।

मकर — व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। लेखनादि-बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता बढ़ेगी। सन्तान की ओर से सुखद समाचार मिल सकता है।

कुंभ — तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। आय में वृद्धि होगी। पठन-पाठन में रुचि रहेगी। लेखनादि-बौद्धिक कार्यों से आय में वृद्धि के स्रोत विकसित होंगे।

मीन — दाम्पत्य सुख में वृद्धि होगी। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। कारोबार में वृद्धि होगी। परिश्रम अधिक रहेगा। लाभ के अवसर बढ़ेंगे। वाणी में मधुरता रहेगी।

शब्द पहेली - 5612

बाएँ से दाए-
2.पिता की बहन-2
5.कठोर-2
7.खून,रुधिर-2
8.मशरुम,फफूंद-3,2
9.इसे मकड़ी बुनती है-2
10.अपशिष्ट पदार्थ-2
11.धैर्य,संयम-2
13.स्फूर्ति,चंचलता-4
15.ओस,निशाजल-4
17.राशि निर्धारण-5
18.हलकापन-5
20.खालीपन,रिक्तता-4
23.स्नान करवाना-4
26.दंड-2
27.कार्य-2
28.कुर्बानी-2
29.कहानी का लेखक-5
30.प्रतिबिंब-2
31.गाना,नगमा-2
32.मां की मां-2

ऊपर से नीचे
1.बंदूक की गोली-4
3.व्याकुलता-4
4.दौरान,मध्य में-5
5.सत्ताधारी-4
6.नरम,अकठोर-4
10.शराब,सुरा-2
12.ईश्वर-2
14.गतिशीलता-5
16.नवीन,नया -2,3
19.उद्योगपति अनिल अंबानी की पत्नी का पूर्व नाम-5
20.प्रतिपूर्त व अनुपूर्त करना (अंग्रेजी-4)
21.मवाद-2
22.नाजुकता-4
23.मना करना-4
24.मैं का बहुवचन -2
25.नाकारा,बेकार-4

शब्द पहेली -5611 का हल

सूडोकु नवताल - 5623

✷☆☆☆☆ सरल

		6	4		5	8		
9				1				7
6	5			4			7	1
	4						2	
1	2			6			9	8
3				8				9
		8	6		9	5		

MANGAL SENACHA, BANGALORE

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 5622 का हल

2	4	5	6	9	8	1	7	3
1	7	6	4	3	5	8	2	9
3	8	9	1	2	7	6	5	4
9	1	7	3	6	2	4	8	5
5	6	3	8	7	4	9	1	2
4	2	8	5	1	9	3	6	7
7	3	1	9	5	6	2	4	8
8	9	2	7	4	1	5	3	6
6	5	4	2	8	3	7	9	1

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमंडल,
सरायकेला - खरसावाँ
E-Mail Add :- rwdseraikelakharsawan@gmail.com,

शुद्धि पत्र

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि इस कार्यालय द्वारा आमंत्रित की गई ई- अल्पकालीन पुनर्निविदा संख्या- 14/2024-25/EE/RWD /SRK दिनांक 21.08.2024 {PR 333448 Rural Work Department (24-25). D} के द्वारा प्रकाशित निविदा को अपरिहार्य कारणवश अगले आदेश तक स्थगित किया जाता है।

कार्यपालक अभियंता
ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमंडल,
सरायकेला-खरसावाँ

PR 333720 Rural Work Department(24-25).D

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER
PLANNING AND INVESTIGATION DIVISION
ROAD CONSTRUCTION DEPARTMENT (RCD), RANCHI
Nirupan Bhawan, 3rd Floor, Room No. 401, 56-Set, Doranda, Ranchi-834002

Invitation of Proposal (e-procurement Tender Notice)
Letter of Invitation (LOI) No.-10/2024-25 3rd Call
NATIONAL COMPETITIVE BIDDING
e-Tender Ref No:-RCD/PID/RANCHI/10/2024-25 Date:-22.08.2024

1	Name Of Work	Consultancy Services for the Preparation of comprehensive plan for development /improvement of Road Network of Roads / Flyovers / Ring-Roads / ROB's / Bypass etc., under the State of Jharkhand.
2	Tentative Area	For entire State of Jharkhand(Area-Approx 80,000 Km²)
3	Period of Completion of Work	180 Days
4	Cost of Tender documents	Cost of Tender Document Rs 10,000/- (Ten Thousand only) Earnest Money Deposit Rs- 5,00,000/-(Rupees Five Lakhs only) **As per the Departmental Letter no.4652(S) dated 06.10.2023, cost of tender document and Earnest Money Deposit will be received in online mode only through eprocurement portal (https://jharkhandtenders.gov.in) by internet banking/NEFT/RTGS facility as per Standard Operating Procedure (SOP) issued by Information Technology & eGovernance Department, Government of Jharkhand vide letter no- 120 dated 03.10.2023.**
5	Mode of Bid Submission	e-tendering(https://jharkhandtenders.gov.in)
6	Date/Time of Publication of Tender on Website	28.08.2024,10:30 AM
7	Last Date/Time of Submission of Bid	20.09.2024 17:00 PM
8	Date and Time of Bid opening	23.09.2024 17:30 PM
9	Bid validity	120 days
10	Designation and Contact no. of Tender inviting Officer	Executive Engineer, Planning and Investigation Division,RCD,Ranchi Mob No.-9471650883
11	Advt. no.	PR 310671 (Road) 23-24(.D)

Note:- Only e-Tender shall be accepted

Executive Engineer,
Planning & Investigation Division,
Road Construction Department, Ranchi.

PR 333555 (Road)24-25*D

e-Procurement Cell
OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER,
SPECIAL WORKS DIVISION,
BUILDING CONSTRUCTION DEPARTMENT,Ranchi

e-Procurement Notice
(Short Notice)
Tender Reference No:- BCD/EE, Special Works Div, BCD, Ranchi-13/2024-25 Date:-23.08.24

क्र0 सं0	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	Proposes Construction of Two Nos New 70 Men's Barrack of New High Court Jharkhand at Dhurwa, Ranchi.	Rs. 10,83,02,700.00	11 (Eleven) Months
i	वेबसाईट पर निविदा प्रकाशन की तिथि	30.08.2024	
ii	बिड प्राप्ति के लिए अन्तिम तिथि/समय	18.09.2024 को अपराह्न 1.00 बजे	
iii	निविदा खोलने की तिथि/समय	19.09.2024 को अपराह्न 1.00 बजे	
iv	निविदा प्रकाशित करने वाले कार्यालय का नाम एवं पता	e- Procurement Cell, Office of the Executive Engineer Special Works Division Building Construction Department Ranchi	
v	प्रोक्योरमेंट पदाधिकारी का सम्पर्क संख्या	8092415503	
vi	ई-प्रोक्योरमेंट सेल का हेल्पलाईन संख्या	8092415503	

Note:- Cost of bidding document (Non Refundable) & Bid Security Shall be payable on online through http://jharkhandtenders.gov.in
Any Change can be on Website http://Jharkhandtenders. gov. in
Any Other information can be on Website http://Jharkhandtenders.gov. in

Nodal Officer,
e-Procurement Cell,
Office of the Executive Engineer,
Special Works Division
Building Construction Department,Ranchi .

PR 333680
Building(24-25).D

ई0 प्रोक्योरमेन्ट सेल
कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमण्डल, लातेहार

ई- प्रोक्योरमेन्ट नोटिस

ई-टेन्डर रेफरेन्स नं0-15/2024-25/EE/BCD/LATEHAR दिनांक- 24.08.2024

क्र0 सं0	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि (रू0)	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	लातेहार जिलान्तर्गत प्रखण्ड चंदवा के पंचायत चकला में उग्रतारा मंदिर चन्दवा का प्रस्तावित क्षेत्र का विकास।	4,95,35,400.00	11 (Eleven) Months

1. कार्य पूर्ण करने की अवधि :- 11 (Eleven) Months
2. वेबसाईट पर निविदा प्रकाशन की तिथि :- 03/09/2024 को 11:00 बजे
3. बिड प्राप्ति के लिए अन्तिम तिथि/समय :- 18/09/2024 को 11:00 बजे
4. निविदा प्रकाशित करने वाले कार्यालय का नाम एवं पता :- कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमण्डल, लातेहार।
5. निविदा खोलने की तिथि/समय एवं स्थान :- 19/09/2024 को 11:30 बजे नोडल पदाधिकारी, ई0 प्रोक्योरमेन्ट सेल, अधीक्षण अभियंता का कार्यालय, भवन निर्माण विभाग, भवन अंचल सं0-02, राँची।
6. प्रोक्योरमेन्ट पदाधिकारी का सम्पर्क संख्या :- 9431501121
7. ई-प्रोक्योरमेन्ट सेल का हेल्पलाईन संख्या :- 8434414939
8. परिमाण विपत्र की राशि घट-बढ़ सकती है तद्नुसार अग्रधन की राशि देय होगी।
9. सूचना प्रौधोगिकी एवं ई-गवर्नेस विभाग, झारखण्ड सरकार के आदेश ज्ञापांक 120 दिनांक 03.10.2023 के द्वारा निर्गत SOP (मानक संचालन प्रक्रिया) एवं भवन निर्माण विभाग, झारखण्ड सरकार के पत्रांक 2229 दिनांक 06.10.2023 के आलोक में निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि केवल Online Mode द्वारा स्वीकार्य होगी।
10. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि का ई-भुगतान जिस खाता से किया जायेगा, SOP के तहत् अग्रधन की राशि उसी खाते में वापस होगी। अगर खाता को बंद कर दिया जाता है तो उसकी सम्पूर्ण जवाबदेही निविदादाता की होगी।

● अन्य किसी भी प्रकार के बदलाव की सूचना http://jharkhandtenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

Note :- UCAN Registration in mandatory for the Bidders.

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमण्डल, लातेहार

PR 333711 Building(24-25)#D

रामायण काल के मंदिर देखने एक अक्टूबर से भारत सहित 35 देशों को श्रीलंका देगा वीजा-मुक्त प्रवेश

एजेंसी ▶▶| कोलंबो

श्रीलंका ने पर्यटन बढ़ाने के लिए एक बढ़िया कदम उठाया है, जिसके जरिए भारतीय आसानी से इस देश की यात्रा कर सकते हैं। दरअसल, श्रीलंका ने भारत समेत 35 देशों के नागरिकों को वीजा-मुक्त प्रवेश प्रदान करने की योजना बनाई है। यह योजना 1 अक्टूबर से शुरू होगी और आने वाले 6 महीने तक चलेगी। ऐसा करके यह देश अपनी अर्थव्यवस्था को बहाल करना चाहता है, जो कि कोरोना महामारी के कारण बिगड़ गई थी। श्रीलंका अपने खूबसूरत समुद्र तटों और प्राचीन मंदिरों के लिए बेहद प्रसिद्ध है। इस देश की यात्रा पर आकर लोग इन जगहों पर जाएंगे जिससे उसकी अर्थव्यवस्था में काफी सुधार होने की संभावना है।

पर्यटकों को श्रीलंका में मिलेगा 30 दिन का वीजा

वीजा-मुक्त प्रवेश की अनुमति वाले देशों की सूची में यूनाइटेड किंगडम, अमेरिका, कनाडा, जर्मनी, ऑस्ट्रेलिया, सऊदी अरब, चीन, भारत, रूस, दक्षिण कोरिया और जापान जैसे प्रमुख देश शामिल हैं। इस योजना के तहत इन देशों के पर्यटकों को श्रीलंका आने पर 30 दिन का वीजा दिया जाएगा।

सिगिरिया शेर किला : सिगिरिया श्रीलंका के सबसे मूल्यवान ऐतिहासिक स्मारकों में से एक है, जिसे शेर किला भी कहा जाता है। यहां के रहने वाले लोग इस जगह को दुनिया का 8वां अजूबा मानते हैं। सिगिरिया मनमोहक नजारों वाला एक विशाल चट्टानी किला है, जिसे यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल घोषित किया गया है। यह किला दांबुला और हबराने द्वीप के मध्य में समुद्र तल से 370 मीटर ऊपर एक विशाल चट्टान पर स्थित है। सिगिरिया किले को राजा कश्यप प्रथम ने बनवाया था।

नवारा एलिया : जहां रावण ने रखा था माता सीता को

नुवारा एलिया श्रीलंका का एक हिल स्टेशन है, जिसका इतिहास रामायण से जुड़ा हुआ है। माना जाता है कि रावण ने सीता माता का अपहरण करने के बाद उन्हें इसी जगह पर रखा था। जब रावण ने हनुमान जी की पूंछ में आग लगाई थी, तब उन्होंने इसी स्थान को जलाया था। आप यहां आकर रामायण के साक्ष्य के तौर पर काली मिट्टी को देख सकते हैं। इसके अलावा, यहां कई सुंदर पहाड़ और चाय के बागान भी हैं।

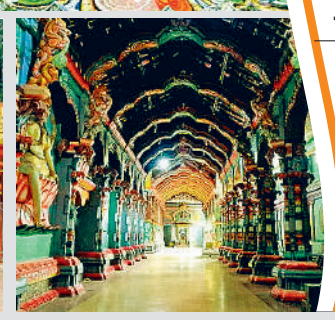

आदम की चोटी

आदम की चोटी श्रीलंका का मशहूर पर्यटन-स्थल है, जिसे आदम का पहाड़ भी कहते हैं। यह श्रीलंका में बसा 2,243 मीटर ऊंचा पर्वत है, जिसे सभी धर्म के लोग पवित्र स्थान मानते हैं। इस पर्वत के शिखर पर एक चट्टान है, जिस पर एक विशाल पदचिह्न मौजूद है। इसे बौद्ध परंपरा में भगवान बुद्ध, हिंदू धर्म में श्री राम और ईसाई व इस्लामी मान्यताओं में पैगंबर आदम का माना जाता है। इस पर्वत पर ट्रेक करके लोग आनंदित होते हैं।

पोलोननरुवा

यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल पोलोननरुवा श्रीलंका के उत्तर मध्य प्रांत में बसा एक प्राचीन शहर है। 993 में चोल राजवंश द्वारा अनुराधापुरा को नष्ट किए जाने के बाद यह शहर श्रीलंका की दूसरी राजधानी बना था। इस जगह पर एक 31 मीटर लंबी शाही हवेली है, जिसके बारे में माना जाता है कि यह कभी 7 मंजिल ऊंची थी। साथ ही यहां एक परिषद कक्ष, एक जनता दरबार और शाही स्नानघर के खंडहर भी मौजूद हैं।

खबर संक्षेप

भाजपा और सीबीआई केजरीवाल के खिलाफ कर रही साजिश

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी ने आबकारी नीति मामले में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को जेल में रखने की कथित साजिश के लिए भारतीय जनता पार्टी और केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो की शनिवार को आलोचना की। 'आप' के आरोपों पर सीबीआई या भाजपा की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं मिल सकी है।

महिला इंजीनियर का शव घर में फंदे से लटका मिला

बालासोर। ओडिशा के बालासोर जिले में 26 वर्षीय महिला इंजीनियर का शव घर में पंखे से लटका मिला। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि भोगराई ब्लॉक में कार्यरत इंजीनियर मोनालिसा हेम्ब्रम का शव थाना चक क्षेत्र में उसके किराए के मकान से बरामद किया गया। उन्होंने बताया कि मौके पर पहुंची पुलिस ने मकान के दरवाजे को अंदर से बंद पाया जिसके बाद उसे तोड़कर पुलिसकर्मी अंदर दाखिल हुए तो शव फंदे से लटका पाया गया।

प्रेक्टिस वाली गोलियां चलाकर खिलाड़ियों ने किया बचाव

पणजी। कार पार्किंग को लेकर हुए विवाद के दौरान तीन खिलाड़ियों को धमकाने के आरोप में एक 'हिस्ट्रीशीटर' अपराधी गरद के खिलाफ यहां एक मामला दर्ज किया गया है। पुलिस अधीक्षक (उत्तर) अक्षत कौशल ने बताया कि यह घटना शुक्रवार देर रात मापुसा के करासवाड़ा जंक्शन पर हुई और आरोपी शैलेश गरद की धमकी के बाद निशानेबाजों को मौके से बच निकलने के लिए निशानेबाजी में प्रैक्टिस के लिए इस्तेमाल होने वाले हथियार से गोलियां चलानी पड़ी।

जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव के लिए पीडीपी ने जारी किया अपना घोषणा पत्र

महबूबा का वादा, बिजली, राशन, पानी, सिलेंडर सब मिलेगा मुफ्त, यूएपीए कानून का होगा खात्मा

एजेंसी ▶▶| जम्मू

आर्टिकल 370 हटने के बाद अब पहली बार जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव होने जा रहे हैं। सभी दलों ने एड़ीचोटी का जोर लगा दिया है। पार्टियों का घोषणापत्र भी तैयार हो रहा है। शनिवार को पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) ने सबसे पहले अपना घोषणापत्र जारी कर दिया है। मुफ्ती ने क्षेत्र के लोगों के बीच महसूस की जा रही घुटन का जिक्र किया। उन्होंने यूएपीए और शत्रु अधिनियम जैसे विवादास्पद कानूनों को समाप्त करने की बात कही।

इस घोषणापत्र की खास बात है कि महबूबा मुफ्ती ने जम्मू-कश्मीर के लोगों के लिए जिसमें 200 यूनिट तक मुफ्त बिजली देने सहित कई वादे किए गए हैं। श्रीनगर में महबूबा मुफ्ती ने अपने घोषणापत्र में क्षेत्र में शांति और न्याय के लिए एक दृष्टिकोण की रूपरेखा पेश करने की बात कही है। उन्होंने अपनी पार्टी के घोषणापत्र के प्रमुख घटकों के रूप में सुलह, संवाद और नीतिगत सुधारों पर जोर दिया। जम्मू-कश्मीर में 18 सितंबर से 1 अक्टूबर तक तीन चरणों में मतदान होगा और 4 अक्टूबर को मतगणना होगी।

चुनाव 18 सितंबर से 1 अक्टूबर तक तीन चरणों में होंगे

नेकां-कांग्रेस का गठबंधन सिर्फ सीटों के लिए

महबूबा मुफ्ती ने कहा कि जब हमने पहले भी गठबंधन किया था, तब भी हमारे पास एक एजेंडा था, जब हमने भाजपा के साथ गठबंधन किया था, तब भी हमारे पास एक एजेंडा था जिस पर वे सहमत थे। अब नेशनल कॉन्फ्रेंस और कांग्रेस के बीच गठबंधन एजेंडे पर नहीं हो रहा है। यह सीट बंटवारे पर हो रहा है। हम ऐसा कोई गठबंधन नहीं करेंगे जिसमें केवल सीट बंटवारे की बात हो। गठबंधन एजेंडे पर होना चाहिए और हमारा एजेंडा जम्मू-कश्मीर की समस्या का समाधान करना है।

पीडीपी का कोई गठबंधन नहीं : महबूबा मुफ्ती

नेशनल कॉन्फ्रेंस और कांग्रेस के साथ सहयोग की संभावनाओं पर बोलते हुए मुफ्ती ने इस बात पर जोर दिया कि किसी भी गठबंधन को कश्मीर मुद्दे को हल करने पर केंद्रित साझा एजेंडे पर आधारित होना चाहिए, न कि केवल चुनावी लाभ के लिए। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी की प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने स्पष्ट किया कि वह किसी के साथ गठबंधन में नहीं है। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी केवल सीट-बंटवारे की व्यवस्था के आधार पर गठबंधन बनाने में दिलचस्पी नहीं रखती है।

हमारा एजेंडा अपनाएं तो गठबंधन : गठबंधन और सीट बंटवारा दूर की बातें हैं। अगर नेशनल कॉन्फ्रेंस और कांग्रेस हमारा एजेंडा अपनाने के लिए तैयार हैं, तो हम कहेंगे कि उन्हें सभी सीटों पर चुनाव लड़ना चाहिए, हम उनका पालन करेंगे क्योंकि मेरे लिए कश्मीर की समस्या का समाधान किसी भी अन्य चीज से ज़्यादा महत्वपूर्ण है।

पीडीए के घोषणापत्र की मुख्य बातें

- **मुफ्त बिजली:** पीडीपी ने 200 यूनिट तक मुफ्त बिजली देने का वादा किया है।
- **जल कर उन्मूलन:** पार्टी ने वॉटर टैक्स को समाप्त करने और जल मीटर हटाने की योजना बनाई है।
- **मुफ्ती मोहम्मद सईद योजना का पुनरुद्धार:** 1 से 6 सदस्यों वाले गरीब परिवारों की सहायता के लिए इस योजना को फिर से लागू किया जाएगा। इसके तहत उन्हें पर्याप्त चावल और राशन दिया जाएगा।
- **फ्री एलपीजी सिलेंडर:** गरीब परिवारों को हर साल 12 मुफ्त एलपीजी सिलेंडर दिए जाएंगे।
- **सामाजिक सुरक्षा में वृद्धि:** वृद्धावस्था, विधवाओं और अन्य सामाजिक सुरक्षा लाभों के लिए पेंशन दोगुनी की जाएगी।
- **दम घोंटने वाले कानूनों को समाप्त करना:** पीडीपी ने टीएसए, यूएपीए और शत्रु अधिनियम को समाप्त करने का वादा किया है जिसके तहत पत्रकार, राजनीतिक और सामाजिक कार्यकर्ता और अन्य लोगों को गिरफ़्तार किया जा सकता है।

आईएसआई के जासूस ब्रह्मोस इंजीनियर की जेल में बीतेगी जिंदगी

एजेंसी ▶▶| मुंबई

बॉम्बे हाई कोर्ट की नागपुर पीठ ने शुक्रवार को ब्रह्मोस मिसाइल के पूर्व इंजीनियर निशांत अग्रवाल की जमानत याचिका खारिज कर दी और उनके खिलाफ जासूसी मामले में नागपुर की निचली अदालत द्वारा सुनाई गई आजीवन कारावास की सजा पर रोक लगाने से इनकार कर दिया। सरकार की ओर से पेश हुए सहायक सरकारी वकील अनूप बदर ने बताया कि न्यायमूर्ति विनय जोशी और न्यायमूर्ति वृषाली जोशी की पीठ ने बुधवार को अंतिम दलीलें सुनने के बाद यह आदेश पारित किया।

कुछ विभागों में सोशल मीडिया के सख्त हैं निर्देश

अभियोजन पक्ष के अनुसार, संवेदनशील भूमिकाओं में व्यक्तियों के लिए सख्त सोशल मीडिया दिशानिर्देशों के बावजूद अग्रवाल ने फेसबुक पर संवेदनशील जानकारी का खुलासा किया। इंजीनियर अग्रवाल को ब्रह्मोस के बारे में संवेदनशील डेटा लीक करने के संदेह में आधिकारिक गुप्त अधिनियम और आईपीसी के कड़े प्रावधानों के तहत गिरफ्तार किया गया था।

दुनिया की सबसे तेज मिसाइल है ब्रह्मोस

ब्रह्मोस मिसाइल को दुनिया की सबसे तेज क्रूज मिसाइल के रूप में जाना जाता है। यह सशस्त्र बलों के लिए एक महत्वपूर्ण रक्षा प्रणाली है। इसके विभिन्न वेरिएंट को जमीन, हवा, और समुद्र से लॉन्च किया जा सकता है और ये भारतीय सशस्त्र बलों में सेवा में हैं।

हाईकोर्ट ने जमानत याचिका ठुकराई

क्या है पूरा मामला

ब्रह्मोस मिसाइल के पूर्व इंजीनियर निशांत अग्रवाल पर आरोप है कि उन्होंने हनी ट्रैप में फंसकर पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई के लिए जासूसी की और फेसबुक पर संवेदनशील जानकारी साझा की। 2018 में गिरफ्तार किए गए अग्रवाल को नागपुर सत्र न्यायालय ने आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। अग्रवाल को उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र के सैन्य खुफिया और आतंकवाद विरोधी दस्तों द्वारा संयुक्त अभियान में गिरफ्तार किया गया था। अग्रवाल को सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम और आधिकारिक गोपनीयता अधिनियम, 1923 के तहत दोषी पाया गया था।

रूसी मिसाइल की बनाई थी प्रतिलिपि : बहस के दौरान, अभियोजन पक्ष ने अदालत को सूचित किया कि अग्रवाल ने रूस द्वारा विकसित मिसाइल के एक महत्वपूर्ण घटक के बारे में एक शीर्ष-गुप्त फाइल की प्रतिलिपि बनाई थी।

बिभव की बढ़ीं मुश्किलें, 13 तक बढ़ी न्यायिक हिरासत

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के करीबी सहयोगी बिभव कुमार की मुसीबतें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। बिभब कुमार को अभी तिहाड़ जेल में ही रहना होगा। तीस हजारी कोर्ट ने आप सांसद स्वाति मालीवाल मारपीट मामले में शनिवार को बिभव कुमार की न्यायिक हिरासत 13 सितंबर तक बढ़ा दी। बिभव कुमार पर आईपीसी की विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज हैं। अगली सुनवाई में बिभव कुमार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए ही पेश किया जाएगा।

मामले की सुनवाई के दौरान, न्यायिक मजिस्ट्रेट गौरव गोयल ने बिभव कुमार की याचिका पर जांच अधिकारी से जवाब मांगा। दरअसल, बिभव कुमार ने अपने वकील को मुहैया कराई गई चार्जशीट और अन्य दस्तावेजों के उचित पेजिनेशन की मांग की थी। बिभव कुमार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए कोर्ट में पेश किया गया। 16 जुलाई को 500 पन्नों की चार्जशीट दायर की थी, जिसे अदालत ने 30 जुलाई को स्वीकार कर लिया था।

स्वाति मालीवाल मारपीट केस

लगातार खारिज हो रहीं जमानत याचिकाएं : बिभव कुमार की जमानत याचिकाएं निरंतर खारिज होती रही हैं। निचली अदालत और हाईकोर्ट दोनों ने उनकी याचिकाएं ठुकरा दी हैं। स्वाति मालीवाल ने 18 मई को बिभव कुमार के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी। पुलिस ने इस मामले में 100 से ज्यादा लोगों से पूछताछ की है और 50 लोगों को गवाह बनाया है।

भारत-बांग्लादेश सीमा पर लाउड-स्पीकर से लगे भारत विरोधी नारे

एजेंसी ▶▶| गुवाहाटी

भारत-बांग्लादेश के बॉर्डर पर तनाव बढ़ गया है। कुछ लोगों ने भारत विरोधी नारे लगाए। ये घटना तब घटी जब असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा के करीमगंज दौरे के दौरे पर भारत-बांग्लादेश सीमा पर थे। जकीगंज इमिग्रेशन पोस्ट पर तैनात बांग्लादेशी नागरिकों ने लाउडस्पीकर से भारत के खिलाफ भड़काऊ नारे लगाए। रिपोर्ट के मुताबिक, इन लोगों ने नारे लगाते हुए कहा, जिनके घर बांग्लादेश में हैं, उन्हें तुरंत भारत छोड़ देना चाहिए। भारतीय सामानों का बहिष्कार करें।

यह घटना बांग्लादेश में हाल ही में हुए राजनीतिक उथल-पुथल के बाद हुई। खासकर प्रधानमंत्री शेख हसीना की सरकार का तख्तापलट के बाद बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों और हिंदुओं पर अत्याचार की तमाम घटनाएं सामने आई हैं, जो भारत-बांग्लादेश संबंधों में बढ़ते तनाव को दर्शाती हैं।

- सीएम सरमा ने किया था बॉर्डर का दौरा
- भारतीय सामान का बहिष्कार करने की अपील

अंतरिम सरकार बोली, पूजा-उपवास में समस्या नहीं

बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के धार्मिक मामलों के सलाहकार डॉ. ए एफ एम खालिद हुसैन ने कहा है कि देश में एक ही समय में उपवास और पूजा करने में कोई समस्या नहीं है। उन्होंने कहा कि देश की छवि खराब करने के लिए कुछ विदेशी मीडिया में भी दुष्प्रचार फैलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जो लोग सांप्रदायिक सौहार्द को नुकसान पहुंचाने की कोशिश कर रहे हैं, उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। हुसैन ने बांग्लादेश में कानून-व्यवस्था और सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाए रखने के लिए सभी से सहयोग मांगा।

बांग्लादेशी घुसपैठियों की तादाद बढ़ रही

इससे पहले 20 अगस्त को पुलिस ने अली हुसैन को गिरफ्तार किया था, जो कथित तौर पर बांग्लादेशी नागरिकों को भारत में अवैध रूप से प्रवेश कराने में शामिल एक दलाल है। हुसैन को दक्षिण सलमारा जिले के हाजीरहाट गांव में पैसे के बदले नदी के किनारे से लोगों की तस्करी करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। उस पर घुसपैठियों को शरण देने और भारत में घुसपैठ करने में मदद करने का भी आरोप है।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

विविध कार्य हेतु निविदा सूचना

निविदा सूचना क्रमांकः 05/निविदा/विद्युत/निर्माण/द.पू.म.रेलवे/बी.एस.पी./2024, दिनांकः 20.08.2024

कार्य का नामः "द.पू.म. रेलवे नागपुर मंडल के राजनांदगांव-नागपुर के मध्य रेलवे लाइन तिहरीकरण कार्य के अंतर्गत स्टेशनों, एलसी गेटों, स्टेशन सर्कुलेटिंग एरिया, एप्रोच रोड, विद्युत अतिक्रमण को हटाने और स्थानांतरित करने और बिजली आपूर्ति व्यवस्था आदि का बचा हुआ कार्य"। **निविदा मूल्यः** रू. 1,59,09,140/- (एक करोड़ उनसठ लाख नौ हजार एक सौ चालीस), **बयाना राशिः** रू. 2,29,600/-, **निविदा बंद होने का समय एवं दिनांकः** 17.09.2024 को 15:30 बजे, **कार्य पूर्णता की अवधि :** 12 (बारह) माह स्वीकृती पत्र जारी होने की तारीख से।

वेबसाइट का विवरण तथा नोटिस बोर्ड का स्थानः ऊपर दिए गए कार्य के लिए विस्तृत जानकारी/ई-निविदा दस्तावेज पात्रता का मापदंड तथा अन्य विस्तृत विवरण हेतु ई-निविदा को कागजात, जो हमारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है उसे डाउनलोड कर/देख सकते हैं।

कृते उप-मुख्य विद्युत अभियंता(निर्माण)
सीपीआर/10/206 द.पू.म.रेलवे नागपुर

South East Central Railway @secrail

पूर्व तट रेलवे

निविदा सूचना सं.26/ET/SBP/ENGG/2024-25, दिनांक : 14.08.2024

(1)ई-निविदा सं.15-eT-DENC-SBP-24
कार्य का नाम : सम्बलपुर मण्डल में बरगड़ रोड, डुंगुरीपाली, बलांगीर एवं हीराकुद गुड्स शेड (सेन्ट्रल सेक्शन) में बुनियादी ढांचा का उन्नयन/आधुनिकीकरण।
कार्य की अनुमानित लागत(रुपये में) : 7,95,91,875.22, बिड सिक्युरिटी (रुपये में) : 5,48,000/- ।

(2)ई-निविदा सं.17-eT-DENC-SBP-24
कार्य का नाम : सम्बलपुर मण्डल में सीनियर सेक्शन इंजीनियर (P.Way)/सम्बलपुर के अधिकार क्षेत्र के अधीन सरला (Ex)- अताबिरा (In) के बीच सेक्शन में 30.09.2025 तक समाप्त होने वाली समयावधि के लिए सभी परमानेन्ट वे जोनल (Zonal) कार्य का निष्पादन।
कार्य की अनुमानित लागत(रुपये में) : 1,42,93,000/-, बिड सिक्युरिटी (रुपये में) : 2,21,500/- ।

(3)ई-निविदा सं.18-eT-DENC-SBP-24
कार्य का नाम : सम्बलपुर मण्डल में सीनियर सेक्शन इंजीनियर (P.Way)/बरगड़ रोड के अधिकार क्षेत्र के अधीन अताबिरा (Ex)-डुंगुरीपाली (Ex) के बीच सेक्शन में 30.09.2025 तक समाप्त होने वाली समयावधि के लिए सभी परमानेन्ट वे जोनल (Zonal) कार्य का निष्पादन।
कार्य की अनुमानित लागत(रुपये में) : 1,42,93,000/-, बिड सिक्युरिटी (रुपये में) : 2,21,500/- ।

(4)ई-निविदा सं.19-eT-DENC-SBP-24
कार्य का नाम : सम्बलपुर मण्डल में सीनियर सेक्शन इंजीनियर (P.Way)/लोइसिंहा के अधिकार क्षेत्र के अधीन डुंगुरीपाली (In)-बलांगीर(Ex) के बीच सेक्शन में 30.09.2025 तक समाप्त होने वाली समयावधि के लिए सभी परमानेन्ट वे जोनल (Zonal) कार्य का निष्पादन।
कार्य की अनुमानित लागत(रुपये में) : 1,29,93,000/-, बिड सिक्युरिटी (रुपये में) : 2,15,000/- ।

(5)ई-निविदा सं.20-eT-DENC-SBP-24
कार्य का नाम : सम्बलपुर मण्डल में सीनियर सेक्शन इंजीनियर (P.Way)/बलांगीर के अधिकार क्षेत्र के अधीन बलांगीर (In)-देवगांव रोड (In) एवं बलांगीर-सोनपुर के बीच सेक्शन में 30.09.2025 तक समाप्त होने वाली समयावधि के लिए सभी परमानेन्ट वे जोनल (Zonal) कार्य का निष्पादन।
कार्य की अनुमानित लागत(रुपये में) : 1,90,93,000/-, बिड सिक्युरिटी (रुपये में) : 2,45,500/- ।
कार्य पूरा होने की अवधि : 12 महीने (सभी निविदा हेतु)।
निविदा बंद होने की तिथि एवं समय: दिनांक 11.09.2024 को 1500 बजे (सभी निविदा हेतु)।
ऐसी ई-निविदा के तहत डाक/कूरियर/फैक्स या व्यक्तिगत रूप से भेजा गया कोई भी मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया जायेगा, भले ही ये सभी फर्म (Firm) के लेटर हेड एवं नियत समय पर प्राप्त किया गया हो। ऐसे सभी मैनुअल प्रस्ताव को अवैध माना जायेगा तथा उसके बारे में किसी विचार के बिना तत्काल निरस्त कर दिया जायेगा।
उपरोक्त ई-निविदा के ई-निविदा दस्तावेज सहित संपूर्ण जानकारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध होंगे।
द्रष्टव्य : प्रत्याशित निविदाकारों को यह सलाह दी जाती है कि इस ई-निविदा के लिए जारी कोई भी परिवर्तन/शुद्धिपत्र की ओर ध्यान देने के लिए वे निविदा खुलने से कम से कम 15(पंद्रह) दिन पहले वेबसाइट का पुनःअवलोकन करें।
मंडल रेलवे प्रबंधक (इंजीनियरिंग), सम्बलपुर
PR-454/P/24-25

भारत ने लॉन्च किया अपना पहला रीयूजेबल रॉकेट 'आरएचयूएमआई-1', अंतरिक्ष में पहुंचाएगा 53 सैटेलाइट

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

शनिवार को भारत ने अपने पहले रीयूज़ेबल हाइब्रिड रॉकेट 'आरएचयूएमआई-1' को चेन्नई के तिरुविदंधाई से लॉन्च किया। इस रॉकेट को तमिलनाडु की स्टार्ट-अप स्पेस जोन इंडिया ने मार्टिन ग्रुप की मदद से डेवलप किया है। यह रॉकेट एक मोबाइल लॉन्चर का इस्तेमाल करके उपकक्षीय कक्षा में लॉन्च किया गया। यह अपने साथ 3 क्यूब सैटेलाइट्स और 50 पीको सैटेलाइट्स अंतरिक्ष लेकर गया है

जलवायु परिवर्तन के लिए डेटा जुटाएगा रॉकेट

यह रॉकेट जलवायु परिवर्तन और ग्लोबल वार्मिंग पर रिसर्च के लिए डेटा जुटाएगा। आरएचयूएमआई-1' रॉकेट में एक हाइब्रिड मोटर का उपयोग किया गया है जो कॉमन फ्यूल बेस्ड है। यह पूरी तरह से पायरोटेक्निक-फ्री है और इसमें जीरो परसेंट टीएनटी है। इस मिशन को स्पेस जोन के संस्थापक आनंद मेगालिंगम के नेतृत्व में अंजाम दिया गया है।

रीयूजेबल हाइब्रिड रॉकेट जलवायु परिवर्तन के लिए जुटाएगा डेटा

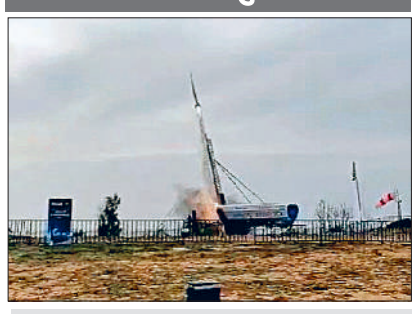

अंतरिक्ष उद्योग में नई क्रांति आने की उम्मीद
इस मिशन से भारत के स्पेस इंडस्ट्री में एक नई क्रांति आने की उम्मीद की जा रही है, जिससे न केवल अनुसंधान बल्कि कॉमर्शियल एक्टिविटे के लिए भी नए रास्ते खुलेंगे। आरएचयूएमआई-1 के प्रक्षेपण से सैटेलाइट लॉन्चिंग की प्रक्रिया में एक नई दिशा मिल सकती है।

राकेट दो बार किया जा सकता है इस्तेमाल

यह रॉकेट न केवल दोबारा इस्तेमाल किया जा सकता है बल्कि इसकी लागत भी दूसरे रॉकेटों की तुलना में कम है। इससे भारत के अंतरिक्ष उद्योग को अधिक प्रतिस्पर्धी बनने में मदद मिलेगी। इसके अलावा, इस तकनीक का उपयोग भविष्य में अंतरिक्ष में खोज-बीन के लिए भी किया जा सकता है।

अंतरिक्ष में खोज करने में मिलेगी मदद

आरएचयूएमआई-1 का सफल प्रक्षेपण भारत के अंतरिक्ष उद्योग के लिए एक मील का पत्थर साबित हो सकता है। इसरो और अन्य भारतीय संस्थानों के साथ मिलकर, स्पेस जोन इंडिया ने दिखा दिया है कि भारत भी अंतरिक्ष अन्वेषण में अहम भूमिका निभा सकता है। भारत भी अब बड़े पैमाने पर छोटे सैटेलाइट्स को कम लागत पर अंतरिक्ष में भेजने में सक्षम बन सकता है।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

स्वचालित अग्नि जांच और दमन प्रणाली के लिए ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मंडल रेल प्रबंधक (यांत्रिक / डीजल) / एसईसी रेलवे, मोतीबाग, नागपुर द्वारा नीचे उल्लिखित कार्य हेतु दिनांक 13.09.2024 के 15.00 बजे तक खुली निविदा आधार पर ई-निविदा आमंत्रित हैं।
निविदा सूचना संख्या: E/133754/DGS/FDSS/23-24 दिनांक: 19.08.2024
कार्य का नाम: डेमू शेड, गोंदिया (द.पू.म.रे.) के गैर सीएनजी 1400/1600 HHP DEMU DPCs के लिए स्वचालित अग्नि की जांच और दमन प्रणाली (FDSS) की खरीद की आपूर्ति, स्थापना, कमीशनिंग और रखरखाव।
अनु. निविदा मूल्य: ₹ 1,05,31,500.00,
बयाना राशि: ₹ 2,02,700.00
अनुबंध की अवधि: 12 महीने,
उक्त अनुबंध के लिए बोली दिनांक **30.08.2024** से शुरू होगी तथा निविदा समाप्ति तिथि और समय **13.09.2024** को **15.00** बजे तक है। निविदा **13.09.2024** को खोली जाएगी। अन्य विवरण के लिए कृपया वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर जाएं।

वरिष्ठ मंडल यांत्रिकी अभियंता, डीजल लोको शेड, मोतीबाग
PC/16-87 दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, नागपुर

स्वच्छ भारत अभियान एक कदम स्वच्छता की ओर

कार्यालय नगर पालिक निगम, दुर्ग

Email ID: durgmc2019@gmail.com Phone :- 0788-2322148

ई-प्रोक्योरमेंट निविदा आमंत्रण सूचना

क्रमांक/346/लो.क.वि./2024 दिनांक 22.08.2024

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत अनुभवी ठेकेदारों से प्रचलित भवन एस.ओ.आर. 01.01.2015 एवं नॉन एस.ओ.आर. के आधार पर नीचे उल्लेखित कार्य हेतु ऑनलाईन (Online) निविदा आमंत्रित की जाती है -

क्र.	कार्य का नाम	लागत (लाख में)	निविदा जारी दिनांक
1.	शहर के सड़कों के किनारे पौधारोपण कार्य (जी.ई.रोड, जेल तिराहा से मिनीमाता चौक, महाराजा चौक से धनोरा रोड, गंजपारा से शिवनाथ नदी रोड, धमधा रोड, रायपुर नाका से पुष्पक नगर, गौरवपथ, मालवीय नगर चौक से गौरव पथ, धरसा रोड कर्मचारी नगर, दुर्ग) System No. 157920, Dt : 22.08.2024	46.21 लाख	22.08.2024 से 11.09.2024 खोलने की तिथि 13.09.2024
2.	शहर में रिक्त स्थानों में पौधारोपण ओल्ड ट्रेंचिंग ग्राउंड पोटिया, रायपुर नाका शुलभ शौचालय के पास, जेल तिराहा के पास ओव्हरब्रिज, दुर्ग System No. 157984, Dt : 22.08.2024	31.75 लाख	
3.	शहर के रिक्त स्थानों में फेसिंग कार्य, दुर्ग System No. 157904, Dt : 22.08.2024	50.00 लाख	

निविदा की सामान्य शर्तें धरोहर राशि निविदा विज्ञप्ति निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है अथवा ई-प्रोक्यूरमेंट वेब पोर्टल http://eproc.cgstate.gov.in एवं विभागीय वेबसाइट www.uad.cg.gov.in से भी डाउनलोड की जा सकती है।
कार्यपालन अभियंता

अब कोई ऐसा क्षेत्र या काम नहीं रह गया है, जहां एआई का यूज कमाल ना दिखा रहा हो। यहां तक कि खेती-किसानी जैसे पारंपरिक काम को करने के लिए भी एआई एक्टिव हो चुका है। बहुत जल्द इसमें रोबोट-फार्मर एंट्री लेने वाले हैं।

खेती-किसानी करने को रेडी हाईटेक रोबोट-फार्मर

{ कवर स्टोरी / लोकमित्र गौतम }

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) या कृत्रिम बुद्धिमत्ता इन दिनों मानो चमत्कार का पर्याय बन चुकी है। जिस भी क्षेत्र के साथ एआई तकनीक का नाम जुड़ जाता है, वह सबसे उन्नत क्षेत्र मान लिया जाता है। जब कहा जाता है, एआई की मदद से किसी मरीज की सर्जरी रोबोट करेगा, तो यह सुनकर डर नहीं लगता और ना ही एक पल को भी दिमाग में यह बात आती है कि रोबोट कुछ गड़बड़ ना कर दे। उल्टे दिल-दिमाग आश्वस्त हो जाता है कि इंसान के मुकाबले रोबोट की कुशलता कई गुना ज्यादा होगी। लब्बोलुआब यह कि एआई का नाम लेते ही दिल-दिमाग में अपने आप यह एहसास भर जाता है कि यह सबसे उन्नत और कुशल तकनीक है।

एग्रीकल्चर में एआई की एंट्री

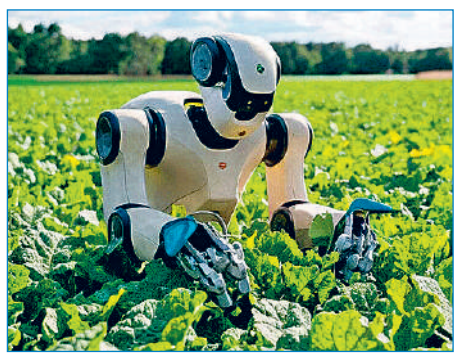

पिछले साल के अंतिम महीनों से लेकर इस साल के शुरुआत में महाराष्ट्र के बारामती जिले में स्थित एग्रीकल्चरल डेवलपमेंट ट्रस्ट (एडीटी) से संबद्ध करीब 75,000 एकड़ जमीन में ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी, माइक्रोसॉफ्ट और एडीटी ने मिलकर कृषि क्षेत्र में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के इस्तेमाल का जो प्रयोग करके देखा, उसके नतीजे अद्भुत रहे हैं। यहां विभिन्न फसलों की पहली बार बुआई, उनकी देखभाल और कटाई या उत्पादन तक की सारी गतिविधियां आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के जरिए पूरी की गईं और पाया गया कि एआई के जरिए फसलों का ना सिर्फ बहुत अच्छी तरह से बोना, उनकी देखभाल करना, उनकी कटाई करना आदि सब कुछ संभव है बल्कि उनकी उन्नत क्वालिटी को मैनेज करना भी इस तकनीक के जरिए बहुत आसान है।

एआई प्रोजेक्ट की खासियतें

बारामती में किए गए एग्रीकल्चर प्रोजेक्ट में विभिन्न कृषि फसलों का उत्पादन एआई तकनीक के जरिए किया गया। इस तकनीक में विभिन्न प्रकार के सेंसर लगे होते हैं, जो फसलों के बारे में हर पल की जानकारी किसानों को देते हैं। कब फसल को पानी चाहिए, कब और कितनी खाद चाहिए, पौधों को कब और कितना तापमान चाहिए। हर चीज की बारीक से बारीक जानकारी किसान को एआई तकनीक सैटेलाइट और कंप्यूटर के जरिए देती है। इससे यह जानने में मदद मिलती है कि मिट्टी में नाइट्रोजन, फास्फोरस जैसे पोषक तत्वों के अलावा तापमान, हवा की गति, हवा में मौजूद नमी कितनी है और पौधों के स्वस्थ विकास के लिए कितनी चाहिए? साथ ही यह भी पता चल जाता है कि यह सब कैसे मैनेज किया जा सकता है। यह तकनीक किसान को या कहें इस पर नजर रखने वाले रिसर्च प्रोफेशनल्स को ये सब जानकारियां देती है। एआई की सेंसर तकनीक से यह पता चलते ही पौधे को वो सारी चीजें मुहैय्या करा दी जाती हैं, जिससे कोई भी पौधा दिन-दूनी रात चौगुनी रफ्तार से वृद्धि करता है।

ऐसे काम करती है एआई फार्मिंग

बारामती में जिस आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के सिस्टम से यहां नियंत्रित खेती की गई, वहां कंप्यूटर हर आधे घंटे में जमीन और जमीन के बाहर के साथ ही हवा में होने वाले सभी बदलावों की जानकारी सेंसर के जरिए सैटेलाइट को भेजी और सैटेलाइट ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, सॉफ्टवेयर से लैस कंप्यूटर को ये सारी जानकारियां भेजी। इस सूचना की मदद से मिट्टी में कितना पानी देना है, कितना उर्वरक देना है, किस प्रकार का उर्वरक देना है जैसी जानकारियां किसानों ने हासिल कीं फिर उसी के अनुसार सब कुछ किया और नतीजे में खेती ऐसी हुई, जैसे पहले कभी नहीं हुई थी। लेकिन अभी तो यह खेती एक प्रायोगिक प्रोजेक्ट के तौर पर हुई है और इसमें सिर्फ एआई नहीं शामिल रही बल्कि एआई तकनीक, इसके जानकार और व्यावहारिक रूप से किसान भी शामिल रहे, क्योंकि एआई तकनीक विभिन्न तरह की जरूरतों का पता लगाती है और फिर ये सारा डाटा उस कंप्यूटर को भेजती है, जो इससे जुड़ा होता है। इसे पढ़कर और समझकर एक्सपर्ट प्रोफेशनल, किसानों से उसी के मुताबिक खेती कराता है, निर्देशित करता है।

एंट्री लेने वाले हैं रोबोट-फार्मर्स

सामान्य तौर पर मौसम का पूर्वानुमान, जलवायु परिवर्तन और बढ़ते प्रदूषण के कारण किसानों को बीज बोने का सबसे अच्छा समय निर्धारित करना चुनौतीपूर्ण लगता रहा है। लेकिन एआई का उपयोग करके किसान मौसम पूर्वानुमान का उपयोग करके मौसम की स्थिति का विश्लेषण कर सकते हैं, जिससे उन्हें यह योजना बनाने में मदद मिलती है कि किस प्रकार की फसल उगाई जा सकती है और कब बीज बोए जाने चाहिए? कुल मिलाकर जल्द ही इस क्षेत्र में एआई रोबोटिक्स का प्रवेश होगा और वह अपने हाथ में खेती-किसानी की सारी व्यवस्था संभाल लेगा। यानी जल्द ही इस तकनीक में ऑब्जर्वर या कंट्रोलर की भी जरूरत नहीं रहेगी। एआई तकनीक रोबोट के रूप में स्वयं खेती करती नजर आएगी। कह सकते हैं कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जिस तरह का चमत्कारिक भविष्य दूसरे क्षेत्रों में संभव बना रहा है, करीब-करीब वैसी ही संभावना कृषि के क्षेत्र में भी दिखाई दे रही है। *

कई तरह से यूजफुल है एआई

एग्रीकल्चर में एआई का उपयोग करने वाले एप्लिकेशन और समाधान किसानों को जल प्रबंधन, फसल चक्र, समय पर कटाई, खेती की जाने वाली फसल के प्रकार, कीट हमलों से संबंधित सभी जानकारियां और सही सलाह भी देते हैं। एआई बेस्ड सिस्टम, मौसम की भविष्यवाणी करते हैं। कृषि स्थिरता की निगरानी करते हैं। उपग्रहों और ड्रोन द्वारा ली गई तस्वीरों के साथ तापमान, वर्षा, हवा की गति और सूर्य विकिरण जैसे डेटा का उपयोग करके बीमारियों या कीटों और कुपोषित पौधों की उपस्थिति के लिए खेतों का आकलन करते हैं। एसएमएस-फैसिलिटी वाले फोन और सोइंग एप जैसे बुनियादी उपकरणों के साथ, कनेक्टिविटी के बिना, किसान एआई से तुरंत लाभ उठा सकते हैं। इस बीच, वाई-फाई कनेक्टिविटी वाले किसान अपने खेतों के लिए लगातार एआई-अनुरूप योजना प्राप्त करने के लिए एआई एप्स का उपयोग कर सकते हैं।

टेक्नोलॉजी की स्मार्ट स्ट्रेटेजी कर रही हमारा माइंड कंट्रोल

इस बात में कोई संदेह नहीं कि इंटरनेट टेक्नोलॉजी ने हम सभी के जीवन को बेशुमार सुविधाएं दी हैं। लेकिन यह भी सच है कि इसका उपयोग अब हमारे माइंड को कंट्रोल करने के लिए भी किया जाने लगा है। हम कभी अंजाने में तो कभी मजबूरी में वो सब देखने, चुनने या करने के लिए बाध्य हो जाते हैं, जो टेक्नोलॉजी हमसे करवाना चाहती है। जानिए, माइंड कंट्रोलर बनते टेक्नोलॉजी की स्मार्ट स्ट्रेटेजी के बारे में।

{ टेक्नोलाइफ / अपराजिता }

कई सालों तक गूगल में डिजाइन एथिसिस्ट की पोस्ट पर रहे ट्रिस्टन हैरिस कहते हैं, 'लोगों को मूर्ख बनाना, उन्हें यह विश्वास दिलाने से कहीं अधिक आसान है कि वे मूर्ख बन गए हैं।' हालांकि मूल रूप से यह कथन उनका नहीं है, उनके मुताबिक उन्हें भी नहीं पता कि यह वास्तव में किसका है, लेकिन वो कहते हैं कि आज टेक्नोलॉजी पर नियंत्रण रखने वाले टेक्नो गुरु कुछ ऐसा ही कर रहे हैं। भले टेक्नोलॉजी के जरिए आपकी जिंदगी को सहूलियत से भरपूर बनाने की कितनी ही बातें हों, लेकिन अंततः इसका एक ही मकसद है, आपको अपने इशारों का गुलाम बनाना।

लिमिटेड ऑप्शंस का प्रेशर : 21वीं सदी के पहले दशक में तेजी से उभरी इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी ने खासतौर पर इंसानी दिमाग पर सबसे मजबूत कब्जा किया है। ट्रिस्टन के मुताबिक वास्तव में टेक्नोलॉजी इंसानी कमजोरियों को हाईजैक करती है और इसके निशाने पर अरबों लोग होते हैं, क्योंकि टेक्नोलॉजी सिर्फ और सिर्फ यही चाहती है कि लोग उसके इशारे पर नाचें। कोई भी इंफॉर्मेटिव तकनीक सबसे पहले आपको स्वतंत्र रूप से सोचने से रोकती है। ट्रिस्टन के अनुसार, जब आप किसी रेस्टोरेंट में जाते हैं तो जो आपको मेन्यू पेश किया जाता है, वो मेन्यू आपको यह नहीं बताता कि इसमें कौन से व्यंजन नहीं हैं, ना ही रेस्टोरेंट यह पूछता है कि आप क्या खाएंगे? रेस्तरां आपको अपने व्यंजनों की लिस्ट पकड़ाता है और चुनने के लिए बाध्य करता है। पश्चिमी संस्कृति वैयक्तिक स्वतंत्रता की खूब वकालत करती है, लेकिन गहराई से देखें तो उन्नत तकनीक के जरिए वह आपकी स्वतंत्रता ही छीनती है। मसलन, मेन्यू आपको अपना ऑप्शन चुनने की छूट नहीं देता। मौजूद ऑप्शंस में से चुनने का दबाव आप पर ही डालता है। ऑप्शंस की सूची देते समय तकनीकी कभी आपको नहीं पूछती कि आपको क्या चाहिए? वह इस तरह की परिस्थिति ही नहीं बनने देती। आपने नेट में शॉपिंग करते हुए महसूस किया होगा कि सर्च आप कुछ भी कर लीजिए, इंटरनेट वही प्रस्तुत करेगा, जिसे उसे बेचना होता है। यह महज की-वर्ड का नहीं टेक्नोलॉजी के वर्चस्व का खेल है।

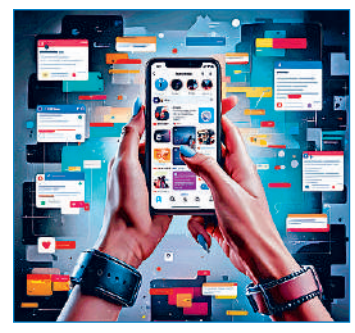

ऑप्शंस में उलझ जाते हैं हम : जब भी आप इंटरनेट में अपनी पसंद की कोई चीज ढूंढ़ते हैं तो एक दो नहीं सैकड़ों उत्पाद आपके इर्द-गिर्द इस तरह से मंडराते हैं, जैसे आपने उन्हें ही खोजा हो। आप इंटरनेट पर किसी विज्ञान से संबंधित सवाल का जवाब जानना चाहते हैं, लेकिन वह इसे बताने से पहले आपको यह बताएगा कि आपके आस-पास कौन से बेहतर रेस्टोरेंट हैं? कहां कॉकटेल पार्टी की जा सकती है और यह भी कि महज कुछ रुपए में आकर्षक डेकोरेटिव आइटम पाएं। हो सकता है, कई बार आप जिस सवाल का जवाब ढूंढ़ रहे हों, दर्जनों वेबसाइटें आपको अपने साथ उस सवाल का जवाब देने के लिए खींचें, लेकिन आप हैरान होंगे कि उनके पास आपके सवाल का कोई जवाब नहीं है बल्कि वह उस की-वर्ड की गफलत पैदा करके आपको एक के बाद दूसरी, दूसरी के बाद तीसरी क्लिक के जरिए अपने गंतव्य तक ले जाएगा। वहां पहुंचकर आप अगर उनके प्रोडक्ट से प्रभावित नहीं होते या उनकी तरफ आकर्षित नहीं होते तो मन मसोसकर रह जाते हैं कि कैसे आप क्लिक दर क्लिक पीछा करके बेवकूफ बने।

क्या होती है टेक्नोलॉजी की स्ट्रेटेजी : सूचना प्रौद्योगिकी का मकसद यह नहीं है कि आप क्या चाहते हैं, उसका पूरा का पूरा फोकस इस बात पर है कि आपके दिमाग पर कब्जा करके या उसे मैस्मराइज करके किस तरह से वह अपना स्वार्थ सिद्ध कर ले। आप किसी फूल के बारे में जानना चाहते हैं, लेकिन इंटरनेट तुरंत आपको फूलों की घाटियां ले जाएगा ताकि आप पर्यटन का प्रोग्राम बना लें, डेटिंग के लिए वह जगह चुन लें। इंटरनेट हमें चुनने की सुविधा नहीं देता बल्कि हम पर विकल्प थोपता है। अंततः हम इस कदर गड्डमड्ड हो जाते हैं कि हारकर समर्पण कर देते हैं।

भ्रमित कर देता है ऑटो ऑप्शन : आप कुछ टाइप करना चाहते हैं, पहला अक्षर भर टाइप करते हैं कि अनगिनत विकल्प आपके सामने आ खड़े होते हैं कि मेहनत मत करिए सिर्फ सेलेक्ट कर लीजिए कि क्या चाहिए? यह सुविधा नहीं है, तकनीक द्वारा आपको अपने इशारों पर नचाना है। आपको अपने दोस्त को ई-मेल लिखना है, लेकिन आप पहला शब्द लिखते हैं कि इंटरनेट आपको इस मेहनत से मुक्त रहने की गुजारिश करने लगता है, वह आपको बनी-बनाई मेल प्रस्तुत कर देता है। यकीन मानिए, अगर आपका ई-मेल क्लाइंट आपको जवाब देने के लिए सशक्त विकल्प दे, बजाय इसके कि आप क्या संदेश टाइप करना चाहते हैं, तो आप देर तक उलझे रहेंगे और हो सकता है ना टाइप कर पाएं। लेकिन अगर टाइप करेंगे तो वह महज शब्द नहीं आपकी अभिव्यक्ति होगी। लेकिन तकनीक इतना धैर्य नहीं रखना चाहती। वह आपको इतने ऑटो ऑप्शन देती है कि आप कुछ लिखने की बजाय तकनीक के ऑटो ऑप्शन को ही पिंग बॉल की तरह इधर से उधर खेलते रहें। दरअसल, हमारे दिलो-दिमाग में यह बात भर दी गई है कि हम कुछ करने की कोशिश करें और डिवाइस ऑटोमेटिक तरीके से खुद ही कर दे तो यह सुविधा नहीं गुलामी है।

आज तकनीक ने हमारे दिमाग को ऐसे कंट्रोल कर लिया है कि हमारी जगह वो खुद ही फैसला कर लेता है कि हमें क्या देखना, पढ़ना या चुनना चाहिए। *

{ गजल / गोविंद भारद्वाज }

रोज आंखों में नमी अच्छी नहीं,
इन लबों पर तिश्नगी अच्छी नहीं।
दौरे-उल्फत है बड़ा बदनाम ये,
इश्क में आवारगी अच्छी नहीं।
वक्त के भी साथ चलना चाहिए,
आज इतनी सादगी अच्छी नहीं।
जिंदगी के मायने अब जानिए,
उम्र भर की बेखुदी अच्छी नहीं।
दूसरों के चंद टुकड़ों पर पले,
दोस्तों वो जिंदगी अच्छी नहीं।
जो अंधेरे को मिटा दे वो मिले,
बेसबब की रोशनी अच्छी नहीं।
आप आए और आकर चल दिए,
ये अदा तो आपकी अच्छी नहीं।

{ लघुकथाएं }

मजबूरी

संदेश मोटरसाइकिल से किसी तरह कैलाश अपार्टमेंट पहुंचा। रात के बारह बज गए थे। एक तो इतनी रात, ऊपर से तेज बारिश। इन दिनों हालात उसकी गरीबी-बेकारी की परीक्षा ले रहे थे। बहुत मजबूरी में वह एक फूड डिलीवरी कंपनी में काम कर रहा था। संदेश किसी तरह ग्रेजुएशन कर पाया था। दरअसल, उसके मैट्रिक करने के दौरान ही घर की माली हालत बहुत ज्यादा खराब हो गई थी। उस पर अपने बूढ़े होते मां-बाप की जिम्मेदारी थी, ऊपर से बहन की शादी में लिए गए कर्ज को भी उसे चुकाना था।

फूड कंपनी में काम करते हुए वह कम से कम बेरोजगारी से तो कुछ बेहतर स्थिति में आ गया था। लेकिन यह नौकरी भी भला कोई नौकरी थी। वह साढ़े तीन सौ की दिहाड़ी रोज पाता था। चाहे गर्मियों की चिलचिलाती धूप हो, सर्दियों की ठंड या बारिश के दिन हों, उसे हर हाल में डिलीवरी करनी होती है। संदेश अकसर एक दर्द के साथ सोचता था, आदमी के अंदर इतनी भी मानवता नहीं कि वह दरवाजा खोलने के बाद मुस्कराकर स्वागत करे, एक ग्लास पानी पूछ ले। पैकेट लेते हैं, बस इतना पूछते हैं, 'कितना हुआ?' पैसे देकर धड़ाम से घर का दरवाजा बंद कर देते हैं। किसी तरह संदेश सीढ़ियां चढ़कर फ्लैट नंबर बी-56 पहुंचा। कस्टमर मनीष के बिना पूछे ही उसने सफाई दी, 'सर, ट्रैफिक बहुत ज्यादा था, रास्ते में जाम था, इसलिए पिज्जा का ऑर्डर लाने में थोड़ी देरी हो गई। हम तो कस्टमर को समय पर ही डिलीवरी करते हैं।' मनीष उसकी बात सुने बिना ही बोला, 'यह पिज्जा तुम वापस ले जाओ। तुम्हें ऑर्डर करने के बाद मेरे दोस्त मार्केट से चीज, पनीर और ढेर सारा पिज्जा लेकर आ गए थे। मुझे इसका पता तब चला, जब वे सारा सामान लेकर मेरे घर आ गए। तब तक मैं तुम्हें ऑर्डर कर चुका था। हमने अपने दोस्तों के साथ आज जमकर पार्टी की। असल में आज मेरे एक दोस्त दिनेश का जन्मदिन है। हमारे दोस्त बर्थ-डे केक लेकर यहां मेरे फ्लैट पर ही आ गए। यहां अपने यहां सारा इंतजाम करने में मेरा सारा समय निकल गया। मैं पिज्जा का ऑर्डर कैंसल करना भूल गया। अभी मैं ऑर्डर कैंसिल कर देता हूं। नाहक ही तुम्हें इतनी बारिश में परेशानी उठानी पड़ी।' लेकिन तभी मनीष को अपने कुत्ते होलो का ख्याल आया। वह बोला, 'पार्टी के कारण मैं इतना बिजी रहा कि मेरा होलो भूखा ही रह गया। उसकी ओर मेरा ध्यान ही नहीं गया।' वह अपने पालतू कुत्ते को आवाज लगाने लगा, 'होलो-होलो... कहां हो तुम?' तभी होलो धीरे-धीरे पूंछ हिलाते सामने आकर खड़ा हो गया। मनीष उसके बदन पर हाथ फेरते हुए बोला, 'अरे, मेरा बच्चा, कहां बैठा था, मुझसे गुस्सा है क्या?' बदले में होलो कुकियाया। मनीष ने मेज पर रखे पिज्जा का पैकेट उठाया और उसे खोला। देरी से आने के कारण पिज्जा कुछ ठंडा हो गया था। मनीष ने उसे होलो की तरफ बढ़ा दिया। कुछ देर होलो पिज्जा के पास ही खड़ा रहा फिर बॉलकनी की ओर चला गया। मनीष के मुंह से निकला, 'नॉटी कहीं का...!' फिर हंसते हुए संदेश से बोला, 'भाई, मेरी तरह मेरा कुत्ता भी ठंडा खाना नहीं खाता। उसे भी गर्म खाना खाने की आदत है। मेरा ऑवेन अभी खराब है, नहीं तो पिज्जा गरम कर लेता। मैं ऑर्डर कैंसल कर रहा हूं, नहीं तो कंपनी तुम्हारी सैलरी से पैसे काट लेगी। मेरे लिए अब यह ठंडा हो चुका पिज्जा बेकार है। जाते हुए इसको बाहर डस्टबिन में डाल देना।'

संदेश ने पिज्जा का पैकेट वापस अपने बैग में भरा और सीढ़ियों से नीचे उतर आया। दिन भर की भाग-दौड़ से वह थक कर चूर हो गया था। उसे जोरों से भूख लग रही थी। वहीं जमीन पर बैठकर सोचने लगा कि अब क्या किया जाए? घर पहुंचने में भी अभी एक घंटे का वक्त लगेगा। तभी मोबाइल पर उसे ऑर्डर कैंसिल होने का मैसेज दिखा। संदेश ने चैन की सांस ली। मन-ही-मन उसने मनीष को शुक्रिया अदा किया। घर की ओर चलने से पहले उसका ध्यान पिज्जा के पैकेट पर गया। सोचा इसे डस्टबिन में क्यों डालूं? मारे भूख के उसके पेट में चूहे दौड़ रहे थे। पैकेट से ठंडा पिज्जा निकालकर वह धीरे-धीरे खाने लगा। *

-महेश कुमार केशरी

अपनी-अपनी तैयारी

रेडियो और न्यूज चैनल्स पर मौसम विभाग के हवाले से लगातार दो दिन तेज बारिश होने का समाचार आ रहा था। वर्मा जी मार्केट से बेसन, प्याज, भुजिया-नमकीन खरीद लाए। अपनी श्रीमतीजी के हाथों में थैला थमाकर बोले, 'ये सारा सामान किचेन में रख दो। अगले दो दिनों तक झमाझम बारिश होने वाली है। तुम तो जानती ही हो कि बारिश में गरमा-गरम चाय-पकौड़े का मजा कुछ अलग ही होता है। हम बारिश का पूरा मजा लेंगे।' 'जी ठीक है..!' बोलकर पत्नी किचेन में पकौड़े तलने के लिए मिर्च, अदरक, अजवाइन, मंगरैल आदि एक जगह रखने लगीं। उधर वर्मा जी के घर से कुछ दूर खपरैल के घर में रहने वाला दीनदयाल, बाजार से तिरपाल और प्लास्टिक खरीद लाया। खपरैल की छत पर तिरपाल, प्लास्टिक लगाते हुए वह चिंता से अपनी पत्नी से बोला, 'पता है, अगले दो दिनों तक मूसलाधार बारिश होगी। इसलिए छत और दीवार से रिसने वाले पानी के लिए खाली डिब्बा, कनस्तर और बाल्टी जमा करके एक जगह रख लो।' 'जी ठीक है।' बोलकर पत्नी खाली डिब्बा, कनस्तर और बाल्टी जुटाने में लग गई। *

-विनोद कुमार विक्की

{ पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण }

अस्तित्व की तलाश में

हाल में प्रकाशित हुए अपने चौथे कविता संग्रह 'अस्तित्व का यज्ञ' के जरिए सुपरिचित कवयित्री आरती आस्था, हिंदी कविता संसार के समक्ष पुनः उपस्थित हैं। इस संग्रह की कविताओं के निहितार्थ और सरोकार इतने गहन और विस्तृत हैं कि इन्हें किसी एक दायरे में नहीं बांधा जा सकता है। यहां कई कविताओं में पुरुषवादी निर्मम मानसिकता और संवेदनहीन व्यवहार से आहत स्त्री की सिसकियों को महसूस किया जा सकता है तो कुछ कविताओं में पुरुषत्व के अहंकार से उपजी संकीर्ण सोच के विरुद्ध, चेतनासंपन्न स्त्री के प्रतिरोध का स्वर भी साफ सुना जा सकता है। घर-परिवार से लेकर समाज में अपने अस्तित्व की तलाश में भटकती स्त्रियों की दारुण व्यथा को ये कविताएं पूरी मार्मिकता के साथ अभिव्यक्त करती हैं। 'चाहत', 'अघटन ' और 'स्त्रियां कभी माफ नहीं करतीं', इस संग्रह की ऐसी उद्वेलित करने वाली कविताएं हैं, जो आधी आबादी के मन-जीवन की अंतर्तहों में धंसी सच्चाइयों को उजागर करती हैं।

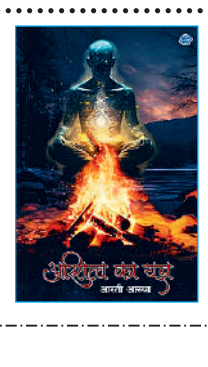

हालांकि इस संग्रह में प्रेम के आत्मिक लगाव की आकांक्षा को व्यक्त करती ('वरदान', 'इमरोज', 'वास्ता', 'मन गंध'), रिश्तों के दुनियावी स्वरूप से अलग उनकी बारीक रेशों की पड़ताल करती ('मां' श्रंखला की कविताएं) और समाज को विचलित करने वाली घटनाओं के प्रतिक्रिया स्वरूप उपजी ('सच बताओ', 'सौ से ज्यादा कारण') कविताएं भी मौजूद हैं, लेकिन इस संग्रह की कविताओं का मूल स्वर, स्त्री अस्मिता को समाज में अपेक्षित स्थान पर प्रतिष्ठित करने से ही संबद्ध है। यही विशेषता इन कविताओं को विशिष्ट बनाती है और बदले संदर्भों में स्त्री विमर्श को नए ढंग से परिभाषित करने के लिए भी बाध्य करती है। *

पुस्तक- अस्तित्व का यज्ञ, कवयित्री- आरती आस्था
मूल्य- 199 रुपए, प्रकाशक- सर्वभाषा ट्रस्ट, नई दिल्ली

सबसे ज्यादा रिटर्न देने वाली 5 स्कीम ने निवेशकों को खूब लुभाया

ऐसे कई फंड हैं, जिन्होंने 5 वर्ष में लम्प सम पर 377% मुनाफा दिया

एसआईपी निवेश पर 153 फीसदी तक का रिटर्न दिया है

मिडकैप स्टॉक में तेजी आने से इनका रिटर्न भी हाई होता है

ये मार्केट कैप के लिहाज से मिड कैप कंपनियों के स्टॉक और इक्विटी-रिलेटेड विकल्पों में निवेश करते हैं

मिडकैप फंडों का बड़ा कमाल, पांच साल में तीन गुना तक बढ़ाया रिटर्न

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

मिड कैप फंड की बात करें तो ये मार्केट कैप के लिहाज से मिड कैप कंपनियों के स्टॉक और इक्विटी-रिलेटेड विकल्पों में निवेश करते हैं। सेबी के अनुसार, मिड कैप कंपनियां, मार्केट कैपिटलाइजेशन में 101 से 250 के बीच रैंक की जाती हैं। मिड कैप कंपनियां स्मॉल-कैप और लार्ज-कैप कंपनियों के बीच आती हैं। ये फंड आमतौर पर लार्ज-कैप फंडों की तुलना में बेहतर रिटर्न देते हैं, लेकिन उनकी तुलना में इसमें अस्थिरता ज्यादा होती है, जबकि स्मॉल-कैप फंडों की तुलना में अधिक स्टेबल होते हैं, लेकिन रिटर्न स्मॉलकैप से कम हो सकता है। कह सकते हैं कि मिड कैप म्यूचुअल फंड रिस्क और रिटर्न का सही संयोजन हैं।

मिडकैप जैसे नाम से ही समझ आता है मझोली कंपनियां यानी जो पूरी तरह से विकसित नहीं हैं, लेकिन विकसित होने की दौड़ में शामिल हैं। ये कंपनियां स्मॉल कैप से बड़ी और लॉर्ज कैप से छोटी होती हैं। ऐसी कंपनियों पर निवेशकों की हमेशा से नजर रहती है, क्योंकि अगर बाजार में रैली आती है या माइक्रो कंडीशन बेहतर होते हैं तो इनमें हाई से हाई रिटर्न देने की क्षमता होती है।

बुलिश मार्केट में ये लार्जकैप की तुलना में डबल या ट्रिपल भी रिटर्न दे सकते हैं। इसी के चलते इक्विटी मिडकैप म्यूचुअल फंड में भी निवेशकों का आकर्षण बढ़ा है। क्योंकि मिडकैप स्टॉक में तेजी आने से इन स्कीम का रिटर्न भी हाई होता है। वैसे बीते 5 साल का रिटर्न देखें तो यह बात साबित भी होती है। बाजार में ऐसे कई मिडकैप फंड हैं, जिन्होंने 5 साल में लम्प सम निवेश पर 377 फीसदी तक और एसआईपी निवेश पर 153 फीसदी तक रिटर्न दिया है।

इन स्कीमों ने किया मालामाल

1. क्वांट मिड कैप फंड
- लम्प सम निवेश पर एनुअलाइज्ड रिटर्न : 36.61%
- लम्प सम निवेश पर एबसॉल्यूट रिटर्न : 376.58%
- 1 लाख लम्प सम निवेश की वैल्यू : 476580 रुपये
- एसआईपी निवेश पर सालाना रिटर्न : 38.15%
- एसआईपी निवेश पर एबसॉल्यूट रिटर्न : 153%
- 5000 मंथली एसआईपी की वैल्यू : 7,59,065 रुपये

स्कीम के बारे में

क्वांट मिडकैप फंड का 31 जुलाई 2024 के अंत तक कुल एसेट्स 9282.92 करोड़ रुपये था, जबकि एक्सपेंस रेश्यो 1.73% था. इस स्कीम में कम से कम लम्प सम निवेश 5000 रुपये किया जा सकता है, जबकि एसआईपी के लिए कम से कम 1000 रुपये मंथली है।

2. मोतीलाल ओसवाल मिडकैप फंड
- लम्प सम निवेश पर एनुअलाइज्ड रिटर्न : 33.39%
- लम्प सम निवेश पर एबसॉल्यूट रिटर्न : 322.94%
- 1 लाख लम्प सम निवेश की वैल्यू : 4,22,937 रुपये
- एसआईपी निवेश पर सालाना रिटर्न : 39.09%
- एसआईपी निवेश पर एबसॉल्यूट रिटर्न : 158.56%
- 5000 मंथली एसआईपी की वैल्यू : 7,75,689 रुपये

स्कीम के बारे में

मोतीलाल ओसवाल मिडकैप फंड का 31 जुलाई 2024 के अंत तक कुल एसेट्स 14445.55 करोड़ रुपये था, जबकि एक्सपेंस रेश्यो 1.69% था. इस स्कीम में कम से कम लम्प सम निवेश 500 रुपये किया जा सकता है, जबकि एसआईपी के लिए कम से कम 500 रुपये मंथली है।

3. मिडकैप अपॉर्चुनिटीज फंड
- लम्प सम निवेश पर एनुअलाइज्ड रिटर्न : 31.03%
- लम्प सम निवेश पर एबसॉल्यूट रिटर्न : 286.78%
- 1 लाख लम्प सम निवेश की वैल्यू : 3,86,779 रुपये
- एसआईपी निवेश पर सालाना रिटर्न : 27.39%
- एसआईपी निवेश पर एबसॉल्यूट रिटर्न : 96.57%
- 5000 मंथली एसआईपी की वैल्यू : 5,89,720 रुपये

स्कीम के बारे में

पीजीआईएम इंडिया मिडकैप अपॉर्चूनिटी फंड का 31 जुलाई 2024 के अंत तक कुल एसेट्स 11268.06 करोड़ रुपये था, जबकि एक्सपेंस रेश्यो 30 जून 2024 तक 1.70% था। इस स्कीम में कम से कम लम्प सम निवेश 5000 रुपये किया जा सकता है।

4. महिंद्रा मैनुलाइफ मिड कैप फंड
- लम्प सम निवेश पर एनुअलाइज्ड रिटर्न : 30.53%
- लम्प सम निवेश पर एबसॉल्यूट रिटर्न : 279.50%
- 1 लाख लम्प सम निवेश की वैल्यू : 3,79,504 रुपये
- एसआईपी निवेश पर सालाना रिटर्न : 33.86%
-एसआईपी निवेश पर एबसॉल्यूट रिटर्न : 129.03%
- 5000 मंथली एसआईपी की वैल्यू : 6,87,104 रुपये

स्कीम के बारे में

महिंद्रा मैन्युलाइफ मिडकैप फंड का 31 जुलाई 2024 के अंत तक कुल एसेट्स 3165.98 करोड़ रुपये था, जबकि एक्सपेंस रेश्यो 1.89% था. इस स्कीम में कम से कम लम्प सम निवेश 1000 रुपये किया जा सकता है, जबकि एसआईपी के लिए कम से कम 500 रुपये मंथली है।

5. निप्पॉन इंडिया ग्रोथ फंड
- लम्प सम निवेश पर एनुअलाइज्ड रिटर्न : 30.61%
- लम्प सम निवेश पर एबसॉल्यूट रिटर्न : 280.68%
- 1 लाख लम्प सम निवेश की वैल्यू : 3,80,684 रुपये
- एसआईपी निवेश पर सालाना रिटर्न : 34.19%
- एसआईपी निवेश पर एबसॉल्यूट रिटर्न : 130.82%
- 5000 मंथली एसआईपी की वैल्यू : 6,92,450 रुपये

स्कीम के बारे में

निप्पॉन इंडिया ग्रोथ फंड का 31 जुलाई 2024 के अंत तक कुल एसेट्स 32970.78 करोड़ रुपये था, जबकि एक्सपेंस रेश्यो 1.59% था। इस स्कीम में कम से कम लम्प सम निवेश 100 रुपये किया जा सकता है, जबकि एसआईपी के लिए कम से कम 100 रुपये मंथली है।

किसे करना चाहिए मिडकैप में निवेश

अगर आप बाजार का कुछ रिस्क लेने को तैयार हैं और आपके निवेश का लक्ष्य कम से कम 5 साल से 7 साल या इससे अधिक का है तो मिडकैप फंड हाई रिटर्न पाने के लिए बेहतर विकल्प माने जाते हैं। एक निवेशक के रूप में, अगर आप लार्ज-कैप फंड की तुलना में अस्थिर बाजार स्थितियों में अधिक रिस्क लेने को तैयार हैं, तो आप फाइनेंशियल एडवाइजर की सलाह लेकर मिडकैप फंड में निवेश कर सकते हैं। फाइनेंशियल एडवाइजर अपनी रिसर्च के आधार पर सही स्कीम चुनने में मदद करते हैं। उनकी रिसर्च में यह शामिल होता है कि किस स्कीम के पोर्टफोलियो में सही मिडकैप कंपनियों के स्टॉक शामिल हैं. उन कंपनियों में आगे ग्रोथ की कितनी क्षमता है।

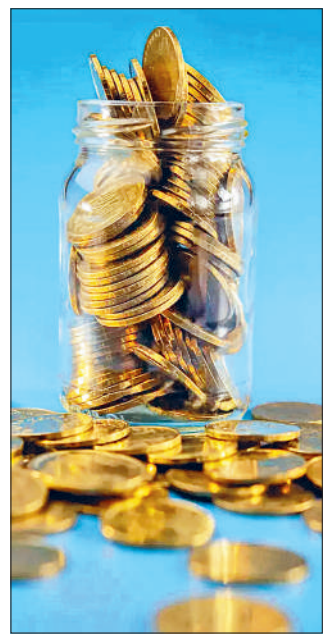

(नोट : हमने यहां एक म्यूचुअल फंड स्कीम के प्रदर्शन के आधार पर जानकारी दी है। यह निवेश की सलाह नहीं है। बाजार में जोखिम होते हैं, इसलिए निवेश के पहले फाइनेंशियल एडवाइजर से सलाह लें।)

मुसीबत में नहीं फैलाने होंगे किसी के सामने हाथ

बनाएं इमरजेंसी फंड

अगर खुद के भविष्य को सुरक्षित रखना चाहते हैं आर्थिक संकट किसी के सामने कभी भी आ सकता है। ऐसे में पहले से ही तैयारी कर लें, ताकि बाद में परेशानी न हो। इमरजेंसी फंड न हो तो कई बार रिश्तेदारों और जानकारों के सामने हाथ फैलाने पड़ जाते हैं। इसलिए बेहतर है कि अपने पास इमरजेंसी फंड जरूर बनाकर रखें, ताकि आर्थिक संकट में यह काम आए। कोशिश करें कि इमरजेंसी फंड आपके महीने के खर्च का कम से कम छह गुना जरूर हो।

बिजनेस डेस्क

अगर आप भी आने वाले समय में आर्थिक संकट से बचना चाहते हैं तो अपने लिए एक इमरजेंसी फंड जरूर बनाएं। इससे आपको आर्थिक संकट आने पर अपने मित्रों, रिश्तेदारों या भाई बहनों के सामने हाथ नहीं फैलाने होंगे। इसलिए जरूरी है कि आर्थिक संकट से निपटने के लिए हमेशा तैयार रहें। आर्थिक संकट कभी भी बताकर नहीं आता ऐसी स्थिति कोरोना जैसी महामारी में, विवाह में, बच्चों की फीस भरने के समय आ सकती है। या कभी कोई अचानक खर्च या हादसा जैसी स्थिति से बचने के लिए इमरजेंसी फंड जरूर बनाएं। इससे आपको आर्थिक आजादी मिलेगी और आप ऐसी किसी भी अचानक सामने आने वाली समस्या से आराम से बच निकलेंगे। इससे आपको पैसे का मोहताज नहीं बनना पड़ेगा। हर शख्स को इमरजेंसी फंड जरूर बनाना चाहिए।

क्या है इमरजेंसी फंउ

इमरजेंसी फंड वह रकम होती है जिसे संकट के समय इस्तेमाल कर सकते हैं। इमरजेंसी फंड के रूप में रकम को कहीं भी जमा या निवेश किया जा सकता है। यह रकम ऐसी जगह रखें जहां से निकालने में बहुत ज्यादा समय न लगे। आर्थिक संकट में जब इमरजेंसी फंड का इस्तेमाल हो जाए तो आर्थिक स्थिति ठीक होने पर इसे फिर से बनाना शुरू कर दें।

कितना होना चाहिए इमरजेंसी फंड?

सबसे पहले सवाल आता है कि इमरजेंसी फंड के रूप में कितनी रकम कफी होगी? इस बारे में अलग-अलग जानकारों की अलग-अलग राय है। कोई महीने के खर्चे के 3 महीने के बराबर बताता है तो कोई 6 महीने के बराबर। वैसे ज्यादातर एक्सपर्ट यही सलाह देते हैं कि इमरजेंसी फंड महीने के खर्चे का कम से कम 6 गुना होना चाहिए। माना जाता है कि जॉब जाने के अमूमन 3 महीने में दूसरी जॉब मिल जाती है। वहीं कारोबार में होने वाले नुकसान की भी भरपाई भी 3 से 5 महीने में होने लगती है। इमरजेंसी फंड में घर के रोजाना होने वाले खर्च से लेकर होम लोन, व्हीकल लोन, इंश्योरेंस प्रीमियम आदि की रकम भी शामिल होनी चाहिए। अगर बच्चे हैं और वह स्कूल या कोचिंग जाते हैं तो इसमें बच्चों की फीस भी शामिल कर लें।

ऐसे इकट्ठा करें इमरजेंसी फंड

जॉब या बिजनेस करते हुए ही इमरजेंसी फंड बनाना शुरू कर दें। हर महीने कमाई में से कुछ रकम निकालें और बैंक अकाउंट या निवेश की स्कीम में इन्वेस्ट शुरू कर दें। अगर आपकी महीने की सैलरी 50 हजार रुपये है तो बेहतर होगा कि हर महीने 10 फीसदी यानी 5 हजार रुपये इमरजेंसी फंड में इन्वेस्ट करें। जब 6 महीने के खर्चे के बराबर रकम इकट्ठी हो जाए तो इसके बाद बेहतर भविष्य के लिए दूसरी स्कीम में इन्वेस्ट करना शुरू कर दें।

यहां जमा करें इमरजेंसी फंड

इमरजेंसी फंड के रूप में जमा या निवेश की जाने वाली रकम ऐसी जगह हो जिसे इमरजेंसी में तुरंत या 24 से 48 घंटे में इस्तेमाल किया जा सके। पूरी रकम को बैंक अकाउंट में न रखें। इमरजेंसी फंड का ज्यादातर हिस्सा ऐसी स्कीम में इन्वेस्ट करके रखें जहां रुपये की वैल्यू बढ़ती हो। आप एसआईपी के जरिए म्यूचुअल फंड में भी कुछ रकम निवेश कर सकते हैं।

बिजनेस साइट

क्रेडाई प्रॉपर्टी एक्सपो को मिल रहा अच्छा रिस्पांस, आज अंतिम दिन

बायर्स की खुशी और बिल्डर्स की संतोषजनक प्रतिक्रिया

रायपुर। क्रेडाई प्रापर्टी एक्सपो 2024 का उद्घाटन शुक्रवार को हुआ और पहले ही दिन भारी भीड़ उमड़ी। शनिवार को भी लगभग 1300 विजिटर्स पहुंचे और रविवार को और अधिक भीड़ की संभावना है। एक्सपो में लोग बजट के अनुसार प्लाट और फ्लैट बुक कर रहे हैं, जिससे बिल्डर्स काफी खुश हैं। विजिटर्स को 200 से अधिक प्रोजेक्ट्स की जानकारी मिली और वे स्पॉट बुकिंग के शानदार ऑफर्स से उत्साहित थे। कई लोगों ने फेस्टिव सीजन के लिए भी बुकिंग की। रेरा के चेयरमैन संजय शुक्ला ने भी एक्सपो का दौरा किया और क्रेडाई छत्तीसगढ़ की टीम को अच्छे आयोजन सराहना की। रेरा का स्टॉल भी पहली बार एक्सपो में शामिल किया गया है, जहां लोगों को रेरा में पंजीकृत प्रोजेक्ट्स की जानकारी दी जा रही है। क्रेडाई छत्तीसगढ़ के अध्यक्ष संजय रहेजा, प्रोग्राम चेयरमेन ऋषभ जैन, को-चेयरमैन नवनीत अग्रवाल व सचिव पंकज लाहोटी ने कहा कि इस एक्सपो के माध्यम से अधिक से अधिक लोगों के आवास का सपना साकार हो गया तो वे मानेंगे क्रेडाई का आयोजन सफल हो गया। क्रेडाई प्रापर्टी एक्सपो में बैंकिंग फाइनेंस के लिए बैंकों के स्टाल भी लगे हुए हैं, जिससे बायर्स को तत्काल सुविधा मिल रही है। क्लोजिंग सेरेमनी रविवार को शाम 7 बजे होगी, जिसमें पूर्व मंत्री व रायपुर सांसद बृजमोहन अग्रवाल मुख्य अतिथि होंगे और अन्य विशेष अतिथि विधायकगण राजेश मूणत, पुरंदर मिश्रा और मोतीलाल साहू उपस्थित रहेंगे। एक्सपो के प्रमुख स्पॉन्सर में एसबीआई, आईसीआईसीआई, आडी, जगुजार, मैजिक पेंट्स, एशियन पेंट्स, पापुलर पेंट्स, एमकेजी और नेचर टच शामिल हैं।

श्री नारायणा हॉस्पिटल में बच्चे के फेफड़े की दूरबीन द्वारा जटिल सर्जरी सफल

रायपुर। श्री नारायणा हॉस्पिटल में बच्चे के फेफड़े की दूरबीन द्वारा जटिल सर्जरी सफलतापूर्वक संपन्न हुई। दरअसल, बिलासपुर के 5 वर्षीय रौनक को पिछले 15 दिनों से तेज बुखार, खांसी और सांस लेने में दिक्कत थी। आसपास के अस्पतालों से इलाज कराने के बावजूद राहत न मिलने पर उसे देवेंद्र नगर स्थित श्री नारायणा हॉस्पिटल लाया गया। यहां चेस्ट फिजिशियन डॉ. अमोल धुड़े और पीडियाट्रिशियन डॉ. अंकिता पटेल ने जांच के बाद पाया कि बच्चे के बाएं फेफड़े में पस जमा हुआ है, जिससे फेफड़ा ठीक से काम नहीं कर रहा था। डॉक्टरों ने पहले छाती में बाईं तरफ नली डालकर पस निकालने की कोशिश की, लेकिन पस की मोटी परत ने फेफड़े को पूरी तरह से संकुचित कर रखा था। आमतौर पर इस सर्जरी के लिए बड़ा चीरा लगाया जाता है, लेकिन श्री नारायणा हॉस्पिटल के पीडियाट्रिक सर्जन डॉ. तन्मय मोतीवाला और कार्डियो थोरेसिक एवं वैस्कुलर सर्जन डॉ. पीयूष केशरवानी ने यह ऑपरेशन दूरबीन द्वारा 5 मिलीमीटर के छोटे चीरे से किया। इस नवीनतम तकनीक से पस की संक्रमित परत को हटाकर फेफड़े को पुनः कार्यशील बनाया गया। ऑपरेशन के बाद बच्चे की स्थिति में तेजी से सुधार हुआ और उसे पांचवे दिन अस्पताल से पूर्णतः स्वस्थ्य अवस्था में डिस्चार्ज कर दिया गया। हॉस्पिटल के मैनेजिंग डायरेक्टर डॉ. सुनील खेमका ने बताया कि बच्चों में दूरबीन द्वारा सर्जरी करने से चीरा छोटा रहता है, दर्द कम होता है और अस्पताल में रहने की अवधि भी कम रहती है। रायपुर में इस तरह की सर्जरी बहुत कम होती है, लेकिन श्री नारायणा हॉस्पिटल में यह सुविधा अब उपलब्ध है।

मल्टीबैगर म्यूचुअल फंड्स ने निवेशकों की कर दी बल्ले बल्ले

पांच साल में तीन लाख को कर दिया बारह लाख रुपये

अगर कोई म्यूचुअल फंड स्कीम महज 5 साल में निवेशकों की रकम को 3 गुने से ज्यादा कर दे, तो उसे मल्टीबैगर ही कहा जाएगा। ऐसी ही एक स्कीम है यूटीआई निफ्टी नेक्स्ट 50 इंडेक्स फंड जिसने पिछले 5 साल में अपने इनवेस्टर्स को मालामाल कर दिया है। शानदार रिटर्न देने वाली यह स्कीम एक ओपन एंडेड इक्विटी म्यूचुअल फंड है और निफ्टी नेक्स्ट 50 टोटल रिटर्न इंडेक्स को ट्रैक करती है। यूटीआई म्यूचुअल फंड्स की यह स्कीम यूटीआई निफ्टी नेक्स्ट 50 इंडेक्स फंड) एक इंडेक्स फंड है। लिहाजा इसका एक्सपेंस रेशियो भी काफी कम है। यूटीआई निफ्टी नेक्स्ट 50 इंडेक्स फंड के रेगुलर और डायरेक्ट, दोनों ही प्लान्स ने पिछले पांच सालों में बेहतरीन रिटर्न्स दिए हैं।

5 वर्ष में निवेश पर रिटर्न
- स्कीम का नाम : यूटीआई निफ्टी नेक्स्ट 50 इंडेक्स फंड (डारेक्ट)
- एकमुश्त निवेश : 3 लाख रुपये
- मंथली एसआईपी : 3000 रुपये
- एकमुश्त निवेश पर औसत सालाना रिटर्न : 23.44%
- एसआईपी पर एन्युलाइज्ड रिटर्न : 28.27%
- निवेश की अवधि : 5 साल
- कुल निवेश : 4,80,000 रुपये (4.80 लाख रुपये)
- निवेश की कुल वैल्यू : 12,21,854 रुपये (12.21 लाख रुपये)
- स्कीम का नाम : यूटीआई निफ्टी नेक्स्ट 50 इंडेक्स फंड (रेगुलर)
- एकमुश्त निवेश : 3 लाख रुपये
- मंथली एसआईपी : 3000 रुपये

कहा कुछ ऐसा, स्टाफ बेहोश!

70 लाख कैश लेकर शॉपिंग करने पहुंची महिला 2 घंटे तक गिनवाया

बीजिंग। आमतौर पर हम सभी जब कहीं शॉपिंग के लिए जाते हैं, तो वहां चीज़ों को देखने में वक्त लग ही जाता है। ऐसे में दुकानदार के व्यवहार पर काफी कुछ निर्भर करता है कि वो आपको क्या दिखा रहा है और कैसे दिखा रहा है। अगर उसका तरीका सही नहीं हुआ तो खरीदारी छोड़िए ग्राहक चिढ़कर भाग जाता है। इसी फैक्ट से जुड़ी हुई एक दिलचस्प खबर पड़ोसी देश चीन से सामने आई है। जब भी आप किसी लग्ज़री ब्रांड के शोरूम में जाते हैं, तो यहां आपका स्वागत होता है। काफी धैर्य से स्टाफ आपकी मदद करता है। हालांकि, एक महिला के साथ ऐसा नहीं हुआ। फिर उसने शोरूम में जाकर जो बदला लिया, वो सुनकर आप दंग रह जाएंगे। शायद ही आपने पहले किसी को ऐसा करने हुए सुना या पढ़ा होगा। साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक चोंगक्यूइंग नाम की जगह पर एक महिला स्टार लाइट प्लेस में शॉपिंग करने गई थी। उसने सोशल मीडिया पर बताया कि वहां लग्जरी ब्रांड के शोरूम में जब वो पहुंची, तो स्टाफ का व्यवहार उसे अच्छा नहीं लगा।

लिया गजब का बदला

महिला दो महीने बाद वो उसी सेंटर में फिर पहुंची। इस बार उसने अपने बड़े से बैग में कुल 600,000 युआन यानी 70 लाख 53 हजार रुपए कैश रखे थे। अपने असिस्टेंट और दोस्त के साथ पहुंची महिला ने कई ड्रेसेज देखीं और उन्हें खरीदने के लिए स्टाफ से बैग में रखे पैसे गिनवाए। कुल 2 घंटे में ये पैसे गिने गए, फिर महिला ने ड्रेस लेने से ही इनकार कर दिया और अपने पैसे लेकर वापस चली गई। महिला की कहानी वायरल हो गई और लोगों ने उसके बदले की जमकर तारीफ की है।

सिद्ध पुरुष

ऑक्सफोर्ड के वैज्ञानिक भी नहीं बता पाए उम्र

इस बाबा के सामने पिस्तौल भी नहीं करती थी काम

नइ दिल्ली। उत्तर प्रदेश का प्रयागराज जिला वैसे तो तपस्वियों की भूमि रहा है। इस तपोस्थली पर अनेकों सिद्ध पुरुष हुए। उनमें से एक थे देवराहा बाबा, जिनका आश्रम उत्तर प्रदेश के देवरिया जिले में सरयू नदी के तट पर स्थित है। लेकिन, वह प्रयागराज से खास लगाव रखते थे। देवरहा बाबा रहस्य बनकर ही इस दुनिया से चले गए, जिनकी उम्र ऑक्सफोर्ड के वैज्ञानिक भी नहीं बता पाए थे।

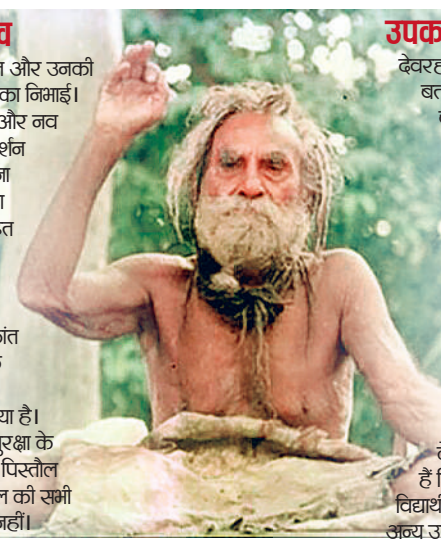

प्रयागराज से रहा खास लगाव

देवरहा बाबा ने महर्षि पतंजलि के योग दर्शन और उनकी योग विद्या को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने इस विद्या के माध्यम से अष्ट सिद्धि और नव निधि को प्राप्त कर लिया और हमेशा योग दर्शन के माध्यम से ब्रह्मलीन ही रहते थे। ऐसा माना जाता है कि उनका ईश्वर से तार हमेशा जुड़ा रहता था। आज भी उनका आश्रम भारत सहित देश-विदेश में फैला हुआ है।

सभी गोलियां मिस हो गईं

ऐसे ही देवरहा बाबा के शिष्य रहे शैलजा कांत मिश्रा जो कि वर्तमान में मथुरा प्राधिकरण के उपाध्यक्ष हैं, वह भी बाबा के सामने पिस्टल लगाकर आए। बाबा ने पूछा यह लौह यंत्र क्या है। शैलजा ने बताया कि पिस्टल है जो हमारी सुरक्षा के लिए है। इस पर उन्होंने बाबा के कहने पर पिस्तौल से गोली चलानी चाही, लेकिन उनकी पिस्तौल की सभी गोलियां मिस हो गईं और पिस्तौल चली ही नहीं।

उपकरण ने जांच में नहीं किया काम

देवरहा बाबा के शिष्य स्वामी रामेश्वर प्रपन्नाचार्य बताते हैं कि हमारे गुरु देवराहा बाबा एक रहस्य बनकर रह गए। आज तक उनकी उम्र सही कोई नहीं बता पाया था। बताते हैं कि 1976 में महाकुंभ के दौरान ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी के कुछ वैज्ञानिक मेले में आए हुए थे। उस दौरान इलाहाबाद विश्वविद्यालय के बॉटनी विभाग के प्रोफेसर डॉ. परिहर के सामने ही वैज्ञानिकों ने उनकी उम्र बताने के लिए उन पर कई इंस्ट्रूमेंट का प्रयोग किया। उनके सैंपल लिए लेकिन उनका इंस्ट्रूमेंट बाबा के ऊपर काम नहीं किया। बताते हैं कि देवराहा बाबा ने कह दिया था कि आपका उपकरण हमारे परिसर के बाहर काम करेगा। हमारा शरीर ईश्वर के द्वारा दिया हुआ है और उन्हीं के द्वारा वापस भी लिया जाएगा। प्रपन्नाचार्य बताते हैं कि उस समय वह इलाहाबाद विश्वविद्यालय के विद्यार्थी थे। उन्होंने देखा कि वैज्ञानिकों का कैमरा और अन्य उपकरण ब्लैंक हो गया था।

क्या आपको भी सच लगती हैं डायनासोर के बारे में ये बातें?

न्यूयार्क। डायनासोर इंसानों के लिए सबसे बड़े रहस्यों में से एक है। इन्हें किसी इंसान ने जिंदा नहीं देखा, लेकिन जब भी कल्पना में खतरनाक किस्म के जानवरों का जिक्र आया, डायनासोर जैसे जानवर जरूर दिखे। समय के साथ वैज्ञानिकों ने इन विचित्र जानवरों का कई रहस्य उजागर किए, जिन्होंने लोगों की कल्पना को अकल्पनीय उड़ान दी। लेकिन, इसको लेकर कई तरह के मिथक हैं जिन्हें लोग सच की तरह मानते हैं। कुछ पर शायद आपको यकीन ना तो कुछ पर हैरानी होगी।

अगर आपसे पूछा जाए कि क्या डायनासोर और इंसान कभी एक साथ रहे थे, तो आप इसका क्या जवाब देंगे। बेशक कभी नहीं, वैज्ञानिकों को आज तक ऐसे जीवाश्म नहीं मिले जो एक ही समय के हों। डायनासोर 6.6 करोड़ साल पहले खत्म हुए थे, जब कि इंसानों के शुरुआती पूर्वज केवल 6 करोड़ साल पहले के हैं। लेकिन फिल्मों, फंतासी कथाओं में ही इंसान और डायनासोर साथ दिख पाए हैं। क्या एक क्षुद्रग्रह ने सभी डायनासोर का पूरी तरह से सफाया कर डाला था? यह दरअसल एक सच को गोलमोल घुमा कर सरल तरीके पेश किया जाने वाले झूठ से ज्यादा कुछ नहीं है।

महिला ने की सहेली से शादी, फिर दोनों को हो गया एक ही लड़की से प्यार!

न्यूयार्क। आपने एक कहावत तो सुनी होगी, प्यार अंधा होता है, क्योंकि वो जाति, धर्म, अमीर-गरीब, काले-गोरे का भेद नहीं देखता. पर 21वीं सदी में प्यार लिंग और उम्र भी नहीं देखता। आजकल बहुत से लोग समलैंगिक विवाह करते हैं। इसमें कोई हैरानी की बात नहीं है, इसे सहजता से अपनाना चाहिए, मगर हाल ही में एक अमेरिकी कपल को लेकर बहुत हैरान हो रहे हैं, जिन्होंने सालों तक एक दूसरे से प्यार किया, साथ शादी की, मगर फिर उन्हें किसी तीसरे इंसान से प्यार हो गया। वो तीनों ही महिलाएं अब साथ मिलकर रहते हैं। एक न्यूज वेबसाइट के अनुसार अमेरिका के मैसाचुसेट्स में रहने वाली केटी और नेस एक दूसरे से प्यार करती थीं। दोनों 7 सालों से रिलेशनशिप में थे। दोनों की मुलाकात एक डे केयर में हुई थी, जहां वो साथ काम किया करते थे। 2021 में दोनों ने शादी की।

अब साथ रहते हैं तीनों

कपल ने कायली को प्रपोज किया और वो अब साथ रहते हैं। तीनों साथ में इंग्लैंड और स्कॉटलैंड की यात्रा भी कर चुके हैं और सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव हो गए हैं। इन सबके बावजूद उनका कहना है कि उन्हें सोशल मीडिया पर काफी आलोचनाएं झेलनी पड़ी हैं। पर उन्हें अब लोगों की बातों से फर्क नहीं पड़ता। वो अब साथ में एक घर खरीदना चाहती हैं और घर में बच्चे का स्वागत भी साथ ही करना चाहती हैं। तीनों अब मिलकर खूब यात्राएं कर रही हैं।

एक शेफ के चक्कर में खत्म हुए पूरे देश के खीरे

लंदन। अलग-अलग शख्स की अपनी खासियत होती है। वो किसी न किसी चीज में इतना अच्छा होता है कि उस की प्रतिभा पर किसी को भी आश्चर्य हो जाए। इस शेफ की रेसिपीज में कुछ तो इतना खास होता है कि लाखों लोग रोजाना इसके वीडियो न सिर्फ देखते हैं, बल्कि ट्राई भी करते हैं।मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक आइसलैंड में इस वक्त खीरे की कमी हो गई है। यहां की सुपरमार्केट में खीरे बचे ही नहीं हैं, क्योंकि अप्रत्याशित रूप से लोगों ने इसे खरीदा है। इसकी वजह है सोशल मीडिया पर पॉपुलर कनेडियन शेफ लोगन मोफित, जिसे कुकंबर ब्वॉय भी कहा जाता है। वो ज्यादातर खीरे से ही जुड़ी रेसिपीज बताता है। आइसलैंड में भी लोग उसकी रेसिपीज को ट्राई करने के लिए खीरे चाहते हैं लेकिन आइसलैंड में खीरे की कमी पड़ रही है।

संजीवनी कैंसर हॉस्पिटल
छत्तीसगढ़ का एक अत्याधुनिक सम्पूर्ण कैंसर हॉस्पिटल जहां एक ही छत के नीचे निम्नलिखित एडवांस्ड सुविधाएं उपलब्ध
रोबोटिक कैंसर सर्जरी | रैपिड आर्क रेडियोथेरेपी | पेट स्कैन | स्पैक्ट (गामा कैमेरा)
बोन मैरो ट्रांसप्लांट | आयोडीन थेरेपी | कीमो, इम्यूनो थेरेपी | फ्रोज़न व आई.एच.सी.
मरीजों के सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण इलाज के लिए पूर्ण NABH से मान्यता प्राप्त
दावड़ा कॉलोनी, पचपेड़ी नाका, रायपुर (छ. ग.)
7389905010, 7389904010, +91 7714081010, 4061010

कालड़ा बर्न एवं प्लास्टिक कॉस्मेटिक सर्जरी सेंटर
फेस लिफ्ट
■ बोटाक्स/फिलर ■ थ्रेड लिफ्ट ■ स्किन पॉलिशिंग ■ लेज़र फेशियल
पचपेड़ी नाका, धमतरी रोड, कलर्स मॉल के पास, रायपुर
कॉल : 9827143060/8871003060
Ajay Advt.

कब्ज का काल
कब्ज नाल
आप ने बहुत से कब्जीयत की दवा ली परंतु बात नहीं बनी स्नेह कब्जनाल चूर्ण के पहले खुराक से पेट खुश तो आप भी खुश पेट के संपूर्ण रोगों के लिए आर्शीवाद यह नये-पुराने चिपके हुए मल को शोधन कर आँतों को साफ रखता है। बवासीर को ठीक करता है।
पेशाब से जाने वाले चिपचिपे पदार्थ को तुरंत रोकता है।
सभी मेडिकल व जनरल स्टोर में उपलब्ध एक बार अवश्य प्रयोग करें
अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें
Mob. : 93032-42200

करुणा श्री कैंसर हॉस्पिटल
अरबिंदो नेत्रालय के पास, पचपेड़ी नाका, रायपुर
कैंसर का इलाज संभव है
मुँह एवं गले का कैंसर | बच्चेदानी का कैंसर | स्तन कैंसर | रक्त सम्बन्धी विकार | पेट, लिवर, गुदा द्वार का कैंसर
+ उपलब्ध सुविधाएं +
कीमोथेरेपी | सर्जरी | रेडिएशन | इम्यूनोथेरेपी
आयुष्मान भारत योजना से अनुबंधित
अधिक जानकारी एवं सहायता हेतु संपर्क करे:
0771 4280003, 6232143778
#Rajesh

सुयश हॉस्पिटल
(NABH से मान्यता प्राप्त)
स्पाईन विभाग
• रीढ़ की हड्डी में चोट या फ्रेक्चर
• रीढ़ की हड्डी में ट्यूमर
• डिस्क प्रोलेप्स
• पीठ दर्द एवं कमर दर्द
• सायटिका • Spine TB (Pott's Spine)
एवं रीढ़ की हड्डी से संबंधित सभी प्रकार की बीमारियों के विशेष ईलाज की सुविधा.
24 Hours Helpline
9926386660
कोटा-गुढ़ियारी रोड़, होटल पिकाडली के पीछे, रायपुर
Ajay 9827144371

एस.एम.सी. सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल
छत्तीसगढ़ के अनुभवी पेट एवं लीवर रोग विषेशज्ञ
डॉ संजय अग्रवाल
(M.D., D.M. Gastroenterology)
पूर्व पेट रोग विशेषज्ञ सफदरजंग अस्पताल, नई दिल्ली
पूर्व पेट रोग विशेषज्ञ बनारस हिन्दू यूनिवर्सिटी, वाराणसी
हमारी सुविधाएं
एंडोस्कोपी | कोलोनोस्कोपी | इआरसीपी | सोनोग्राफी | ब्लड टेस्ट
पेट सम्बन्धी बीमारियों का इलाज
• गैस • खट्टी डकार • फैटी लीवर • खाना निगलने में परेशानी • पेट फूलना • लीवर सिरोसिस • पैंक्रियाटाइटिस • उल्टी में खून आना • लीवर ट्रांसप्लांट
RAILWAY, CSEB, ESIC एवं आयुष्मान भारत से मान्यता प्राप्त
अपॉइंटमेंट के लिए संपर्क करें:-
9238175001/9238175002
www.smchospital.in
INFRONT OF BSNL OFFICE,
VIDHAN SABHA ROAD, NEAR ASHOK RATAN, SHANKAR NAGAR, RAIPUR (C.G.)
#Rajesh

मित्तल हॉस्पिटल
कैंसर विभाग
भिलाई : सुर्या टी.आई. मॉल के पास
फोन: 0788 - 2294443, 90392 38971, 77228 80844
रायपुर : होली क्रॉस स्कूल के पास, अवंति बाई चौक, पंडरी
फोन: 91313 99570, 93430 79151
आयुष्मान कार्ड से इलाज की सुविधा
हमारे अनुभवी कैंसर विशेषज्ञ
डॉ. सुमन मित्तल MBBS, MD, DM कीमोथेरेपी विशेषज्ञ
डॉ. स्नेहा बोथरा जैन MBBS, MD, DNB कीमोथेरेपी विशेषज्ञ
डॉ. अरविन्द कुमार MBBS, MD, DNB कीमोथेरेपी विशेषज्ञ
डॉ. पूनीत सेठ MBBS, MD रेडिएशन आंकोलॉजिस्ट
डॉ. जसवंत जैन MBBS, MS, MCH कैंसर सर्जन
डॉ. नवीन वर्मा MBBS, MS, MCH कैंसर सर्जन
डॉ. अंबर गर्ग MD, DNB हेमोटोलॉजिस्ट एवं BMT विशेषज्ञ
डॉ. निहार गुप्ता MBBS, MD, Fellow in रक्त रोग विशेषज्ञ
Deepak Advts

कठिन समस्याएं अब न होंगी
सच्ची सहेली है बेहतर स्वास्थ्य के लिए सबसे भरोसेमंद औषधि एवं टॉनिक
INDIA'S MOST TRUSTED BRAND
WORLD'S GREATEST BRANDS 2015-16 IUA
Clinically Tested*
*For efficacy and safety.
पूर्ण स्वदेशी, पूर्ण आयुर्वेदिक
67 दुर्लभ जड़ी-बूटियों से बना 'सच्ची सहेली' आयुर्वेदिक टॉनिक निम्न समस्याओं में विशेष सहायक है।
Helps in:
कठिन दर्द | चिड़चिड़ापन | थकान | कमजोरी | कमर कटना | इम्यूनिटी
सच्ची सहेली®
24x7 Helpline: 77106 44444 | www.sachisaheli.in | Available at all medical & general stores

24x7 Helpline: 85568 09999
Dr. Juneja's ACCUMASS®
वज़न बढ़ाए आत्मविश्वास जगाए
एक्यूमॉस आयुर्वेदिक ग्रेन्यूल्स
स्वस्थ हृदय ही अच्छे स्वास्थ्य की पहचान है।
बैद्यनाथ
असली आयुर्वेद
अर्जुनामृत
• अर्जुनामृत में अर्जुन के अलावा विडंग, गोखरू एवं नागकेशर जैसे बहुमूल्य जड़ी - बूटीयों से युक्त होने से अधिक गुणकारी है।
• बढ़ती उम्र के लिए लाभकारी।
• अर्जुनामृत के साथ शुध्द शिलाजीत युक्त प्रभाकर बटी का सेवन विशेष लाभदायक है।
ARJUNAMRITA Vital tonic for healthy living
वैद्यकीय सलाह : 8448444935 www.baidyanath.co

BALCO Medical Centre
छत्तीसगढ़ की पहली नवीनतम हैल्सीऑन व टू बीम रेडिएशन मशीनो द्वारा कैंसर का सटीक ईलाज, बालको मेडिकल सेंटर में
कैंसर की देखभाल में अत्याधुनिक तकनीक
1 100% IGRT सटीक रेडीएशन के लिए 2 न्यू जनरेसन मशीन 3 बेहतर कार्य प्रवाह दक्षता 4 उच्च छवि गुणवत्ता 5 100 cm चौडे बोर के साथ मानव केंद्रित डिजाइन 6 हाइपरसाइट के साथ हैल्सीऑन
1 SGRT (सरफ़ेस गाइडेड रेडियोथेरपी) के द्वारा रियल टाइम ट्यूमर ट्रेकिंग जो फेफडो के कैंसर, लिवर SBRT, बाएं साइड के स्तन के रेडिएशन में अत्याधिक कारगर 2 SRS/SBRT/SRT की सुविधा जहाँ उक्त ईलाज हाईपर आर्क प्लानिंग और डेडीकेटिड इमोबलाईजेशन के साथ त्रुटिरहित रेडीएशन किया जाता है 3 हाई डेफिनीशन MLC व रोबोटिक 6D काउच की सुविधा 4 IGRT/IMRT/3DCRT की सुविधा
डॉ. गौरव गुप्ता वरिष्ठ विशेषज्ञ एवं HOD रेडिएशन ऑन्कोलॉजिस्ट
डॉ. आर श्रेयस विशेषज्ञ रेडिएशन ऑन्कोलॉजिस्ट
डॉ. चैतन्य साहू विशेषज्ञ रेडिएशन ऑन्कोलॉजिस्ट
डॉ. अन्वीक्ष पारीक विशेषज्ञ रेडिएशन ऑन्कोलॉजिस्ट
कैंसर का संपूर्ण इलाज एक छत के नीचे
• सभी प्रकार की कैंसर एवं रीकन्सट्रक्टिव सर्जरी • पैट स्कैन, स्पैक्ट स्कैन, HDT, LDT थेरेपी • कीमोथेरेपी, इम्यूनो थेरेपी एवं टार्गेटेड थेरेपी • रक्त-सम्बन्धी सभी बीमारियों एवं बोन मैरो ट्रांसप्लांट • अत्याधुनिक गहन चिकित्सा इकाई (आईसीयू) • सूक्ष्म या न्यूनतम चीरा • पैन एवं पैलिएटिव केयर • 24X7 लैब सेवाएं • ब्लड बैंक • फार्मेसी • कॉल सेंटर • आपातकालीन सेवाएं
बालको मेडिकल सेंटर
बीएमसी कैंसर डेकेयर - 1st फ्लोर, गंगा डायग्नोस्टिक्स, कलर्स मॉल के पास, धमतरी रोड, रायपुर (छ.ग.)
हॉस्पिटल - सेक्टर 36, नया रायपुर, छ. ग. 8282823333/4444 | www.balcomedicalcentre.com
ATUL
छत्तीसगढ़ शासन, डॉ.खूबचंद बघेल योजना, आयुष्मान भारत, BSKY C.G.H.S. एवं सभी प्रमुख PSUs-Coal India (SECL), SAIL, SECR, CRPF ESIC, ECHS, NTPC, NMDC व बीमा कम्पनियों से अनुबंधित

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अनिल कुमार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से मुद्रित एवं हरिभूमि काम्पलेक्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक धनंजय वर्मा, संपादक (समन्वय) ब्रह्मवीर सिंह। RNI No. CHHHIN/2002/07457, फोन : 0771-4242222, e-mail:raipur@haribhoomi.com